शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in

हिंदी दैनिक

गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

# विकसित भारत समाचार

वर्ष : 10 | अंक : 301 | गुवाहाटी | शनिवार, 1 जून, 2024 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

अगर आपको भगवान में आस्था है तो इसे अपने घर पर करें पेज 2
मंत्री पीयूष ने बाढ़ और कटाव का लिया जायजा पेज 3
बच्चा-बच्चा बोल रहा अबकी बार 400 पार : सीपी जोशी पेज 5
अफगानिस्तान टीम ने अच्छे अच्छे का किया खेल खराब... पेज 7

## देश में मौसम का रौद्ररूपी मिजाज

# कहीं बाढ़ ने मचाई तबाही, तो कहीं भीषण आग उगल रहा सूरज

## असम-मणिपुर में भारी बारिश से उफान पर नदियां

### दो लाख से ज्यादा लोग प्रभावित; अब तक छह लोगों की मौत

**गुवाहाटी/इंफाल/नई दिल्ली (एजे)।** असम और मणिपुर में रेमल चक्रवात की वजह से भारी बारिश हुई है। इस वजह से ब्रह्मपुत्र, बराक समेत छह नदियों में बाढ़ आ गई है। जिसके कारण क्षेत्र में कई जिलों में खतरा बढ़ गया है। केंद्रीय जल आयोग (सीडब्ल्यूसी) ने बताया कि असम के जोरहाट जिले के नीमातिघाट पर ब्रह्मपुत्र नदी 85.25 मीटर पर बह रही है। ब्रह्मपुत्र नदी खतरे के निशान से .29 मीटर ऊपर है। वहीं बराक नदी में भी गंभीर खतरा बना हुआ है। सीडब्ल्यूसी के डेटा के मुताबिक मणिपुर के इंफाल जिले में बराक नदी 30.15 मीटर पर बह रही है, जो कि खतरे के निशान से 3.95 मीटर ऊपर है। इस वजह से आसपास की जगह और यहां रहने वाले लोगों के लिए खतरा काफी बढ़ गया है। असम में भी बराक नदी के उफान पर होने के कारण कई जिले प्रभावित हुए हैं। करीमगंज के बदरपुर घाट पर बरक 18.13 मीटर पर बह रही है, जो कि खतरे के निशान से 1.28 मीटर ऊपर है। वहीं कछार जिले के अन्नपूर्णा घाट पर यह नदी 21.52 मीटर पर बह रही है, जो कि खतरे के निशान से 1.69 मीटर ऊपर है। कछार जिले के फुलेरताल में जल स्तर 25.94 मीटर हो -शेष पृष्ठ दो पर

## जानलेवा गर्मी के कारण झारखंड और ओडिशा में नौ लोगों की मौत, 1300 से अधिक अस्पताल में भर्ती

**नई दिल्ली।** झारखंड और ओडिशा में लू के कारण कुल नौ लोगों की मौत हो गई। इसके अलावा 1300 से अधिक लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया। शुक्रवार को झारखंड में लू लगने से चार लोगों की मौत हो गई। जबकि पूर्वी राज्य के अधिकांश हिस्सों में भीषण गर्मी के बीच 1,326 अन्य लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया। ओडिशा सरकार ने भी शुक्रवार को लू लगने से अब तक पांच लोगों की मौत की पुष्टि की है। गर्मी से जुड़ी बीमारी से 18 और लोगों की मौत की जांच की जा रही है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (झारखंड) के मिशन निदेशक डॉ. आलोक त्रिवेदी ने बताया कि झारखंड में लू लगने से चार लोगों की मौत हो गई। जिसमें तीन लोग पलामू में और एक व्यक्ति की जमशेदपुर में मौत हो गई। हालांकि ये मौतें अस्पतालों में नहीं हुईं। गर्मी से जुड़ी समस्याओं के कारण विभिन्न जिलों में 1,326 लोगों को अस्पतालों में भर्ती कराया जा चुका है। इनमें से अब तक 63 लोगों में लू लगने की पुष्टि हुई है। उन्होंने यह भी बताया कि सभी जिला अस्पतालों और अन्य चिकित्सा सुविधाओं को लू लगने वाले रोगियों को वातानुकूलित कमरे और खाली बिस्तर रखने को -शेष पृष्ठ दो पर



## चिंताजनक खबर : देश के जलाशयों में बचा सिर्फ 23 फीसदी पानी

**नई दिल्ली।** देश में भीषण गर्मी ने जहां लोगों के पसीने छुड़ाए हुए हैं, वहीं पानी के स्त्रोतों को भी सुखा दिया है। केंद्रीय जल आयोग की हालिया रिपोर्ट में कुछ ऐसे आंकड़े दिए गए हैं, जो हमारी चिंता बढ़ाने वाले हैं। जल आयोग की रिपोर्ट के अनुसार देश के 150 मुख्य जलाशयों में पानी घटकर महज 23 प्रतिशत रह गया है। पिछले साल इस समय के मुकाबले यह 77 प्रतिशत कम है। देश के जलाशयों में कितनी तेजी से पानी कम हो रहा है, उसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि बीते हफ्ते ही इन जलाशयों में पानी का लाइव स्टोरेज 24 प्रतिशत था, जो एक हफ्ते में ही एक प्रतिशत घट गया। केंद्रीय जल आयोग ने अपने साप्ताहिक बुलेटिन में शुक्रवार को बताया कि अभी देश के जलाशयों में 41.705 अरब क्यूबिक मीटर पानी की लाइव स्टोरेज है, जो कुल क्षमता का सिर्फ 23 प्रतिशत है। रिपोर्ट में बताया गया है कि बीते साल इस समय देश के मुख्य जलाशयों में कुल 53.832 अरब क्यूबिक मीटर पानी था। इस साल पिछले साल के मुकाबले सिर्फ 77 प्रतिशत पानी जलाशयों में है। जल आयोग द्वारा देश के जिन मुख्य जलाशयों की निगरानी की जाती है, उनमें कुल जल भंडारण क्षमता 178.784 अरब क्यूबिक मीटर है, जो देश में कुल जल भंडारण क्षमता की 69.35 प्रतिशत है। देश के मुख्य 150 जलाशयों में से 10 जलाशय भारत के उत्तरी इलाके में है, जिनमें -शेष पृष्ठ दो पर

door graph Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात

*सच्चाई के लिए कुछ भी छोड़ देना चाहिए.., पर किसी के लिए भी सच्चाई नहीं छोड़ना चाहिए।*
– **स्वामी विवेकानंद**

## पूर्वोत्तर के बाढ़ प्रभावित राज्यों का अमित शाह ने लिया जायजा, हरसंभव मदद का आश्वासन दिया



**नई दिल्ली।** केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को चक्रवात *रेमल* के कारण पूर्वोत्तर के कई राज्यों में भारी बारिश से पैदा हुई बाढ़ की स्थिति का जायजा लिया और उन्हें हर संभव मदद का आश्वासन दिया। शाह ने कहा कि उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को असम, त्रिपुरा, मणिपुर, मेघालय और मिजोरम की मौजूदा स्थिति से अवगत कराया और उन्होंने प्रभावित लोगों के साथ एकजुटता भी व्यक्त की। अमित शाह ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि असम, त्रिपुरा, मणिपुर, मेघालय और मिजोरम में चक्रवात रेमल के कारण उत्पन्न प्राकृतिक आपदाओं के बारे में चिंतित हूं। साथ ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को स्थिति से अवगत कराया, जिन्होंने प्रभावित लोगों के साथ एकजुटता व्यक्त की। केंद्रीय गृह मंत्री ने पांचों राज्यों के मुख्यमंत्रियों से भी बात की और उन्हें हरसंभव मदद का आश्वासन देते हुए स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने कहा कि हमारी प्रार्थनाएं उन लोगों के साथ हैं, -शेष पृष्ठ दो पर

## पीओके हमारा नहीं है : पाकिस्तान का बड़ा कबूलनामा

### इस्लामाबाद एचसी ने पूछा- फिर विदेशी जमीन पर क्यों तैनात किए सैनिक

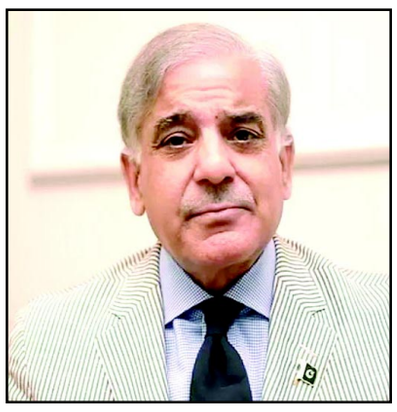



**नई दिल्ली।** पाकिस्तान ने पीओके को लेकर खुद की ही पोल खोल दी है। दरअसल, इस्लामाबाद हाईकोर्ट में पाकिस्तान के एक सरकारी वकील ने ही चौंकाने वाला दावा किया है। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) को पाकिस्तान आजाद कश्मीर कहता है, जिसपर अब उसने बड़ा बयान दिया है। भारत इसे अपना अभिन्न अंग मानता है। फेडरल प्रॉसिक्यूटर जनरल (सरकारी वकील) इस्लामाबाद से अगवा कवि अहमद फरहाद को लेकर सरकार का बचाव कर रहे थे, तभी उन्होंने कहा कि वो *आजाद कश्मीर* में 2 जून तक रिमांड पर रहेंगे। सरकारी वकील ने कहा कि उसे इस्लामाबाद कोर्ट के सामने पेश नहीं किया जा सकता क्योंकि आजाद कश्मीर हमारा नहीं, बल्कि एक विदेशी क्षेत्र है। हाईकोर्ट भी सरकारी वकील के दावे पर हैरान हुआ और उसने कहा कि अगर आजाद कश्मीर एक विदेशी क्षेत्र है, तो फिर पाकिस्तानी रेंजर्स यहां पाकिस्तान से कैसे प्रवेश कर गए। उधर पाकिस्तानी पत्रकार ने इस दावे पर नाराजगी जताई है और कहा कि ये दावा न्यायिक प्रणाली और आजाद कश्मीर की स्थिति पर कई सवाल खड़े कर रहा है। उन्होंने कहा कि अगर आजाद कश्मीर हमारा नहीं है तो पाकिस्तान को एक विदेशी क्षेत्र में सैनिकों की तैनाती और प्रशासन का अधिकार कैसे मिला।

## न्यूज गैलरी

### एग्जिट पोल की डिबेट में हिस्सा नहीं लेगी कांग्रेस

**नई दिल्ली।** लोकसभा चुनाव 2024 के सातवें और आखिरी चरण के लिए एक जून को वोटिंग होगी। इससे पहले पूरे देश में आम चुनाव के लिए छह चरणों में मतदान हो चुका है। ऐसे में सातवें और आखिरी चरण की वोटिंग के बाद शनिवार शाम को एक्जिट पोल आएंगे, जिसके लेकर मुख्य विपक्षी पार्टी -शेष पृष्ठ दो पर

### प्रज्वल रेवन्ना को 6 जून तक हिरासत में भेजा गया

**बेंगलुरु।** जद (एस) के निलंबित सांसद प्रज्वल रेवन्ना को बेंगलुरु कोर्ट ने छह जून तक विशेष जांच दल (एसआईटी) की हिरासत में भेज दिया है। यौन उत्पीड़न मामले के आरोपी प्रज्वल रेवन्ना गुरुवार की रात को जर्मनी से बेंगलुरु लौटे थे। इस मामले की जांच कर रही एसआईटी ने उन्हें रात को गिरफ्तार किया था। गिरफ्तार किए जाने के बाद शुक्रवार को उसे कोर्ट में पेश किया गया। कोर्ट ने छह दिनों की पुलिस -शेष पृष्ठ दो पर

## दुनियाभर में गूगल की सेवाएं हुई प्रभावित

**नई दिल्ली।** गूगल की कुछ सेवाएं शुक्रवार शाम प्रभावित हो गईं। कई यूजर्स ने शिकायत की कि गूगल न्यूज काम नहीं कर रहा है। इसमें न्यूज टैब और गूगल न्यूज का होम पेज शामिल है। वहीं, गूगल डिस्कवर के होम पेज की फीड और गूगल ट्रेंड्स के भी काम नहीं करने की जानकारी सामने आ रही है। सोशल मीडिया पर यूजर्स ने इस बारे में प्रतिक्रिया दी है। गूगल न्यूज टैब की बात करें तो इसमें यूजर्स को सबसे ज्यादा समस्या आई। यूजर्स ने सोशल मीडिया पर बताया कि कई बार सर्च करने पर यह संदेश -शेष पृष्ठ दो पर

## बिना धर्म बदले हिंदू लड़की की मुस्लिम लड़के से शादी अवैध : हाईकोर्ट

**जबलपुर।** मध्य प्रदेश हाईकोर्ट ने मुस्लिम युवक और हिंदू लड़की की शादी से जुड़े मामले में एक अहम फैसला सुनाया है। दोनों ने कोर्ट में धर्म बदले बिना शादी को रजिस्टर करने और पुलिस सुरक्षा देने की मांग की। जिस पर हाईकोर्ट ने इस मामले में मुस्लिम पर्सनल एक्ट का हवाला देते हुए बिना धर्मांतरण के शादी को अवैध करार दिया। साथ ही सुरक्षा देने से भी इनकार कर दिया। हाईकोर्ट ने कहा कि मुस्लिम लड़के और हिंदू लड़की के बीच विवाह, मुस्लिम कानून के अनुसार वैध विवाह नहीं है। इस मत के साथ कोर्ट ने विशेष विवाह अधिनियम, 1954 के तहत अंतर-धार्मिक विवाह को पंजीकृत करने के लिए पुलिस सुरक्षा की मांग वाली याचिका -शेष पृष्ठ दो पर

## चुनाव : ड्यूटी पर मिर्जापुर आए 13 अधिकारी की मौत

**मिर्जापुर (यूपी)।** मिर्जापुर में लोकसभा चुनाव के लिए डयूटी पर तैनात 13 चुनावकर्मियों की शुक्रवार को तेज बुखार और हाई बीपी की शिकायत के बाद मेडिकल कॉलेज में मौत हो गई। यहां स्थित मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य ने यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि इन सभी कर्मियों की मौत के सटीक कारण का पता अभी नहीं चल सका है। मिर्जापुर स्थित मां विंध्यवासिनी स्वशासी राज्य -शेष पृष्ठ दो पर

## लोस चुनाव : अंतिम चरण का मतदान आज, सभी तैयारियां पूरी

**नई दिल्ली (हि.स.)।** लोकसभा चुनाव के सातवें और अंतिम चरण में सात राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश की 57 संसदीय सीटों पर शनिवार (1 जून) को मतदान होगा। साथ ही ओडिशा विधानसभा की शेष 42 सीटों के लिए और हिमाचल प्रदेश की छह विधानसभा सीटों पर भी मतदान होगा। चुनाव आयोग ने शुक्रवार को बताया कि लोकसभा चुनाव के अंतिम चरण के लिए बिहार, चंडीगढ़, हिमाचल प्रदेश, झारखंड, ओडिशा, पंजाब, उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल में तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। लगभग 10.9 लाख मतदान अधिकारी 1.09 लाख मतदान केंद्रों पर 10.06 करोड़ से अधिक मतदाताओं का स्वागत करेंगे। 10.06 करोड़ से अधिक मतदाताओं में लगभग 5.24 करोड़ पुरुष, 4.82 करोड़ महिला और 3574 थर्ड जेंडर मतदाता शामिल हैं। इस चरण में बिहार की 8 सीटों (नालन्दा, पटना साहिब, पाटलिपुत्र, आरा, बक्सर, सासाराम, काराकाट, जहानाबाद) पर 134, चंडीगढ़ की 1 सीट पर 19, हिमाचल प्रदेश की 4 सीटों (कांगड़ा, मंडी, हमीरपुर, शिमला) पर 37, झारखंड की 3 सीटों (राजमहल, दुमका, गोड्डा) पर 52, ओडिशा की 6 सीटों (मयूरभंज, बालासोर, भद्रक, जाजपुर, केंद्रपाड़ा, जगतसिंहपुर) पर 66, पंजाब की 13 सीटों (गुरदासपुर, अमृतसर, खडूर साहिब, जालंधर, होशियारपुर, आनंदपुर साहिब, लुधियाना, फतेहगढ़ साहिब, फरीदकोट, फिरोजपुर, बठिंडा, संगरूर, पटियाला) पर 328, -शेष पृष्ठ दो पर

## आईएसएफ समर्थकों ने टीएमसी कार्यकर्ताओं पर बम फेंका, पांच घायल

**कोलकाता।** लोकसभा चुनाव के अंतिम चरण से पहले बंगाल में हिंसा हुई है। दरअसल इंडियन सेक्युलर फ्रंट (आईएसएफ) के समर्थकों ने टीएमसी कार्यकर्ताओं पर बम फेंक दिया। जिसके विस्फोट से पांच टीएमसी कार्यकर्ता घायल हो गए हैं। घटना दक्षिण 24 परगना जिले के भानगोर इलाके की है। बंगाल पुलिस ने शुक्रवार की इसकी जानकारी दी। हालांकि भानगोर से आईएसएफ विधायक नावेद सिद्दीकी ने आरोपों से इनकार किया है। नावेद सिद्दीकी ने उल्टा टीएमसी कार्यकर्ताओं पर आईएसएफ समर्थकों पर बम से हमला करने का आरोप लगाया। आईएसएफ विधायक ने कहा कि हमले में खुद -शेष पृष्ठ दो पर

**CLASSIFIED**

For all kinds of classified advertisements please contact

**97070-14771**
**86382-00107**

**MURTI AVAILABLE**

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc.
**ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01,
**Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

## गोरेश्वर में मोबाइल टॉवर में लगी आग

**गुवाहाटी ( हिंस )।** गोरेश्वर के महरीपारा स्थित बीएसएनएल के एक मोबाइल टॉवर में भीषण आग लग गई। आग लगने का कारण अभी स्पष्ट नहीं हुआ है। स्थानीय लोगों को संदेह है कि आग शॉर्ट सर्किट के कारण लगी होगी। आग लगने से बीएसएनएल के टॉवर को काफी नुकसान पहुंचा है।

### *कन्याकुमारी में पीएम मोदी की मेडिटेशन पर भड़के खड़गे, कहा-*

# अगर आपको भगवान में आस्था है तो इसे अपने घर पर करें

**नई दिल्ली।** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कन्याकुमारी में विवेकानंद रॉक मेमोरियल में दो दिनों के लिए ध्यान करने के दौरान, कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने उन पर निशाना साधा है। उन्होंने शुक्रवार को कहा कि राजनीति और धर्म को कभी भी एक साथ नहीं लाया जाना चाहिए और अगर आपको भगवान में आस्था है, तो इसे अपने घर पर करें। खड़गे ने कहा कि राजनीति और धर्म को कभी एक साथ नहीं लाया जाना चाहिए। इन दोनों को अलग-अलग रखना चाहिए। एक धर्म का व्यक्ति आपके साथ हो सकता है और दूसरे धर्म का व्यक्ति आपके खिलाफ हो सकता है। धार्मिक भावनाओं को चुनाव से जोड़ना गलत है। वह कन्याकुमारी जाकर नाटक कर रहे हैं। इतने सारे पुलिस अधिकारियों को नियुक्त करके देश का कितना पैसा बर्बाद किया जा रहा है? आप वहां जाकर जो दिखावा कर रहे हैं, उससे देश को ही नुकसान होने वाला है। अगर आपको भगवान पर भरोसा है तो अपने घर पर ही करें। प्रधानमंत्री मोदी आध्यात्मिक यात्रा पर कन्याकुमारी में हैं। वे ध्यान मंडपम में ध्यान कर रहे हैं, यह वह स्थान है जहां माना जाता है कि पूज्य हिंदू दार्शनिक स्वामी

विवेकानंद को *भारत माता* के बारे में दिव्य दर्शन हुए थे। वे 1 जून तक अपना ध्यान जारी रखेंगे। इसके अलावा, कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि आंध्र प्रदेश में भाजपा को कुछ सीटें मिलेंगी लेकिन तेलंगाना, कर्नाटक और महाराष्ट्र जैसे राज्यों में कांग्रेस को बढ़त हासिल है। मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि पीएम मोदी चाहे जो भी कहें, देश की जनता ने तय कर लिया है कि वे पीएम मोदी के नेतृत्व को स्वीकार नहीं करेंगे। इस चुनाव में महंगाई और बेरोजगारी ने काम किया है। संविधान और लोकतंत्र का मुद्दा भी लोगों के दिमाग में है। आंध्र में उन्हें (बीजेपी को) कुछ सीटें मिलेंगी, लेकिन तेलंगाना, कर्नाटक और महाराष्ट्र में कांग्रेस को बढ़त हासिल है। यूपी में भी गठबंधन की वजह से हमें ज्यादा सीटें मिलेंगी। मुझे लगता है कि गठबंधन की सरकार बनेगी। उन्होंने कहा कि बहुत से लोग समझ गए हैं कि वे (भाजपा) किस तरह आरक्षण खत्म कर रहे हैं। अगर उनकी मंशा अच्छी होती तो वे केंद्र सरकार में 30 लाख रिक्त पदों को भर देते और उनमें से आधे से अधिक पद गरीबों, दलितों और पिछड़ों को मिल जाते। जब तक इस देश में छुआछूत रहेगी और उन्हें (आरक्षित वर्ग के लोगों को) समान अधिकार नहीं मिलेंगे, तब तक आरक्षण मौजूद रहेगा। प्रधानमंत्री मोदी की कांग्रेस ने आलोचना की है, क्योंकि उन्होंने कहा था कि 1982 में आई *गांधी* फिल्म के बाद दुनिया को महात्मा गांधी के बारे में पता चला। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए खड़गे ने कहा कि अगर गुजरात का कोई व्यक्ति महात्मा गांधी के बारे में नहीं जानता तो हम क्या कह सकते हैं? आप उस व्यक्ति को क्यों बढ़ावा नहीं दे रहे हैं जिसे हम राष्ट्रपिता मानते हैं? वह भी गुजराती थे। हम उनका सम्मान करते हैं, लेकिन आपने गोडसे को चुना।

## मणिपुर पुलिस ने 17 लोगों को लिया हिरासत में

**इंफाल ( हिंस )।** मणिपुर पुलिस ने राज्य के विभिन्न जिलों के संवेदनशील तथा दुर्गम इलाकों में सघन छापामारी तथा तलाशी अभियान चलाया। अभियान में भारतीय दंड संहिता की अलग-अलग धाराओं के उल्लंघन के सिलसिले में 17 लोगों को हिरासत में लिया गया। पुलिस ने आज बताया कि आवश्यक वस्तुओं के साथ राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या-37 पर 214 वाहनों तथा राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या-2 पर 74 वाहनों की आवाजाही सुनिश्चित की गई है। वाहनों की स्वतंत्र और सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए सभी संवेदनशील स्थानों पर कड़े सुरक्षा उपाय किए गए हैं। संवेदनशील क्षेत्रों में सुरक्षा बलों को व्यापक पैमाने पर तैनात किया गया है। पुलिस ने बताया कि पहाड़ी और घाटी दोनों में मणिपुर के विभिन्न जिलों में 99 नाके और जांच चौकियां स्थापित की गई हैं।

## दो वाहनों से 18 मवेशी जब्त

**मोरीगांव ( हिंस )।** जिले जागीरोड इलाके में पशु तस्करी का धंधा इन दिनों आए दिन प्रकाश में आ रहा है। पुलिस सूत्रों ने आज बताया है कि गुप्त सूचना के आधार पर जागीरोड पुलिस ने बीती रात अलग-अलग इलाकों से 18 मवेशियों को जब्त किया। नगांव से जागीरोड होते हुए पड़ोसी राज्य मेघालय की ओर जा रहे एक वाहन (एएस-02डीसी-2191) से पुलिस ने नौ तस्करी की गायों के साथ वाहन को जब्त कर लिया। इस बीच, जागीरोड के काहिकुची से मेघालय को ओर जा रहे एक वाहन (एएस-21एसी-2297) से पुलिस ने नौ गायों के साथ वाहन को जब्त कर लिया। मवेशियों की तस्करी में शामिल सामागुड़ी के दिनार हुसैन, जहांगीर आलम, जालुगुटी के फैजुर रहमान, मिकिरभेटा के रसीद अली और काहिकुची के आजमीर अली को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। सूत्रों ने बताया है कि पिछले कुछ समय से मवेशी तस्करों का गिरोह पुलिस की आंखों में धुल झोंककर अंदरुनी रास्तों से मेघालय में मवेशियों की तस्करी कर रहा था। पुख्ता सूचना पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने तस्करों को गिरफ्तार किया है। उनके विरूद्ध प्राथमिकी दर्ज आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दिया है।

## दुमदुमा में मिला क्षत-विक्षत शव

**तिनसुकिया ( हिंस )।** जिला के दुमदुमा इलाके में एक व्यक्ति का क्षत-विक्षत शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गयी। शव दुमदुमा-बागजान पीडब्ल्यूडी सड़क पर दैमुखिया चाय बागान में सड़क के बीचों-बीच मिला। 40 वर्षीय पुरुष का शव नग्न अवस्था में आज बरामद किया गया। शरीर पर बेहद क्रूरता के निशान पाए गए हैं। पुलिस को शक है कि शव को सड़क पर किसी अन्य स्थान से लाकर फेंका गया होगा। पूरे शरीर की चमड़ी छिल गई है। आशंका जताई जा रही है कि कुछ बदमाशों ने उसकी हत्या कर शव को सड़क पर फेंक दिया होगा। स्थानीय लोगों की सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया है। साथ ही शव की शिनाख्त में पुलिस जुट गई है।

## धेमाजी में रेल लाइन पर सिर कटा शव बरामद

**धेमाजी ( हिंस )।** धेमाजी में रेल लाइन पर एक सिर कटे शव की बरामदगी को लेकर सनसनी फैल गई। पुलिस ने आज बताया कि धेमाजी थाने से करीब 12 किमी दूर चमराजान में रेलवे लाइन पर

उक्त शव मिला। शव को स्थानीय लोगों ने देखा कि शव ट्रेन की पटरियों के बीच सिर से अलग-थलग पड़ा था। मृतक पैरों में सैंडल पहने हुए था। मृतक की पहचान अभी नहीं हो पाई है। कुछ लोगों को संदेह है कि यह दुर्घटना डेकारगांव से मुकैंगसेलेक की ओर जाने वाली ट्रेन से हुई। सिलापथार जीआरपी की एक टीम पुलिस अधिकारी सुनील बोरा के नेतृत्व में मामले की जांच कर रही है। शव को धेमाजी सिविल अस्पताल पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया। जीआरपी शव की शिनाख्त करने में जुटी हुई है।

## लोस चुनाव : वाराणसी में भाजपा के सामने इंडी गठबंधन की कमजोर चुनौती

**वाराणसी ( हिंस )।** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संसदीय क्षेत्र वाराणसी पर देश ही नहीं दुनियाभर की नजरें टिकी हैं। पिछले चुनाव में भाजपा प्रत्याशी नरेंद्र मोदी ने करीब पांच लाख मतों के अंतर से जीत दर्ज की थी। इस बार चुनौती जीत की नहीं, बड़ी जीत की है। पीएम मोदी के विजय रथ को रोकने के लिए इंडी गठबंधन ने ताकत झोंक रखी है। हालांकि पिछले चुनाव के आंकड़ों पर गौर करें तो भाजपा के सामने इंडी गठबंधन की चुनौती में ज्यादा दम नहीं लगता। गौरतलब है पिछले दो चुनाव में कांग्रेस-सपा का कुल वोट शेयर भाजपा को मिले वोटों के मुकाबले बेहद कम है। पूर्वांचल की अहम सीट वाराणसी में 1991 में पहली बार भाजपा का कमल खिला। भाजपा प्रत्याशी शिरीषचंद्र दीक्षित ने सीपीएम के राजकिशोर को शिकस्त दी थी। जीत का अंतर 40,439 मतों का था। इसके बाद 1996, 1998 और 1999 के चुनाव में भाजपा प्रत्याशी शंकर प्रसाद जायसवाल ने जीत की हैट्रिक लगाई। 2004 के आम चुनाव में भाजपा के विजय रथ को कांग्रेस के डॉ. राजेश कुमार मिश्र ने रोका। 2009 में भाजपा के मुरली मनोहर जोशी ने जीत के साथ वापसी की। 2014 और 2019 में भाजपा के पीएम पद के प्रत्यशी नरेंद्र मोदी ने यहां जीत का कमल खिलाया। वाराणसी में कांग्रेस ने 1952, 57 और 62 का चुनाव जीता। इसके बाद 1971, 1980 और 1984 में भी कांग्रेस ने विजय पताका फहराई। 1984 में जीत के करीब 20 साल बाद 2004 के आम चुनाव में उसे जीत नसीब हुई।

## पुलिस की गोलीबारी में ड्रग्स तस्कर घायल

**होजाई ( हिंस )।** होजाई में ड्रग्स तस्कर पर पुलिस द्वारा की गई गोलीबारी के चलते इलाके में सनसनी फैल गई। पुलिस ने आज बताया कि यह अभियान होजाई के लमडिंग थानाक्षेत्र के रामसिंह गांव में चलाया गया। ड्रग्स माफिया को पकड़ने पहुंची पुलिस की टीम को देखकर वह भागने लगा। पुलिस ने उसे पकड़ने की कोशिश की, लेकिन पुलिस पर उसने हमला कर दिया। बाद में पुलिस को उसे रोकने के लिए गोली चलानी पड़ी। पुलिस फायरिंग में तस्कर घायल हो गया। घायल तस्कर का फिलहाल नगांव मेडिकल कॉलेज एंड अस्पताल में ईलाज चल रहा है।

## ब्राउन शुगर के साथ तस्कर गिरफ्तार

**धुबड़ी ( हिंस )।** गोलकगंज में ब्राउन शुगर के साथ एक तस्कर को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने आज बताया कि अली अकबर शेख नामक तस्कर को आगमनी के बीईईओ कार्यालय के सामने से ब्राउन शुगर के साथ गिरफ्तार किया गया। ड्रग्स तस्कर से छह कंटेनरों में 6.62 ग्राम ब्राउन शुगर बरामद किया गया। गिरफ्तार अली अकबर पर लंबे समय से ड्रग्स रैकेट चलाने का आरोप है।

## पृष्ठ एक का शेष

### *असम-मणिपुर में भारी...*

गया है, जो कि खतरे के निशान से 2.06 मीटर ज्यादा है। वहीं कछार के ढोलाई में इस नदी का जलस्तर 24.9 मीटर है जो खतरे के निशान से .32 मीटर ऊपर बता रहा है। कपिली नदी भी उफान पर है। कामपुर के नगांव जिले में नदी का जल स्तर 62.08 मीटर है। सीडब्ल्यूसी का कहना है कि कपिली नदी का जल स्तर 62.08 मीटर है जो कि खतरे के निशान से 1.58 मीटर ऊपर है। हालांकि स्थिति एक जैसी है, लेकिन जल स्तर में बढ़ोत्तर स्थानीय लोगों के लिए चिंता बढ़ा रही है। करीमगंज जिले में कुशियारा नदी का जलस्तर 16.5 मीटर है, जो कि खतरे के निशान से 1.56 मीटर ऊपर है। वहीं माटिजुरी में कटखल नदी 22.23 मीटर पर बह रही है, जो कि खतरे के निशान से 1.96 मीटर ऊपर है। केंद्रीय जल आयोग के अनुसार नदियों में लगातार जल स्तर बढ़ने के कारण बाढ़ से लोग प्रभावित हैं। ऐसे में खतरे से निपटने के लिए तुरंत समाधान करने की जरूरत है। अधिकारियों के मुताबिक रेमल चक्रवात के कारण असम के 9 जिलों में 2 लाख से ज्यादा लोग प्रभावित हैं। जबकि अब तक 6 लोगों की मौत हो चुकी है।

### *जानलेवा गर्मी के ...*

कहा है। झारखंड के 24 जिलों में से अधिकांश में तापमान 40 डिग्री सेल्सियस से अधिक दर्ज किया गया है। वहीं डाल्टनगंज और गढ़वा पर पारा 47 डिग्री सेल्सियस से अधिक रहा। इंसानों के साथ-साथ बढ़ता तापमान जानवरों, खास तौर पर चमगादड़ों को भी प्रभावित कर रहा है। अधिकारियों ने बताया कि हजारीबाग, रांची, गढ़वा और पलामू समेत कई अन्य हिस्सों से चमगादड़ों की मौत की सूचना मिली हैं। डॉ. त्रिवेदी ने बताया कि अक्सर देखा गया है कि उच्च तापमान के दौरान चमगादड़ मर जाते हैं। यही नहीं गढ़वा में स्थानीय लोगों के मृत चमगादड़ों को खाने की खबरें आ रही हैं। अधिकारियों ने बताया कि चमगादड़ों को खाने वाले लोगों को अलग रखा गया है। इन लोगों को निगरानी में रखा गया है। उनके नमूने आईसीएमआर-नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ वायरोलॉजी (एनआईवी) भेजे जाएंगे। डॉ. त्रिवेदी ने बताया कि हम मृत चमगादड़ों को सही तरीके से दफना रहे हैं। ओडिशा के विशेष राहत आयुक्त (एसआरसी) सत्यब्रत साहू के बताया कि बालासोर, ढेंकनाल, मयूरभंज, सोनपुर और बोलनगीर में 1-1 व्यक्ति की मौत हो गई। वहीं सरकार को सनस्ट्रोक से 18 संदिग्ध व्यक्तियों की मौतों की खबर मिली है। इनमें से 12 व्यक्ति सुंदरगढ़ जिले के और छह झारसुगुड़ा जिले के हैं। उन्होंने यह भी बताया कि मौतों का वास्तविक कारण पोस्टमार्टम रिपोर्ट में ही सामने आएगा। सुंदरगढ़ के अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट आशुतोष कुलकर्णी ने कहा कि वर्तमान में राउरकेला के एक निजी अस्पताल में हीटस्ट्रोक के 10 मरीजों का उपचार चल रहा है। 23 व्यक्ति अभी भी राउरकेला सरकारी अस्पताल में भर्ती हैं। उनकी हालत अभी गंभीर बताई जा रही है। वहीं झारसुगुड़ा के मुख्य जिला चिकित्सा अधिकारी जयकृष्ण नायक ने बताया कि जिले में छह अप्राकृतिक मौत के मामले सामने आए हैं। इनके शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। सार्वजनिक स्वास्थ्य निदेशक नीलकंठ मिश्रा ने मौतों की जांच के लिए राउरकेला में एक विशेष टीम भेजने की बात कही है। एक अधिकारी ने बताया कि अधिकतर मौतें पीक आवर्स के दौरान काम करने के कारण हुई हैं। यह हीटवेव मुख्य रूप से मजदूरों और ट्रक ड्राइवरों को प्रभावित कर रही है। जिला प्रशासन को मौतों की जांच करने के निर्देश मिले है। वहीं आपदा प्रबंधन अधिनियम के तहत पीक आवर्स पर श्रमिकों को काम पर न लगाने की सख्त चेतावनी दी गई है। जिला कलेक्टरों को पीने के पानी की उपलब्धता और हीटवेव के बारे में जागरूकता बढ़ाने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। भारतीय मौसम विभाग ने भी 3 जून तक हीटवेव की स्थिति जारी रहने का पूर्वानुमान लगाए जाने के बाद अविभाजित संबलपुर, सुंदरगढ़, बोलनगीर, कालाहांडी और बौध जिलों में रहने वाले लोगों को पीक आवर्स में घर के अंदर रहने का आग्रह किया। उन्होंने बताया कि तटीय क्षेत्रों में भी गर्म और आर्द्र मौसम की स्थिति रहने की संभावना है।

### *चिंताजनक खबर : देश के ...*

हिमाचल प्रदेश, पंजाब और राजस्थान का नाम शामिल है। इन जलाशयों में पानी के भंडारण की क्षमता बीते साल इस समय 19.663 अरब क्यूबिक मीटर थी, जो अब घटकर महज 5.864 अरब क्यूबिक मीटर रह गई है। वहीं पूर्वी इलाकों असम, झारखंड, ओडिशा, पश्चिम बंगाल, त्रिपुरा, नगालैंड और बिहार में 23 जलाशय हैं, जिनकी भंडारण क्षमता 20.430 अरब क्यूबिक मीटर है, अब इन जलाशयों में सिर्फ 5.645 अरब क्यूबिक मीटर पानी है। देश के पश्चिमी क्षेत्र गुजरात और महाराष्ट्र में 49 मुख्य जलाशय हैं, जिनकी जल भंडारण क्षमता 37.130 अरब क्यूबिक मीटर है और अब उनमें 8.833 अरब क्यूबिक मीटर पानी है। यह बीते साल के मुकाबले 28 प्रतिशत कम है। मध्य क्षेत्र के उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में 26 मुख्य जलाशय हैं, जिनकी कुल भंडारण क्षमता 48.227 अरब क्यूबिक मीटर है और फिलहाल इनमें 14.046 अरब क्यूबिक मीटर पानी ही बचा है। दक्षिणी हिस्से के आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, कर्नाटक, केरल और तमिलनाडु में 42 जलाशय हैं, जिनकी भंडारण क्षमता 53.334 अरब क्यूबिक मीटर है, लेकिन अब इनमें 7.317 अरब क्यूबिक मीटर ही पानी है।

### *पूर्वोत्तर के बाढ़ प्रभावित...*

जिन्होंने अपने प्रियजनों को खो दिया है। घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करते हैं। स्थिति पर करीब से नजर रखी जा रही है और अधिकारी प्रभावितों को हरसंभव सहायता प्रदान कर रहे हैं। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने शाह से हुई बातचीत का ब्योरा देते हुए एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री ने उन्हें इस कठिन समय में भारत सरकार के पूर्ण समर्थन का आश्वासन दिया है। उन्होंने कहा कि हम उनके सक्रिय प्रयासों के लिए आभारी हैं। अधिकारियों ने बताया कि चक्रवात रेमल के बाद लगातार बारिश के कारण पूर्वोत्तर में कई स्थानों पर बाढ़ की स्थिति गंभीर बनी हुई है और इससे लाखों की संख्या में लोग प्रभावित हुए हैं। अधिकारियों ने बताया कि असम में 28 मई से बाढ़, बारिश और तूफान में कम से कम छह लोगों की मौत हो गई। हारंगजाओ के पास एक खंड बह जाने के बाद हाफलांग-सिलचर रोड पूरी तरह से कट गया है, जबकि हाफलांग-हरांगजाओ मार्ग भूस्खलन के कारण अवरुद्ध हो गया है। अधिकारियों ने बताया कि हाफलांग-बदरपुर रेल मार्ग पर भूस्खलन के कारण रद्द की गई या कुछ ही समय के लिए रोक दी गई ट्रेन सेवाएं अभी तक बहाल नहीं हो पाई हैं। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार, चक्रवात रेमल के प्रभाव के कारण दक्षिण-पश्चिम मानसून अपने निर्धारित समय से पहले असम और पूर्वोत्तर क्षेत्र के अन्य हिस्सों में प्रवेश कर गया है।

### *दुनियाभर में गूगल ...*

मिला कि डिड नॉट मैच एनी न्यूज रिजल्ट। वहीं, सर्च इंजन की पर्सनलाइज्ड कंटेंट फीड गूगल डिस्कवर की बात करें तो इसमें यूजर्स को समथिंग वेंट रॉन्ग और नो स्टोरीज अवेलेबल, ट्राय अगेन लेटर जैसे संदेश मिले। डाउनडिटेक्टर के मुताबिक, कुछ देशों में जीमेल, गूगल सर्च और गूगल मैप्स की सेवाओं पर भी असर पड़ा है। डाउनडिटेक्टर ने कई रिपोर्ट्स का अध्ययन कर आंकड़े जारी किए। इसके मुताबिक, शुक्रवार शाम सात बजे तक 65 फीसदी लोगों ने गूगल से जुड़ी वेबसाइट्स को एक्सेस करने, 31 फीसदी यूजर्स ने गूगल सर्च का इस्तेमाल करने और चार फीसदी यूजर्स ने लॉगइन करने में परेशानी आने से जुड़ी जानकारी साझा की है।

### *बिना धर्म बदले ...*

को खारिज कर दिया। जस्टिस गुरपाल सिंह अहलूवालिया ने कहा कि मुस्लिम लड़के और हिंदू लड़की के बीच विवाह को मुस्लिम पर्सनल लॉ के तहत अनियमित विवाह माना जाएगा, भले ही उन्होंने विशेष विवाह अधिनियम के तहत विवाह किया हो। कोर्ट ने कहा कि मुस्लिम कानून के अनुसार, किसी मुस्लिम लड़के का किसी ऐसी लड़की से विवाह वैध विवाह नहीं है, जो मूर्तिपूजक या अग्निपूजक हो। भले ही विवाह विशेष विवाह अधिनियम के तहत पंजीकृत हो, लेकिन विवाह वैध विवाह नहीं होगा और यह एक अनियमित विवाह होगा। दरअसल, अनूपपुर के एक दंपती (एक हिन्दू महिला और एक मुस्लिम पुरुष) ने हाईकोर्ट में याचिका दायर कर पुलिस सुरक्षा की मांग की थी। याचिकाकर्ताओं ने अपनी याचिका में कहा कि वो एक-दूसरे से प्यार करते हैं, विशेष विवाह अधिनियम के तहत मैरिज ऑफिस से संपर्क किया था। हालांकि, परिवार के विरोध के चलते वो मैरिज ऑफिस नहीं जा सके, जिसके चलते उनकी शादी का रजिस्ट्रेशन नहीं हो पा रहा है। जिसके बाद याचिकाकर्ताओं ने हाईकोर्ट से विशेष विवाह अधिनियम के तहत अपनी शादी को रजिस्टर कराने के लिए मैरिज ऑफिस में पेश होने के लिए सुरक्षा की मांग की। दोनों के बीच संबंध का महिला के परिवार ने विरोध किया था, जिन्होंने आशंका जताई थी कि यदि अंतर-धार्मिक विवाह हुआ तो समाज में उनका बहिष्कार किया जाएगा। परिवार ने यह भी दावा किया कि महिला अपने मुस्लिम साथी से विवाह करने के लिए जाने से पहले परिवार के घर से आभूषण लेकर गई थी। दंपती विशेष विवाह अधिनियम के तहत विवाह करना चाहते थे। न्यायालय को बताया कि न तो महिला और न ही पुरुष विवाह के लिए किसी अन्य धर्म को अपनाना चाहते हैं। महिला हिन्दू धर्म का पालन करना जारी रखेगी, जबकि पुरुष विवाह के बाद भी इस्लाम का पालन करना जारी रखेगा। दंपती को पुलिस सुरक्षा दी जानी चाहिए ताकि वे विशेष विवाह अधिनियम के तहत विवाह अधिकारी के समक्ष उपस्थित होकर अपना विवाह पंजीकृत करा सकें। कोर्ट ने युगल की याचिका को यह देखते हुए खारिज कर दिया कि वे न तो बिना विवाह किए लिव-इन रिलेशनशिप में रहने के लिए तैयार थे और न ही लड़की (हिंदू) लड़के के धर्म (इस्लाम) को अपनाने के लिए तैयार थी।

### *चुनाव : ड्यूटी पर ...*

चिकित्सा महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. राजबहादुर कमल ने बताया कि मृतकों में सात होमगार्ड जवान, तीन सफाई कर्मचारी, सीएमओ कार्यालय में तैनात एक लिपिक, एक चकबंदी अधिकारी और होमगार्ड टीम का एक चपरासी शामिल है। उन्होंने बताया कि जब ये मरीज मेडिकल कॉलेज आए तो उन्हें तेज बुखार, हाई बीपी और बढ़ी हुई शुगर की शिकायत थी। मिर्जापुर में एक जून यानी शनिवार को सातवें चरण के तहत लोकसभा चुनाव के लिए मतदान होगा।

### *आईएसएफ समर्थकों ने ...*

टीएमसी के कार्यकर्ता घायल हो गए। भानगोर विधानसभा, जादवपुर लोकसभा सीट के तहत आती है और यहां अंतिम चरण के तहत 1 जून को मतदान होना है। घटना गुरुवार रात की है, जब टीएमसी कार्यकर्ता कथित तौर पर चुनाव प्रचार के बाद अपने घर लौट रहे थे। उसी दौरान उन पर हमला हुआ। घायलों को कोलकाता के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बंगाल सरकार के मंत्री अरूप विश्वास, जादवपुर से टीएमसी उम्मीदवार सयानी घोष और पार्टी के विधायक शौकत मोल्ला ने अस्पताल जाकर घायलों से मुलाकात की। आईएसएफ नेता सिद्दीकी ने आरोपों को यह कहकर खारिज कर दिया कि भानगोर में हार के डर से टीएमसी ने साजिश रची है और उनकी कोशिश है कि इसका आरोप हम पर लगाया जाए। कल शौकत मोल्ला के समर्थकों ने आईएसएफ कार्यकर्ताओं पर बम फेंका। वहीं चुनाव आयोग ने भी टीएमसी नेता शौकत मोल्ला को मतदान के दिन अपने विधानसभा क्षेत्र कैनिंग पूर्व से बाहर न जाने का आदेश दिया है। आईएसएफ पार्टी की स्थापना साल 2021 में अब्बास सिद्दीकी ने की थी। वहीं अब्बास सिद्दीकी के छोटे भाई नौशाद सिद्दीकी आईएसएफ के चेयरमैन हैं। अब्बास सिद्दीकी अली अकबर के बेटे हैं। अली अकबर फुरफुरा शरीफ छठो हुजूर के नाम से प्रसिद्ध पीर जुल्फिकार अली के बेटे हैं। यही वजह है कि बंगाल में सिद्दीकी परिवार की काफी इज्जत है। बंगाल का सिद्दीकी परिवार कभी टीएमसी समर्थक था, लेकिन अपनी पार्टी बनाने के बाद से आईएसएफ का टीएमसी के साथ तनातनी का रिश्ता बन गया है। आईएसएफ बंगाल में टीएमसी और भाजपा दोनों का विरोध करती है। पार्टी विधायक नौशाद सिद्दीकी को सीएम ममता बनर्जी का आलोचक माना जाता है।

### *लोस चुनाव : अंतिम चरण...*

उत्तर प्रदेश की 13 सीटों (महाराजगंज, गोरखपुर, कुशी नगर, देवरिया, बांसगांव, घोसी, सलेमपुर, बलिया, ग़ाज़ीपुर, चंदौली, वाराणसी, मिर्जापुर, रॉबर्ट्सगंज) पर 144 और पश्चिम बंगाल की 9 सीटों (दमदम, बारासात, बशीरहाट, जयनगर, मथुरापुर, डायमंड हार्बर, जादवपुर, कोलकाता दक्षिण, कोलकाता उत्तर) पर 124 उम्मीदवार चुनाव मैदान में हैं। इस चरण में वाराणसी से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी चुनाव मैदान में हैं। उनके खिलाफ कांग्रेस ने अजय राय को चुनाव मैदान में उतारा है। प्रधानमंत्री तीसरी बार इस सीट के चुनाव लड़ रहे हैं। इसके अलावा गोरखपुर सीट से अभिनेता रवि किशन के खिलाफ समाजवादी पार्टी ने काजल निषाद को मैदान में उतारा है। हिमाचल की मंडी सीट से फिल्म अभिनेत्री कंगना रनौत चुनाव मैदान में हैं और उनके खिलाफ पूर्व मुख्यमंत्री वीरभद्र सिंह के बेटे विक्रमादित्य कांग्रेस उम्मीदवार हैं। हमीरपुर सीट से केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर, पश्चिम बंगाल की डायमंड हार्बर सीट से ममता बनर्जी के भतीजे अभिषेक बनर्जी, पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी जालंधर और हरसिमरत कौर बादल भटिंडा से चुनाव लड़ रही हैं। आयोग ने बताया कि मतदान और सुरक्षा कर्मियों को लाने-ले जाने के लिए 13 विशेष रेलगाड़ियां और हेलीकॉप्टर की 8 उड़ानों (हिमाचल प्रदेश के लिए) की व्यवस्था की गई है। अब तक लोकसभा की 486 सीटों के लिए 6 चरणों में मतदान हो चुका है। सातवें चरण के मतदान के बाद 19 अप्रैल से शुरू हुए दुनिया के सबसे बड़े मतदान मैराथन की समाप्ति हो जाएगी। वोटों की गिनती 4 जून को होगी। आयोग के अनुसार मतदान टीमों को मशीनों और चुनाव संबंधी सामग्री के साथ संबद्ध मतदान केंद्रों पर भेज दिया गया है। मतदान केंद्र मतदाताओं के स्वागत के लिए तैयार हैं। संबंधित मुख्य कार्यकारी अधिकारियों और राज्य मशीनरी को निर्देश दिया गया है कि वे जहां भी गर्म मौसम या बारिश का पूर्वानुमान हो, उससे निपटने के लिए पर्याप्त उपाय करें। आयोग ने बताया कि मतदाताओं को किसी भी तरह के प्रलोभन से सख्ती से और तेजी से निपटने के लिए कुल 2707 उड़न दस्ते, 2799 स्थैतिक निगरानी दल, 1080 निगरानी दल और 560 वीडियो देखने वाले दल चौबीसों घंटे निगरानी कर रहे हैं। शराब, ड्रग्स, नकदी और मुफ्त उपहारों के किसी भी अवैध प्रवाह पर कड़ी नजर रखने के लिए कुल 201 अंतर्राष्ट्रीय सीमा चौकियों और 906 अंतर-राज्यीय सीमा चौकियों पर निगरानी रखी जा रही है। समुद्री और हवाई मार्गों पर कड़ी निगरानी रखी गई है। मतदान केंद्रों पर पानी, शेड, शौचालय, रैंप, स्वयंसेवकों, व्हीलचेयर और बिजली जैसी न्यूनतम सुविधाएं उपलब्ध कराने की व्यवस्था की गई है ताकि बुजुर्ग और दिव्यांगजनों सहित प्रत्येक मतदाता आसानी से अपना वोट डाल सकें।

### *एग्जिट पोल की...*

कांग्रेस ने बड़ा एलान किया है। कांग्रेस पार्टी के प्रवक्ता पवन खेड़ा ने शुक्रवार को एलान करते हुए कहा कि कांग्रेस टीवी पर एग्जिट पोल की बहस में हिस्सा नहीं लेगी। उनका कहना है कि कांग्रेस रिजल्ट से पहले (4 जून) अटकलों में शामिल नहीं होना चाहती।

### *प्रज्वल रेवन्ना को ...*

हिरासत का आदेश दिया है। इससे पहले, महिलाओं के यौन उत्पीड़न के आरोपों का सामना कर रहे जनता दल-सेक्युलर (जद-एस) के निलंबित नेता प्रज्वल रेवन्ना को चिकित्सकीय जांच के लिए कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच शुक्रवार को अस्पताल ले जाया गया। महिला पुलिसकर्मी प्रज्वल को यहां *बॉरिंग एंड लेडी कर्जन* अस्पताल लेकर आईं। एसआईटी के सूत्रों ने बताया कि सांसद प्रज्वल रेवन्ना (33) के म्यूनिख से बेंगलुरु लौटते ही उन्हें पूछताछ के लिए सीआईडी (अपराध जांच विभाग) के कार्यालय ले जाया गया। सूत्रों ने बताया कि एसआईटी प्रज्वल की *पोटेंसी* (पुंसत्व) जांच कराने पर भी विचार कर रही है। यह जांच इस बात का पता लगाने के लिए की जाती है कि बलात्कार का आरोपी पीड़िताओं का यौन उत्पीड़न करने में सक्षम है या नहीं। जनता दल (सेक्युलर) के संरक्षक एच. डी. देवेगौड़ा के पोते और हासन लोकसभा क्षेत्र से राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के उम्मीदवार प्रज्वल (33) पर महिलाओं का यौन शोषण करने का आरोप है। उनके खिलाफ अभी तक यौन उत्पीड़न के तीन मुकदमे दर्ज किए जा चुके हैं। कर्नाटक के गृह मंत्री जी. परमेश्वर ने शुक्रवार को कहा कि महिलाओं के यौन उत्पीड़न के आरोपों का सामना कर रहे प्रज्वल रेवन्ना को प्रक्रिया पूरी करने के बाद गिरफ्तार किया गया और आगे की कानूनी कार्रवाई जारी रहेगी।

# मंत्री पीयूष ने बाढ़ और कटाव का लिया जायजा

**गुवाहाटी ( हिंस )।** राज्य के जल संसाधन मंत्री पीयूष हजारिका ने उदारबंद के अंगारजुर में बराक नदी पर 400 मीटर के दायरे में तटबंध के निर्माण का वादा किया है। उन्होंने विभागीय अभियंता को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। मंत्री हजारिका बाढ़ और कटाव प्रभावित क्षेत्रों का जायजा लेने के लिए आज दूसरे दिन भी बराक घाटी में कई स्थानों का दौरा कर रहे थे। कछार जिले के तारापुर शिवबाड़ी में बराक नदी के बाढ़ के पानी से लोक निर्माण विभाग की सड़क का एक हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया है। जब से मंत्री हजारिका ने साइट का दौरा किया, लोक निर्माण और जल संसाधन विभाग के अधिकारी युद्धकालीन तत्परता से सड़क को कटने से बचाने के काम में जुट गए हैं। आज मंत्री ने स्थल का पुन: अवलोकन कर विभागीय अधिकारी, अभियंता को आवश्यक निर्देश दिए और स्थानीय लोगों को आश्वस्त किया। बाद में मंत्री हजारिका ने उदारबंद विधानसभा क्षेत्र के अंगराजूर और कराटीग्राम इलाकों का दौरा किया और बराक और मथुरा

नदियों के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का जायजा लिया। अंगारजुर में बराक नदी के तट लगभग 400 मीटर खुले होने के सिलसिले में मंत्री ने वादा किया कि मानसून के बाद बांध का निर्माण किया जाएगा। मंत्री ने बांध के निर्माण में स्थानीय लोगों का सहयोग भी मांगा। दूसरी ओर, मंत्री ने मोटरसाइकिल पर कराटीग्राम में मथुरा नदी के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा करने के बाद कहा कि जल संसाधन विभाग जो काम कर सकता है, उसे करने के लिए कदम उठाए जाएंगे। मंत्री ने संभागीय अभियंता को स्थल पर बाढ़ प्रभावित मंडल स्लुइस गेट की मरम्मत के लिए उपाय करने का निर्देश दिया। यहां से मंत्री हजारिका लक्षीपुर विधानसभा क्षेत्र के पलारबंद पहुंचे और पलारबंद-लक्षीपुर लिंक रोड पर सिरी नदी पर बने पुल के क्षतिग्रस्त हिस्से का निरीक्षण किया। इस पुल का एक छोर बैठ जाने के कारण सड़क पर यातायात अवरुद्ध हो गया है। क्षेत्र में लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। आज के दौरे के दौरान, मंत्री ने पीडब्ल्यूडी और जल संसाधन विभाग के अधिकारियों को तत्काल उपाय करने का निर्देश दिया, ताकि सड़क का क्षतिग्रस्त क्षेत्र न बढ़े। आज के दौरे के दौरान मीडिया को संबोधित करते हुए मंत्री पीयूष हजारिका ने कहा कि जल संसाधन विभाग द्वारा इन दिनों बराक घाटी में बाढ़ के तात्कालिक कारणों को जानने का प्रयास किया जा रहा है। चरणबद्ध तरीके से बाढ़ को रोकने के लिए हर संभव काम किया जाएगा। हजारिका ने कहा कि जीओ ट्यूब की मदद से बराक घाटी के इन तीनों जिलों के गांवों में क्षतिग्रस्त हुए बांधों को अगले 15 दिनों में बांध दिया जाएगा।

## जोरहाट में राष्ट्रीय राजमार्ग 37 बाढ़ के पानी में डूबा

**जोरहाट ( हिंस )।** जोरहाट के हातीगढ़ में राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 37 बाढ़ के पानी में डूब गया। ऊपरी असम के लिए फोरलेन के निर्माण में उदासीनता और राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण की अदूरदर्शिता के कारण आज मानसून की पहली भारी बारिश के कारण सड़कें प्रभावित हो रही हैं। जोरहाट के हातीगढ़ इलाके में निर्माणाधीन सड़क से जल निकासी की उचित व्यवस्था न होने के कारण राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 37 पूरी तरह से पानी में डूबा हुआ है। सार्वजनिक जीवन ठप है। पैदल यात्री खतरनाक तरीके से पानी से गुजर रहे हैं। कोई विभागीय अधिकारी और कर्मचारी मौजूद नहीं है।

## असम राइफल्स ने मिजोरम में हेरोइन बरामद की

**एजल ( हिंस )।** असम राइफल्स ने मिजोरम में हेरोइन के साथ दो तस्करों को गिरफ्तार किया है। असम राइफल्स द्वारा आज दी गई जानकारी के अनुसार असम राइफल्स ने मिजोरम के चंफाई के जोटे इलाके से हेरोइन को बरामद किया। सूत्रों ने बताया है कि 65.80 लाख रुपए की कीमत की 94 ग्राम हेरोइन के सात पैकेट जब्त करने के साथ ही दो व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार किए गए दोनों व्यक्तियों को आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए चंफाई पुलिस विभाग को सौंप दिया गया।

# मणिपुर में व्यापक पैमाने पर राहत और बचाव कार्य जारी : एन बीरेन सिंह

**इंफाल ( हिंस )।** मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने कहा है कि मणिपुर में व्यापक पैमाने पर राहत और बचाव कार्य किये जा रहे हैं। उन्होंने सोशल मीडिया के जरिए बताया कि 18 स्थानों पर नदी के तटबंधों में दरारें आईं, जिनमें से 17 दरारों को सील कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि आसपास के इलाकों में बाढ़ पर सफलतापूर्वक काबू पा लिया गया है। ज्ञात हो कि सरकारी आंकड़े के मुताबिक चक्रवात रेमल के बाद लगातार बारिश के कारण मणिपुर में आए बाढ़ से कुल 1,88,143 लोग प्रभावित हुए हैं। बाढ़ से लगभग 24,265 घर क्षतिग्रस्त हुए हैं। जल संसाधन और राहत एवं आपदा प्रबंधन मंत्री अवांगबौ न्यूमई ने मीडिया को बताया कि कुल 18,103 लोगों को बाढ़ के पानी से निकाला गया है। राज्य में 56 राहत शिविर स्थापित किए गए हैं। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक कर इस सिलसिले में प्रभावी तरीके से राहत एवं बचाव करने का निर्देश देने के बाद अभियान जोरदार हो गया है।सोशल मीडिया के जरिए मंत्री ने बताया कि बाढ़ की स्थिति की समीक्षा करने और राहत, तलाशी और बचाव के लिए रणनीति बनाने के लिए अतिरिक्त मुख्य सचिव, डिप्टी कमिश्नर इंफाल पश्चिम और राहत और आपदा प्रबंधन निदेशालय के साथ एक बैठक की। उन्होंने बताया कि करीब 401 हेक्टेयर फसल भी प्रभावित हुए हैं। मंत्री ने बताया कि इंफाल पूर्व, इंफाल पश्चिम, बिष्णुपुर, नोनी, चुराचांदपुर, सेनापति और काकचिंग जिले में राहत सामग्री वितरित की गई है। बाढ़ के कारण तीन लोगों की मौत हो गई। नौ लोग घायल हो गए। जबकि एक व्यक्ति लापता है। उल्लेखनीय है कि चक्रवात रेमल के कारण पूर्वोत्तर राज्यों में भारी बारिश और तूफान आया। नदी के किनारे तटबंधों में दरारें पड़ने के कारण आई भीषण बाढ़ को देखते हुए सरकार ने 31 मई तक सभी राज्य कार्यालयों के लिए दो दिवसीय सार्वजनिक अवकाश घोषित किया था। नागरिकों से लगातार आग्रह किया गया कि वे किसी आपात स्थिति के अलावा घर के अंदर ही रहें। एनडीआरएफ एसडीआरएफ असम राइफल्स सी बीएसएफ समेत एजेंसी को राहत और बचाव कार्य में लगाया गया है। दिन-रात राहत और बचाव कार्य किया जा रहे हैं।

## एनडीआरएफ का मेलथुम भूस्खलन बचाव अभियान जारी

**एजल ( हिंस )।** राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) की प्रथम बटालियन ने एक बार फिर आपदा स्थितियों से निपटने में अपने असाधारण कौशल एवं समर्पण का प्रदर्शन कर रही है। एनडीआरएफ के उच्च प्रशिक्षित एवं कुशल बचाव दल गत 28 मई को आइजोल जिले के मेलथुम गांव में हुए विनाशकारी भूस्खलन से मलबे में फंसे शेष लोगों को निकालने के लिए पूरी ताकत से काम कर रहे हैं। एनडीआरएफ की प्रथम बटालियन का नियंत्रण कक्ष असम, मेघालय, मिजोरम और त्रिपुरा में सभी आपदाओं या आपदा जैसी स्थितियों पर हमेशा नजर बनाए रखता है। एनडीआरएफ के सूत्रों ने शुक्रवार को बताया कि हमारी टीम तुरंत प्रतिक्रिया देने और जिला आपदा

अधिकारियों को विशेषज्ञ सहायता देने के लिए हमेशा तैयार रहती है। गत 28 मई को भूस्खलन की सूचना मिलने के तुरंत बाद, कमांडेंट एचपीएस कंडारी ने आइजोल आरआरसी से एनडीआरएफ की एक टीम को तुरंत तैनात किया। यह टीम पहले ही दो शवों को बरामद करने में सफल रही है, जो हमारे अत्याधुनिक आपदा प्रबंधन उपकरणों की प्रभावशीलता और हमारे कर्मियों की अद्वितीय विशेषज्ञता को दर्शाता है। ज्ञात हो कि कमांडेंट कंडारी व्यक्तिगत रूप से ऑपरेशन की देखरेख कर रहे हैं और सावधानीपूर्वक निष्पादन और समन्वय सुनिश्चित कर रहे हैं। उन्होंने विश्वास जताया है कि हमारी टीम की अटूट प्रतिबद्धता और उन्नत उपकरणों के साथ, हम जल्द ही सभी शेष व्यक्तियों को बरामद कर लेंगे। एनडीआरएफ की प्रथम बटालियन जीवन रक्षा और आपदाओं के दौरान महत्वपूर्ण सहायता प्रदान करने के अपने मिशन में दृढ़ है। उत्कृष्टता एवं पेशेवर क्षमता के प्रति समर्पण आपदा प्रतिक्रिया और प्रबंधन के निर्धारित मानको को बनाए रखेगा।

## बाढ़ के पानी में डूबे युवक की तलाश जारी

**कार्बी आंग्लांग ( हिंस )।** पश्चिम कार्बी आंग्लांग जिले में बाढ़ के पानी में डूबे युवक की तलाश शुक्रवार को भी जारी रही। पुलिस ने बताया कि घटना सातगांव इलाके की न्यू घेलानी बस्ती की है। गुरुवार की रात दो बजे कपिली नदी में पानी भर गया। उसी समय एक युवक अपने घर से बाहर बचने के लिए जाते समय पानी में डूब गया। युवक पहचान पत्रकार जयसिंह तेरांग के पुत्र रॉबिन तेरांग के रूप में हुई है। एसडीआरएफ बल युवक की तलाश में जुटे हैं।

## तालाब में नहाने के दौरान पिता-पुत्र की डूबने से मौत

**कोकराझाड़ ( हिंस )।** जिले के सेसापानी में शुक्रवार दोपहर तालाब में नहाने के दौरान पिता-पुत्र की डूबने से मौत हो गई। पिता-पुत्र की मौत की खबर से इलाके में सनसनी फैल गयी। बताया गया कि राजा राम नार्जारी अपने पांच वर्षीय पुत्र खोरोमस्वाद नार्जारी के साथ अपने आवासीय परिसर में स्थित तालाब में नहाने गया था। तालाब में नहाने के दौरान पिता-पुत्र पानी में डूब गये। सूचना मिलने पर गांव वाले मौके पर पहुंचे और दोनों को पानी से बाहर निकाला।

## रंगिया में एबीएमएसयू ने किया विरोध-प्रदर्शन

**रंगिया ( विबास )।** अखिल बीटीसी अल्पसंख्यक छात्र संघ (एबीएमएसयू) की खंदिकर आंचलिक समिति द्वारा स्थानीय लोगों के सहयोग से शुक्रवार को रंगिया के समीप स्थित खंदिकर में विरोध प्रदर्शन कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस विरोध प्रदर्शन कार्यक्रम में प्रदर्शनकारियों ने खंदिकर चौराहे पर अपनी मागों के समर्थन में आवाज बुलंद की। संघ ने विभिन्न स्थानों पर जर्जर सड़कों की मरम्मत की मांग को लेकर नारेबाजी भी की। उन्होंने कहा कि शहरवासी लंबे समय से सड़कों और पुलों के जर्जर हालातों से जूझ रहे हैं। संघ ने आरोप लगाया कि संबंधित विभाग से बार-बार की गई अपील के बावजूद अबतक कोई ध्यान नहीं दिया गया है।

## देरगांव में लगी आग में दुकान जलकर राख

**गोलाघाट ( हिंस )।** देरगांव के दाधरा में लगी भीषण आग में पुतुल बोरा नामक एक व्यक्ति की किराने की दुकान जलकर राख हो गई। आग में लाखों रुपए की संपत्ति जल गई। पुलिस ने आज बताया कि यह आग देरगांव थानाक्षेत्र के दाधरा स्थित श्री विष्णु मंदिर के पास आज तड़के लगी। फायर ब्रिगेड की तत्परता की वजह से आग पर जल्द ही काबू पा लिया गया। आग लगने के कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है।

# रंगिया: प्रेम कहानी बना जी का जंजाल

**रंगिया ( विभास )।** रंगिया के पीतांबर हाट बजाली की एक युवती के युवक से प्रेम कर मुसीबत में पड़ने की घटना सामने आई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार युवती को विभिन्न तरह का प्रलोभन देकर युवक उसे भगाकर ले गया। युवती के परिवार के लोगों का आरोप है कि युवक ने अन्य राज्य में ले जाकर उससे पैसे की मांग कर रहा है। घटना के अनुसार रंगिया पीतांबर हाटबजाली की 19 वर्षीय युवती शिखा बोड़ो अपने प्रेमी मनोज तालुकदार के प्यार में आंध्र प्रदेश भाग गई। हायर सेकेंडरी की परीक्षा पास कर चुकी युवती की अपने प्रेमी मनोज तालुकदार से करीब दो महीने पहले इंस्टाग्राम पर मुलाकात हुई थी। धीरे-धीरे दोनों के बीच प्यार हो गई। इसके बाद युवक ने युवती को असम छोड़कर बाहरी राज्यों में ले गया। जहां युवती पर पैसों का दवबा बनाने में लगा है। युवती के परिवार वालों ने युवती की काफी छान-बीन की पर कहीं सुराह नगीं मिली। इसके बाद परिजनों ने रंगिया पुलिस से संपर्क किया और पुलिस ने दोनों के अवस्थान का पता लगाकर आंध्र प्रदेश में होने की खबर प्राप्त की। वहीं पुलिस ने यह भी पता लगाया कि मनोज तालुकदार पहले से ही तीन अन्य महिलाओं से शादी कर चुका है और दो पत्नियों ने उसके खिलाफ हाजो और नलबाड़ी पुलिस स्टेशनों में अलग-अलग मामले दर्ज कराए है। पीड़िता के परिजनों को संदेह है कि वे अब मुसीबत में पड़ चुकी हैं। क्योंकि युवती ने कई बार अपनी सहेली को फोन कर घर से पैसे भेजने के लिए अनुरोध किया है। हालांकि, यदि परिवार में कोई अन्य व्यक्ति उसी नंबर पर कॉल करता है, तो कोई भी फोन का उत्तर नहीं मिलता। अब परिवार के लोग लड़की की चिंता में दिन गुजार रहे हैं।

## मॉडर्न इंग्लिश स्कूल के विद्यार्थियों ने निकाली नशा मुक्ति रैली

**गुवाहाटी ( विभास )।** भरलुमुख केआरबी रोड स्थित मॉडर्न इंग्लिश हाई स्कूल के सातवीं आठवीं और नौवीं कक्षा के विद्यार्थियों ने विश्व तंबाकू दिवस पर एक जागरूकता रैली निकाली। जिसमें बैनर और तख्तीयो के वैचारिक उद्गार के माध्यम से नशा निवारण का संदेश दिया गया। छात्रों ने नशे के विरुद्ध नारे भी लगाकर लोगों को जागरूक किया। इस अवसर पर विद्यालय के शिक्षकों ने छात्रों को नशा मुक्त समाज गठन करने के लिए प्रेरित किया।

## कामरूप जिले के सानपाड़ा व झारुबाड़ी में चने और मूंग की खरीद-बिक्री पर प्रतिबंध

**रंगिया ( विभास )।** कामरूप जिले के पलाशबाड़ी पुलिस स्टेशन के अंतर्गत सानपारा गांव में एक धार्मिक समारोह के दौरान बांटे गए चने और मूंग को खाकर 100 से अधिक लोग विषक्रिया से आक्रांत होने की घटना को देखते हुए आज कामरूप जिले के अतिरिक्त जिला दंडाधीश ने भारतीय आपराधिक संहिता की धारा 144 के तहत पलाशबाड़ी राजस्व चक्र के अंतर्गत सानपारा और झारुबारी इलाकों में सभी खुदरा और थोक दुकानों में चने और मूंग खरीदने/बेचने पर प्रतिबंध लगा दिया है। यह प्रतिबंध तब तक लागू रहेगा जब तक कि सानपारा और झारुबारी क्षेत्रों में दुकानों से एकत्र किए गए नमूनों के परिणाम उपलब्ध नहीं हो जाते और जब तक पलाशबाड़ी राजस्व चक्र अधिकारी तथा कार्यवाहक दंडाधिकारी द्वारा इस संबंध में एक सामान्य अधिसूचना जारी नहीं की जाती। ज्ञात हो कि प्रभावित इलाके के स्थानीय कार्यवाहक दंडाधिकारी द्वारा घटना के निरीक्षण के दौरान, यह पाया गया कि धार्मिक आयोजनों के दौरान भक्तों को बितरित किए गए चने और मूंग सानपारा और झारुबारी इलाकों में स्थित दुकानों से खरीदे गए थे। फिलहाल दोनों इलाकों की दुकानों से चने और मूंग के नमूने एकत्र किए गए है और यह जांचने के लिए भेजे गए है कि वे खाने योग्य हैं या नहीं। इस परीक्षण के नतीजे अभी तक प्राप्त नहीं हुए हैं। बताया गया है कि यह प्रतिबंध इन क्षेत्रों में चने और मूंग खाकर इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति होने को रोकने के लिए है। कामरूप जिले के पुलिस अधीक्षक को संबंधित पुलिस स्टेशनों के माध्यम से प्रतिबंध लागू करने का निर्देश दिया गया है और उल्लंघन करने वालों के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 188 के तहत कार्रवाई की जाएगी। जिस किसी को भी इस प्रतिबंध पर कोई आपत्ति है, वह कामरूप जिले के जिला मजिस्ट्रेट के पास आपत्ति दर्ज करा सकता है।

## कामरूप जिले में मतगणना कर्मियों का प्रशिक्षण संपन्न

**रंगिया ( विभास )।** कामरूप जिले में मतगणना के प्रभारी अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए दो चरण का प्रशिक्षण कार्यक्रम आज एकीकृत कामरूप जिला आयुक्त कार्यालय के पास गुवाहाटी बायोटेक पार्क सभागार में संपन्न हुआ। समापन समारोह में बोलते हुए, जिला आयुक्त कीर्ति जल्ली ने सभी अधिकारियों और कर्मचारियों से आगामी 4 जून को अपने दायित्व के साथ मतगणना पूरी करने का आग्रह किया वहीं अतिरिक्त जिला आयुक्त अभिजीत गोगोई ने प्रशिक्षण कार्यक्रम को संबोधित किया और मतगणना प्रक्रिया के सुचारू संचालन के लिए आवश्यक सभी पहलुओं पर चर्चा की। अतिरिक्त जिला आयुक्त (चुनाव) कमल बरुवा ने प्रशिक्षुओं को मतगणना के विभिन्न नियमों की जानकारी दी। प्रशिक्षण कार्यक्रम में मास्टर ट्रेनर द्वारा मतगणना पर्यवेक्षकों एवं सहायकों को पावर प्वाइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से प्रशिक्षित किया गया। मालूम हो कि मतगणना सुपरवाईजर, मतगणना सहायकों, माइक्रो ऑब्जर्वरों और अन्य अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम पिछले 28 मई और आज आयोजित किया गया था। प्रशिक्षण में कामरूप चुनाव अधिकारी मानसज्योति बोरा सहित जिला प्रशासन के कई वरिष्ठ अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित थे।

# होजाई और रंगिया में विश्व तंबाकू निषेध दिवस आयोजित

**होजाई/रंगिया ( निसं/विभास )।** गांधी विद्यापीठ हाईस्कूल, होजाई में आज *विश्व तंबाकू निषेध दिवस* का पालन किया गया। कार्यक्रम प्रधानाध्यापक आलोक कुमार गुप्ता की अध्यक्षता में आयोजित हुआ। कार्यक्रममें उद्देश्य व्याख्या शिक्षक राजीव गुप्ता ने की। इस दिन की महत्ता के ऊपर प्रधानाध्यापक एवं शिक्षिका मधु अगरवाला ने भी अपने विचार रखें। कार्यक्रम को आगे बढ़ाते हुए शिक्षक मृत्युंजय कुमार राय ने इस दिवस पर बच्चों में जागरूकता लाने के लिए तंबाकू उत्पादों से होने वाले नुकसान एवं इससे बचाव के उपायों पर प्रकाश डाला। साथ ही उन्होंने बच्चों को उत्साहित करने के उद्देश्य से एक स्वरचित कविता सुनाई एवं तंबाकू उत्पाद से बच्चे रहने रहने के लिए सभी बच्चों को शपथ भी दिलवाई। कार्यक्रम इस दिवस की महत्ता को बच्चों तक विस्तार से पहुंचाने के लिए चित्रांकन प्रतियोगिता, आकस्मिक भाषण प्रतियोगिता, क्वीज प्रतियोगिता, भाषण का कार्यक्रम भी रखा गया। चित्रांकन प्रतियोगिता में शिक्षक सर्वेश्वर पाठक ने जज की भूमिका निभाई। वहीं आकस्मिक भाषण में जज की भूमिका प्रधानाध्यापक एवं श्री पाठक ने निभाया। क्वीज प्रतियोगिता में क्वीज मास्टर मृत्युंजय कुमार राय थे। कार्यक्रम के अन्त में पुरस्कार वितरण हुआ। इस दिवस के साथ संगति रखते हुए होजाई जिला तंबाकू नियंत्रण जिला स्वास्थ्य विभाग, होजाई की ओर से आयोजित ऑनलाईन निबंध लेखन प्रतियोगिता विश्व तंबाकू निषेध दिवस 2024 में उक्त विद्यालय के अनेकों बच्चों ने हिस्सा लिया जिनको बाद में स्वास्थ्य विभाग की ओर से प्रमाण पत्र भी दिए गए। शिक्षा के साथ-साथ विद्यालय में चहुंमुखी विकास के लिए अनेको कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। **रंगिया** से हमारे संवाददाता के अनुसार देश के अन्य हिस्सों के साथ रंगिया में भी विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर शुक्रवार को विभिन्न जागरुकता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस मौके पर रेड क्रॉस सोसाइटी की रंगिया जिला शाखा ने स्थानीय चिराखुंदी स्थित बिजुली नगर बानी विद्यापीठ हाई स्कूल के छात्रों के बीच एक जागरूकता बैठक का आयोजन किया। कार्यक्रम का संचालन रंगिया रेड क्रॉस सोसाइटी के संयुक्त सचिव प्रकाश डेका ने किया। कार्यक्रम के दौरान रंगिया रेड क्रॉस सोसाइटी के अध्यक्ष डॉ. शफीकुल हक ने इस दिन के महत्व को समझाया और तथ्य प्रस्तुत किए कि कैसे तंबाकू हर साल दुनिया भर में लाखों लोगों की जान ले लेता है। वहीं रंगिया रेड क्रॉस सोसाइटी के सचिव डॉ. खबीरुद्दीन अहमद ने तंबाकू के सेवन से होने वाली विभिन्न लाइलाज बीमारियों का जिक्र किया और छात्रों को बताया कि मानव समाज के लिए हानिकारक इस जहरीले पदार्थ से सभी को कैसे दूर रखा जाए। इसके अलावा बिजुली नगर बानी विद्यापीठ हाई स्कूल के प्राचार्य फारूक हुसैन ने कहा कि ऐसे हानिकारक पदार्थों से दूर रहने के लिए जागरूकता की जरूरत है। बैठक में रेड क्रॉस सोसायटी के सद्दाम हुसैन और स्कूल के शिक्षक-शिक्षिकाएं भी उपस्थित थे।

संपादकीय

# अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर हमला

**विपक्षी** दल अकसर आरोप लगाते हैं कि भाजपा 'अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता' की विरोधी है। जबकि इतिहास साक्षी है कि वर्तमान विपक्षी गठबंधन में शामिल राजनीतिक दलों की सरकारों ने ही अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर हमला किया है। संविधान के अनुच्छेद 19 में संशोधन से लेकर आपातकाल और पत्रकारों के बहिष्कार से लेकर समाचारपत्र/चैनल पर प्रतिबंध लगाने तक अनेक उदाहरण हैं। विपक्षी गठबंधन के प्रमुख दल आम आदमी पार्टी की सरकार पर आरोप लग रहे हैं कि उसने पंजाब में एक प्रमुख समाचार चैनल 'जी न्यूज' को प्रतिबंधित कर दिया है। चैनल ने खुद इसकी जानकारी दी है।

संविधान के अनुच्छेद 19 में संशोधन से लेकर आपातकाल और पत्रकारों के बहिष्कार से लेकर समाचारपत्र/चैनल पर प्रतिबंध लगाने तक अनेक उदाहरण हैं। विपक्षी गठबंधन के प्रमुख दल आम आदमी पार्टी की सरकार पर आरोप लग रहे हैं कि उसने पंजाब में एक प्रमुख समाचार चैनल 'जी न्यूज' को प्रतिबंधित कर दिया है। चैनल ने खुद इसकी जानकारी दी है। चैनल ने कहा कि जी मीडिया के सभी चैनलों को पंजाब में बंद कर दिया गया है, वहाँ लोग अपने घर में जी के चैनल नहीं देख पा रहे हैं। मीडिया संस्थान ने इसे प्रेस की आज़ादी पर हमला बताते हुए कहा है कि उसे पंजाब में ब्लैकआउट कर दिया गया है। चोर की भाँति आम आदमी पार्टी की दाढ़ी में भी तिनका इसलिए भी नजर आ रहा है क्योंकि इस मामले में पार्टी या पंजाब सरकार की ओर से कोई संतोषजनक जवाब अब तक नहीं आया है। दिन-रात अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता एवं लोकतंत्र की दुहाई देनेवाली कांग्रेस भी पंजाब सरकार की चुप्पी पर प्रश्न नहीं उठा रही है। हालांकि कांग्रेस किस मुंह से इस मामले में बोलेगी क्योंकि कांग्रेस ने तो कुछ समय पर देश के लगभग 14 पत्रकारों की सूची जारी करके उनका सार्वजनिक बहिष्कार किया था। यह और बात है कि जनता के बीच अपनी बात पहुँचाने के लिए कांग्रेस के प्रवक्ता उन पत्रकारों के कार्यक्रम में लगातार जा रहे हैं। बीते दिन ही कांग्रेस के चेहरे राहुल गांधी ने एक वरिष्ठ पत्रकार की प्रतिष्ठा को चोट पहुंचाने के उद्देश्य से उनके लिए 'चमची' शब्द का उपयोग किया।

चैनल ने कहा कि जी मीडिया के सभी चैनलों को पंजाब में बंद कर दिया गया है, वहाँ लोग अपने घर में जी के चैनल नहीं देख पा रहे हैं। मीडिया संस्थान ने इसे प्रेस की आज़ादी पर हमला बताते हुए कहा है कि उसे पंजाब में ब्लैकआउट कर दिया गया है। चोर की भाँति आम आदमी पार्टी की दाढ़ी में भी तिनका इसलिए भी नजर आ रहा है क्योंकि इस मामले में पार्टी या पंजाब सरकार की ओर से कोई संतोषजनक जवाब अब तक नहीं आया है। दिन-रात अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता एवं लोकतंत्र की दुहाई देनेवाली कांग्रेस भी पंजाब सरकार की चुप्पी पर प्रश्न नहीं उठा रही है। हालांकि कांग्रेस किस मुंह से इस मामले में बोलेगी क्योंकि कांग्रेस ने तो कुछ समय पर देश के लगभग 14 पत्रकारों की सूची जारी करके उनका सार्वजनिक बहिष्कार किया था। यह और बात है कि जनता के बीच अपनी बात पहुँचाने के लिए कांग्रेस के प्रवक्ता उन पत्रकारों के कार्यक्रम में लगातार जा रहे हैं। बीते दिन ही कांग्रेस के चेहरे राहुल गांधी ने एक वरिष्ठ पत्रकार की प्रतिष्ठा को चोट पहुंचाने के उद्देश्य से उनके लिए 'चमची' शब्द का उपयोग किया। मीडिया और पत्रकारों के प्रति यह जो वातावरण कांग्रेस एवं विपक्षी राजनीतिक दलों की ओर से बनाया जा रहा है, वह किसी भी प्रकार से उचित नहीं ठहराया जा सकता। इस मानसिकता की जितनी आलोचना की जाए कम है। मीडिया को कभी 'गोदी मीडिया', चाटूकार, चम्मच, चमची इत्यादी उपमाएं देने का जो चलन विपक्ष की ओर से प्रारंभ हुआ है, वह घातक है। यह मानसिकता आपातकाल का स्मरण भी कराती है, जब कांग्रेस ने समाचारपत्रों की निगरानी के लिए सरकारी लोग बैठा दिए थे। उनको दिखाए बगैर कोई समाचार प्रकाशित नहीं हो सकता था। जो समाचार पत्र/पत्रिकाएं कांग्रेस के दमन के आगे झुके नहीं, उनकी स्वतंत्रता को बाधित करने के लिए सत्ता के इशारे पर बिजली काट दी गई। डर यह है कि जब कभी कांग्रेस और विपक्षी दल सत्ता के केंद्र में आएंगे, तब मीडिया के प्रति इनका आचरण किस प्रकार का होगा? यह चिंता इसलिए भी है क्योंकि कई कांग्रेसी नेता पत्रकारों एवं मीडिया संस्थानों को चेतवनी देने हुए देखे जा सकते हैं। विपक्षी दलों के व्यवहार से यह तो स्पष्ट हो जाता है कि ये केवल चुनावी लाभ के लिए ही लोकतंत्र, संविधान और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता जैसे मुद्दों पर बात करते हैं। इनकी सुरक्षा के संदर्भ में ये दल बहुत गंभीर नहीं है। जी मीडिया पर पंजाब में अघोषित प्रतिबंध लगाए जाने की सबको मिलकर निंदा करनी चाहिए। मीडिया की स्वतंत्रता भारत के लोकतंत्र एवं संविधान की रक्षा के लिए अत्यंत आवश्यक है।

धूम्रपान सहित तमाम तंबाकू उत्पाद ऐसा धीमा जहर हैं, जो धीमे-धीमे इसका सेवन करने वाले व्यक्ति का दम घोंटते हैं

# जरूरी है भावी पीढ़ी को तंबाकू उत्पादों से बचाना

योगेश कुमार गोयल

पिछले कई दशकों में दुनियाभर में हुए अनेक अध्ययनों के आधार पर सर्वविदित तथ्य यही है कि धूम्रपान करना अथवा किसी भी रूप में तंबाकू का सेवन हर दृष्टि से सेहत के लिए हानिकारक है लेकिन जब तमाम जानकारियों और तथ्यों के बावजूद हम अपने आसपास किशोरवय बच्चों को भी धूम्रपान करते या अन्य तंबाकू उत्पादों का सेवन करते देखते हैं तो स्थिति काफी चिंताजनक प्रतीत होती है।

**तंबाकू** उत्पादों को लेकर पिछले कई दशकों में दुनियाभर में हुए अनेक अध्ययनों के आधार पर सर्वविदित तथ्य यही है कि धूम्रपान करना अथवा किसी भी रूप में तंबाकू का सेवन हर दृष्टि से सेहत के लिए हानिकारक है लेकिन जब तमाम जानकारियों और तथ्यों के बावजूद हम अपने आसपास किशोरवय बच्चों को भी धूम्रपान करते या अन्य तंबाकू उत्पादों का सेवन करते देखते हैं तो स्थिति काफी चिंताजनक प्रतीत होती है। दरअसल ऐसे किशोरों के मनोमस्तिष्क में धूम्रपान को लेकर कुछ गलत धारणाएं विद्यमान होती हैं, जैसे धूम्रपान अथवा तंबाकू उत्पादों के सेवन से उनके शरीर में चुस्ती-फुर्ती आती है, उनका मानसिक तनाव कम होता है, मन शांत रहता है, व्यक्तित्व आकर्षक बनता है, कब्ज की शिकायत दूर होती है आदि-आदि। तमाम वैज्ञानिक शोध यह प्रमाणित कर चुके हैं कि धूम्रपान अथवा तंबाकू उत्पादों के सेवन करने से उनके अंदर ऐसी कोई ताकत पैदा नहीं होने वाली कि देखते ही देखते वो किसी ऊंचे पर्वत पर छलांग लगा सकें या महाबली पवनपुत्र हनुमान की भांति विशाल समुद्र लांघ जाएं। वास्तविकता यही है कि धूम्रपान सहित तमाम तंबाकू उत्पाद ऐसा धीमा जहर हैं, जो धीमे-धीमे इसका सेवन करने वाले व्यक्ति का दम घोंटते हैं। ये शरीर में कई प्रकार की प्राणघातक बीमारियों को जन्म देते है और ऐसे व्यक्ति को धीमी गति से मृत्यु शैया तक पहुंचा देने का माध्यम बनते हैं। लोगों को तंबाकू को छोड़ने और इसे कभी हाथ नहीं लगाने के लिए जागरूक करने के उद्देश्य से ही प्रतिवर्ष विश्वभर में 31 मई को 'विश्व तम्बाकू निषेध दिवस' मनाया जाता है, जिसका उद्देश्य तम्बाकू सेवन के व्यापक प्रसार और नकारात्मक स्वास्थ्य प्रभावों की ओर ध्यान आकर्षित करना है, जो दुनियाभर में प्रतिवर्ष लाखों मौतों का कारण बनता है। इस वर्ष विश्व तंबाकू निषेध दिवस 'तंबाकू उद्योग के दखल से बच्चों की रक्षा करना' थीम के साथ मनाया जा रहा है ताकि भविष्य की

पीढ़ियों की रक्षा की जा सके और यह सुनिश्चित किया जा सके कि तंबाकू के इस्तेमाल में गिरावट जारी रहे। यह थीम निर्धारित करते समय तंबाकू उद्योग द्वारा युवाओं को टारगेट करते हुए बनाए गए मार्केटिंग के तरीकों की चिंता बढ़ाने वाली प्रवृत्ति की ओर खास ध्यान दिया गया है। डब्ल्यूएचओ के अनुसार सोशल मीडिया और लाइव स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म इत्यादि के जरिये दुनियाभर में युवा तेजी से तंबाकू उत्पादों के आकर्षण और संपर्क में आ रहे हैं, जो उनके स्वास्थ्य और समाज कल्याण के लिए एक बड़ा खतरा है। दुनियाभर के सर्वेक्षण लगातार दिखा रहे हैं कि अधिकांश देशों में 13-15 वर्ष की आयु के बच्चे तंबाकू और निकोटीन उत्पादों का इस्तेमाल कर रहे हैं। वैसे तो हुक्का, गुटखा, खैनी, जर्दा इत्यादि तमाम तंबाकू उत्पाद स्वास्थ्य को गंभीर नुकसान पहुंचाते हैं लेकिन इसका सबसे हानिकारक रूप है धूम्रपान, जो हर साल लाखों लोगों की मौत का कारण बनता है। धूम्रपान करने वालों द्वारा सालभर में सात हजार करोड़ से ज्यादा सिगरेटें फूंक दी जाती हैं। हर साल फूंकी जाने वाली इन्हीं सिगरेटों के धुएं से वातावरण भी कितना प्रदूषित होता है, इसका अनुमान इसी से लगा सकते हैं कि इस खतरनाक धुएं से करीब 50 टन तांबा, 15 टन शीशा, 11 टन कैडमियम तथा कई अन्य खतरनाक रसायन वातावरण में घुलते हैं। हालांकि सिगरेटें महंगी होने के कारण भारत में बीड़ी का प्रचलन निम्न तथा मध्यमवर्गीय तबके में ज्यादा है और ऐसा अनुमान है कि देश में प्रतिवर्ष सौ अरब रुपये मूल्य से भी अधिक की बीड़ियों का सेवन किया जाता है। एक सरकारी अध्ययन के मुताबिक तम्बाकू सेवन से होने वाली बीमारियों के इलाज पर सालभर में करीब 1.04 लाख करोड़ रुपये खर्च हो जाते हैं। तीन दशक पूर्व प्रकाशित अपनी पुरस्कृत पुस्तक 'मौत को खुला निमंत्रण' में मैंने विस्तार से यह बताया है कि धूम्रपान वास्तव में एक ऐसा धीमा जहर है, जो हमारे शरीर में धीरे-धीरे प्राणघातक रोगों को जन्म देता है और व्यक्ति को धीमी गति से मृत्यु शैया पर पहुंचा देता है। दुनियाभर में धूम्रपान के कारण 2019 में 77 लाख लोगों की मौत हुई, जिनमें से 17 लाख मौतें इस्केमिक हार्ट डिजीज के कारण, 16 लाख सीपीओडी के कारण, 13 लाख ट्रैकियल, ब्रोंकस और फेफड़ों के कैंसर से तथा 10 लाख स्ट्रोक के कारण हुई। रिपोर्ट के मुताबिक दुनियाभर में होने वाली मौतों में से हर 5 में से 1 पुरूष की मौत धूम्रपान के कारण हो रही है। विभिन्न सर्वेक्षणों के अनुसार माना गया है कि विकसित देशों में चालीस फीसदी से ज्यादा पुरूष और इक्कीस फीसदी से ज्यादा स्त्रियां धूम्रपान करती हैं जबकि विकासशील देशों में सिर्फ आठ फीसदी स्त्रियों को इसकी लत लगी है तथा पुरूषों की संख्या पचास फीसदी से अधिक है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार तम्बाकू के सेवन के कारण प्रतिदिन करीब आठ हजार व्यक्ति फेफड़ों के कैंसर के शिकार होकर मर जाते हैं। संगठन का अनुमान है कि यदि दुनियाभर में धूम्रपान की लत ऐसे ही बढ़ती रही तो बहुत जल्द धूम्रपान के कारण पचास करोड़ लोग मारे जा चुके होंगे और अगले तीस वर्षों में केवल गरीब देशों में ही धूम्रपान से मरने वालों की संख्या दस लाख से बढ़कर सत्तर लाख तक पहुंच जाएगी।

दृष्टि कोण

# मुस्लिम साझेदारी सुधारने का सवाल

**अठारहवें** लोकसभा चुनाव में मुस्लिम उम्मीदवारों की संख्या में गौरतलब गिरावट भारतीय चुनावी राजनीति की दो दिलचस्प दिशाओं को रेखांकित करती है। अव्वल तो यही लगता है कि सियासी दल वास्तव में पेशेवर हो गए हैं। उन्होंने जीतने की क्षमता को ही प्रत्याशी चयन का पैमाना बना लिया है। दलों की टिकट वितरण व्यवस्था अब किसी वैचारिक प्रतिबद्धता से निर्देशित नहीं होती है। इसके बजाय, जाति, धर्म को ज्यादा महत्व दिया जाता है। सिर्फ राजनीतिक साख के लिए किसी मुस्लिम को टिकट देना अब व्यावहारिक रूप से कठिन हो गया है। दूसरी, राजनीति के प्रमुख आख्यान के रूप में हिंदुत्व-संचालित राष्ट्रवाद के उद्भव ने गैर-भाजपा दलों पर भी असर डाला है। ये दल खासकर राजनीतिक सदंर्भों में महज मुस्लिम पहचान या छवि से बचने लगे हैं। भाजपा अपने अब तक के प्रयासों से यह धारणा बनाने में सफल रही है कि अतीत में विपक्षी दलों ने मुसलमानों का तुष्टीकरण किया है और इससे हिंदू हित कमजोर हुआ है। कोई भी पार्टी नहीं चाहेगी कि वह सिर्फ मुस्लिम समर्थक के रूप में पहचानी जाए। वैसे, आज के भारत में मुसलमानों के सियासी हाशिये पर होने का जवाब तलाशते हुए उनकी समाजशास्त्रीय विविधता के साथ-साथ कानूनी-सांविधानिक ढांचे पर भी हमें ध्यान देना चाहिए। एक समय था, जब जवाहरलाल नेहरू के नेतृत्व में उत्तर-औपनिवेशिक सरकार इस मोर्चे पर स्पष्ट थी। वह मुसलमानों को सांविधानिक अल्पसंख्यक के रूप में मान्यता देने और उनकी रक्षा करते हुए सांप्रदायिक राजनीति से छुटकारा पाने की इच्छुक थी। सांप्रदायिक राजनीति की वजह से ही देश विभाजित हुआ था। इस परस्पर विरोधी लगने वाले मुद्दे से निपटने के लिए एक अलिखित मानदंड बनाया गया था। नागरिकों के एक समूह को 'मतदाता' के रूप में देखते हुए प्रतिनिधित्व की धर्मनिरपेक्ष अवधारणा बनाई गई थी। वैसे, जन-प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 साफ कहता है कि धर्म को चुनावी प्रक्रियाओं से अलग रखना चाहिए। असंख्य मतदाताओं की धर्मनिरपेक्ष सोच ने कम से कम सैद्धांतिक रूप से एक संभावना पैदा की कि मुस्लिम मतदाता सिर्फ मुस्लिम उम्मीदवारों को वोट नहीं करेंगे। दूसरे शब्दों में कहें, तो नेहरूवादी सरकार ने निर्वाचित निकायों में पृथक मुस्लिम प्रतिनिधित्व को दृढ़ता से हतोत्साहित किया था। हालांकि, इसका मतलब यह नहीं कि सामूहिक मुस्लिम हितों की अनदेखी की गई। धर्मनिरपेक्ष भारत में मुस्लिम भागीदारी के लिए दो महत्वपूर्ण तंत्र अपनाए गए। सबसे पहले, राज्यसभा और राज्य विधान परिषदों से मुस्लिम नेताओं को लाने का तरीका आजमाया गया। बाद में भारतीय जनसंघ और भाजपा भी अपने मुस्लिम नेताओं को राज्यसभा के रास्ते ही आगे लेकर आई। दूसरा, धर्मनिरपेक्ष भारतीय संस्कृति के एक अभिन्न पहलू के रूप में मुस्लिम उपस्थिति की सराहना की गई। संविधान में अल्पसंख्यक को दिए गए अधिकारों के प्रावधान के साथ यह अच्छा हुआ। सरकारों ने भी देश के धर्मनिरपेक्ष लोकाचार को दर्शाने के लिए मुस्लिम तहजीब और विरासत को सामने पेश किया। निर्वाचित निकायों में अलग मुस्लिम प्रतिनिधित्व से इनकार और सार्वजनिक जीवन में सकारात्मक मुस्लिम उपस्थिति के बीच का समीकरण बहुत नाजुक था। सियासी दल चुनावी गणना से निर्देशित होते थे। ऐसे में, जरूरी था कि वे चुनावी मुद्दे के रूप में मुस्लिम हितों को सामने लाएं। नेहरू के निधन के ठीक बाद यही हुआ। इंदिरा गांधी ने धर्म की एक नई राजनीति शुरू की, जिसने मुस्लिम प्रतिनिधित्व और मुस्लिम भागीदारी के बीच संतुलन की पूरी तरह उपेक्षा की। वास्तव में, 2006 में सच्चर आयोग की रिपोर्ट के प्रकाशन के बाद मुस्लिम प्रतिनिधित्व पर बहस को नवजीवन मिला। मुस्लिमों की उपेक्षा और पिछड़ापन नीतिगत मुद्दों के रूप में उभरे, जबकि सामाजिक समावेशन का खाका चुनावी राजनीति का मार्गदर्शक सिद्धांत था। मुस्लिम भागीदारी और मुस्लिम प्रतिनिधित्व के मिश्रण ने यह धारणा बनाई कि सांविधानिक धर्मनिरपेक्षता एक अलग मुस्लिम सियासी पहचान की रक्षा से संबंधित है। इस अस्पष्ट स्थिति ने हिंदुत्व की राजनीति की इस दलील को मजबूत किया कि मुस्लिम पिछड़ेपन व भागीदारी पर कोई चर्चा अलगाववाद को ही जन्म देगी। 2024 में भाजपा का चुनावी अभियान स्पष्ट रूप से इसी तर्क की अभिव्यक्ति है। अब सवाल उठता है : हमें मुस्लिम राजनीतिक प्रतिनिधित्व के बारे में कैसे बात करनी चाहिए, खासकर अब जब मुस्लिम पहचान गैर-भाजपा दलों के लिए भी राजनीतिक समस्या बन गई है? मैं इससे निपटने के लिए एक प्रस्ताव करता हूं। सबसे पहले, प्रतिनिधित्व के विचार को ही लोकतांत्रिक बनाने की जरूरत है। मुस्लिम प्रतिनिधित्व पर किसी भी चर्चा में मुस्लिम दलितों, मुस्लिम महिलाओं और गरीब मुसलमानों की चिंताओं को स्वीकार किया जाना चाहिए। इसमें पसमांदा राजनीति का योगदान बहुत खास है। दूसरा, व्यापक संस्थागत व्यवस्था का लोकतंत्रीकरण। हमें मुस्लिम प्रतिनिधित्व का मूल्यांकन करने के लिए सिर्फ संसद और विधानसभाओं को ही नहीं देखना चाहिए।

कुछ अलग

# छायादार पेड़ों की कटाई, सब पर अब पड़ रही है भारी

**इस** साल मई के अंतिम सप्ताह में उत्तर और मध्य भारत के अधिकांश शहरों में तापमान ने पिछले कई सालों का रेकॉर्ड तोड़ दिया। मई के अंतिम दिनों में सूर्य ने रोहिणी नक्षत्र में प्रवेश किया। आम बोलचाल की भाषा में ये नौतपा के दिन कहे जाते हैं और मान्यता है कि नौतपा के दौरान तापमान सामान्य से अधिक होना अच्छे मानसून का संकेत होता है। लेकिन इन दिनों धरती जिस तरह तप रही है, वह असामान्य है। एक बड़ा कारण यह भी है कि हमारे शहरों से छायादार वृक्ष तेजी से गायब होते जा रहे हैं। छायादार पेड़ हमारे जीवन में बहुत महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। वे न केवल हमें फल और औषधि देते हैं , अपितु अनेक जीवों को अपने आश्रय में स्थान देकर पर्यावरण के संरक्षण में भी योगदान करते हैं। क्या आपने कभी ग़ौर किया कि हमारे घरों के आसपास हमेशा फुदकने वाली गौरैया की चहचहाट अचानक कहां गुमने लगी है या गुम हो गई है? छायादार पेड़ों का कटना जैव विविधता की दृष्टि से बड़ी चुनौती बन गया है। पिछले दिनों डेनमार्क के कोपेनहेगन विश्वविद्यालय के कुछ शोधार्थियों ने भारत के साठ करोड़ पेड़ों का एक मानचित्र बनाया और उनके बारे में अध्ययन किया। इस अध्ययन की रिपोर्ट नेचर सस्टेनेबिलिटी नामक एक अंतरराष्ट्रीय शोध पत्रिका में छपी है। इस अध्ययन में सामने आया है कि सन् 2018 से 2022 के बीच भारत के खेतों से 53 लाख छायादार पेड गायब हो गए हैं। आम, नीम, पीपल, बरगद, महुआ, जामुन, कटहल, खेजड़ी, शीशम, नारियल जैसे पेड़ हैं जिनमें से कई पेड़ों का मुकुट 67 वर्ग मीटर या उससे भी अधिक था। इस वर्ष मई के तीसरे सप्ताह में ही जिस तरह से पश्चिम और मध्य भारत के शहरी इलाके तपने लगे, उसने आम आदमी में यह चिंता जगा दी है कि आने वाले समय में गर्मी कितनी कठिन होगी। हमारे पूर्वज पेड़ों के महत्त्व को समझते थे। इसीलिए भारतीय वांग्मय में छायादार पेड़ों को बहुत पवित्र माना गया है। गीता में तो कृष्ण स्वयं को पेड़ों में अश्वत्थ यानी पीपल बताते हैं। पुराने ग्रंथों में पीपल, बड़ जैसे पेड़ों की महत्ता विस्तार से लिखी गई है। वनस्पति के प्रति भारतीय मानस के मन में सम्मान की परंपरा का अनुमान इसी बात से लगाया जा सकता है कि जब किसी काम से पेड़ की लकड़ी के एक हिस्से या थोड़ी सी जड़ भी लेनी होती थी तो शास्त्रों का निर्देश था कि पहले पेड़ की पूजा करो और फिर क्षमा मांग कर उस चीज को प्राप्त करो। पेड़ों की पूजा किसी दकियानूसी मानसिकता का परिणाम नहीं था बल्कि प्रकृति की उस रचना के प्रति मनुष्य का आभार व्यक्त करना था जो फल, छाया, लकड़ी, गोंद जैसी कितनी ही चीजों के साथ हमारे कल्याण के लिए प्रतिबद्ध रहती है। कोपनहेगन विश्वविद्यालय के जिन शोधार्थियों ने यह पाया है कि 1918 से सन्-1922 के बीच भारतीय खेतों से 53 लाख से भी अधिक छायादार पेड़ कट गए, उन्होंने अपने अध्ययन में उन वृक्षों का तो जिक्र ही नहीं किया जो खेतों से इतर जगहों पर थे और विकास के नाम पर नेस्तनाबूद कर दिये गए। रिपोर्ट के अनुसार कुछ इलाकों में तो एक किलोमीटर में पचास से अधिक पेड़ की दर से घने छायादार पेड़ काटे गए हैं। यह स्थिति किसी भी संवेदनशील व्यक्ति को डरा सकती है। शहरीकरण के कारण पिछले कुछ सालों में कृषि भूमि पर अंधाधुंध निर्माण हुआ है और इसी क्रम में घने छायादार पेड़ों को भी निर्ममता से काटा गया है।

देश दुनीया से

# झुलसाती हवाओं का बढ़ता इलाका

**हर** साल मई के आखिरी पखवाड़े से लेकर जून के अंत तक, जब तक मानसून गंगा के मैदानी इलाकों में नहीं आ जाता, उत्तर भारत में गरमी सामान्य मौसमी परिघटना है। इन दिनों दिल्ली, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, पंजाब, बिहार, झारखंड, बंगाल जैसे तमाम राज्य तपते रहते हैं। यह मानसून में तेजी लाने के लिए आवश्यक भी माना जाता है, क्योंकि गरमी जितनी तेज होती है, अरब सागर से उतना ही मजबूत मानसून भारत को भिगोता है। मगर अब जरूरत से अधिक गरमी पड़ने लगी है और तापमान 50 डिग्री के पार जाने लगा है। भारत के कई शहर तो पहले से अधिक गरम हो चले हैं। आखिर क्यों? दरअसल, इसकी बड़ी वजह जलवायु में लगातार हो रहा बदलाव है। जलवायु परिवर्तन के कारण अब हर मौसम पिछला रिकॉर्ड तोड़ता नजर आता है। इसी साल जनवरी पिछले वर्ष के जनवरी माह से अधिक गरम था। फरवरी, मार्च या अप्रैल महीने की भी यही कहानी रही। स्थिति यह है कि वैश्विक गरमी 1.2 डिग्री सेल्सियस तापमान की सीमा को पार कर चुकी है, जबकि समुद्र तटों के किनारे के देश साल 2100 तक वैश्विक गरमी को 1.5 डिग्री सेल्सियस तक रोकने के हिमायती हैं। पेरिस समझौते में भी वैश्विक तापमान वृद्धि को पूर्व-औद्योगिक स्तरों से 2 डिग्री सेल्सियस कम करने पर सहमति बनी थी, लेकिन नतीजा अब भी सिफर ही दिख रहा है। जलवायु परिवर्तन पर अंतर-सरकारी पैनल (आईपीसीसी) का कहना है कि जब तापमान में 1 डिग्री सेल्सियस की बढ़ोतरी होती है, तो हीट वेव की आवृत्ति (आने की दर), समय और प्रभाव में कम से कम दोगुना का इजाफा होता है। यही कारण है कि हाल के वर्षों में हीट वेव आने की दर बढ़ गई है। पहले झारखंड, ओडिशा, छत्तीसगढ़, बिहार, बंगाल, महाराष्ट्र जैसे राज्य ही इसकी चपेट में आते थे, लेकिन अब तेलंगाना, उत्तरी कर्नाटक जैसे इलाके भी मार्च-अप्रैल से ही बेहिसाब गरमी झेलने को मजबूर हैं। सरकारों ने तो पहले से ही इससे लड़ने की तैयारियां शुरू कर दी थीं। बहरहाल, तापमान का बढ़ना और गरमी की तपन महसूस करना, दोनों अलग चीजे हैं। आपने खबरों में भी देखा होगा कि कहीं तापमान तो कम होता है, लेकिन गरमी अधिक महसूस होती है। यह काफी हद तक नमी पर निर्भर करता है। यदि वातावरण में नमी कम हो, तो शुष्क, यानी सूखी गरमी पड़ती है, जिसमें कूलर, पंखा आदि से राहत मिल जाती है। मगर जब तापमान के साथ नमी भी होती है, तो हमारे शरीर से काफी ज्यादा पसीना निकलने लगता है और 35-36 डिग्री सेल्सियस तापमान भी 40 डिग्री के समान महसूस होने लगता है। ऐसी उमस में एयर कंडिशनर ही कारगर साबित होता है। उल्लेखनीय है कि तापमान मापने का तरीका बिल्कुल सामान्य है। शहर की कुछ जगहों पर इसकी मशीनें लगाई जाती हैं, जिनमें थर्मामीटर की तरह तापमान मापने वाला यंत्र होता है। वही हवा की गति भी माप लेता है। अभी विशेषकर उत्तर भारत में तापमान में जो उछाल दिखने को मिल रहा है, उसमें जल्द ही कुछ राहत मिल सकती है। अगले तीन-चार दिनों में जम्मू-कश्मीर में पश्चिमी विक्षोभ आ सकता है। दिल्ली-एनसीआर के कुछ इलाकों में तो बुधवार की शाम हल्की बारिश भी हुई। इस विक्षोभ से राजस्थान को छोड़कर शेष मैदानी इलाकों में कुछ राहत मिल सकती है। हालांकि, इसका असर भी तीन-चार दिनों तक ही रहेगा, फिर सूरज पहले की तरह आग बरसाने लगेगा। यह स्थिति कमोबेश मानसून आने तक बनी रहेगी। बढ़ती गरमी मानव स्वास्थ्य को भी नुकसान पहुंचाती है। जिस तरह 98.5 फारेनहाइट तापमान के बाद शरीर में हलचल तेज हो जाती है, उसी तरह 37 डिग्री से अधिक का तापमान शरीर को बेचैन कर सकता है। इसके बाद मुख्यतः बेहतर प्रतिरोधक क्षमता ही गरमी का मुकाबला करती है। चूंकि बच्चे और बुजुर्गों में यह क्षमता कम होती है, इसलिए उनके साथ-साथ उन लोगों को भी सावधानी बरतने की सलाह दी जाती है, जो पहले से बीमार होते हैं। हालांकि, सावधानी सामान्य आदमी को भी रखनी चाहिए, क्योंकि जब तापमान 40 डिग्री सेल्सियस से ऊपर चला जाता है, तो शरीर में पानी घटने लगता है और शारीरिक क्षमता घटकर आधी रह जाती है। यही कारण है कि गरमी के महीने में पानी अधिकाधिक पीने और मौसमी फलों का सेवन करने को कहा जाता है। नारियल, खीरा, तरबूज, ककड़ी, खरबूजा जैसे फल शरीर में पानी की कमी को पूरा करने में सक्षम होते हैं। एक यह सावधानी भी बरतने को कहा जाता है कि सुबह 11 बजे से लेकर शाम चार बजे तक धूप के 'एक्सपोजर' से बचना चाहिए।

जलवायु परिवर्तन के कारण अब हर मौसम पिछला रिकॉर्ड तोड़ता नजर आता है। इसी साल जनवरी पिछले वर्ष के जनवरी माह से अधिक गरम था। फरवरी, मार्च या अप्रैल महीने की भी यही कहानी रही। स्थिति यह है कि वैश्विक गरमी 1.2 डिग्री सेल्सियस तापमान की सीमा को पार कर चुकी है, जबकि समुद्र तटों के किनारे के देश साल 2100 तक वैश्विक गरमी को 1.5 डिग्री सेल्सियस तक रोकने के हिमायती हैं। पेरिस समझौते में भी वैश्विक तापमान वृद्धि को पूर्व-औद्योगिक स्तरों से 2 डिग्री सेल्सियस कम करने पर सहमति बनी थी, लेकिन नतीजा अब भी सिफर ही दिख रहा है।

आप का नजरीया

# छोटी नदियों को जिंदा रखने की मुहिम

**छोटी** नदियों के संगम से बनी गंगा 2,550 किलोमीटर, ब्रह्मपुत्र और सिंधु भारत में क्रमशः 916 और 1,114 किलोमीटर लंबी हैं। लगभग सभी बड़ी नदियों के उद्गम ग्लेशियरों से हैं। इनके बहाव क्षेत्र में जंगल, तराई, मैदान और बीहड़ क्षेत्रों से छोटी-छोटी नदियां बड़ी नदियों में मिल रही हैं। भारत की सबसे छोटी नदी अरवरी है, जो अरावली पर्वतमाला से निकलकर राजस्थान के अलवर जिले में बहती है। यमुना सबसे बड़ी सहायक नदी है। यमुना में भी टौंस, हिंडन, चंबल, बेतवा आदि मिलती हैं। छोटी नदियां बड़ी नदियों के प्रवाह बढ़ाने के साथ उन्हें भूजल पुनर्भरण में सक्षम बनाती हैं। मिट्टी की नमी बनाए रखती और जैव विविधता में सुधार करती हैं। सूखे और बाढ़ का सामना करने में मदद करती हैं, लेकिन सूख रही छोटी नदियों का कायाकल्प समुदाय के बिना संभव नहीं है। इन सहायक और छोटी नदियों में निरंतर घटती जल राशि चिंता का विषय है। ग्लेशियरों के सूखने से हिमपोषित नदियां भी सूख रही हैं। भीषण गर्मी से बुंदेलखंड की कई नदियां सूख गई हैं। गंगा-यमुना की छोटी नदियां और जल स्रोत सूख गए हैं। हर वर्ष हिमालय से लेकर मैदानों तक भारी जल सैलाब से अपार जन-धन की हानि हो रही है। बारिश के पानी को रोकने की पारंपरिक शैली को आधुनिक विकास ने रौंद डाला है, जहां तालाब, जोहड़ जैसी जल संरचनाएं होती थीं। अब उन स्थानों पर बहुमंजिला इमारतें बन गई हैं। खनन, सीमेंटेड संरचनाओं ने पूरे जल क्षेत्र की जलवायु पर विपरीत असर डाला है। भूजल बहुत नीचे चला गया है। इन चुनौतियों के बावजूद आज भी भारत के गांवों में लोग अपने पारंपरिक प्रबंधन से जल की व्यवस्था करते हैं, जिससे विवेकपूर्ण जल उपयोग को बढ़ावा मिलता है। सक्रिय समाजसेवियों, पर्यावरणविदों और पानीदार समाज ने मिलकर ऐसे उदाहरण भी प्रस्तुत किए हैं कि सूखी छोटी नदियां फिर से बहने लगी हैं। अलवर में तरुण भारत संघ ने सूखी नदियों को जिंदा कर दिया है। लोग वहां नदियों के पुनर्जीवन के सामाजिक और पर्यावरणीय तरीके सीख रहे हैं। बुंदेलखंड में परमार्थ समाजसेवी संस्थान ने छोटी नदियों के पुनर्जीवन के लिए जोरदार अभियान चला रखा है। उन्होंने अब तक विलुप्त होती बछेड़ी, कनेरा, बारगी, खूडर, घुरारी नदी के पुनर्जीवन के लिए स्थानीय राज-समाज के साथ मिलकर महत्वपूर्ण प्रयास किए हैं। मध्य प्रदेश के खजुराहो में हाल ही में जल जन जोड़ो अभियान और परमार्थ समाजसेवी संस्थान द्वारा आयोजित एक संवाद में 15 राज्यों से 50 नदी प्रतिनिधियों ने निर्णय लिया कि 51 नदियों के पुनर्जीवन हेतु यात्रा का आयोजन होगा। जलपुरुष राजेंद्र सिंह की अगुवाई में देश भर से आए जल विशेषज्ञों ने मांग की है कि केंद्र सरकार नदियों के लिए एक स्पष्ट नदी नीति बनाए। नदियों के लिए काम करने वाले लोग मानते हैं कि छोटी नदियों का समुदाय की खाद्य सुरक्षा, उनका सम्मानजनक जीवन और उनके आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका है।

### प्रधानमंत्री के प्रति विश्वास पर जनता ने लगाई मोहर

# बच्चा-बच्चा बोल रहा अबकी बार 400 पार : सीपी जोशी

**जयपुर ( हिंस )।** भारतीय जनता पार्टी प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी ने कहा कि विधानसभा चुनावों में राजस्थान की जनता ने भाजपा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की गारंटी पर विश्वास किया। लोकसभा चुनावों में भी राजस्थान की जनता का भरपूर आशीर्वाद मिला है।भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी शुक्रवार को प्रदेश कार्यालय में पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के नेता झूठ बोलने में माहिर है, भाजपा की सरकार आने के बाद संविधान बदलने और आरक्षण समाप्त करने सहित कई बातों से जनता को गुमराह करने का प्रयास किया लेकिन देश और प्रदेश की जनता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ है। देश की सुदूर ढाणी में भी जाकर बोलोगे अबकी बार तो सामने से आवाज आएगी 400 पार। प्रधानमंत्री नरेंद्र

मोदी के प्रति विश्वास पर जनता ने अपनी मोहर लगाई है। चार जून को भाजपा की प्रचंड बहुमत से जीत होगी। जोशी ने कहा कि सत्ता का दोहन और जनता का शोषण कांग्रेस का एक मात्र उद्देश्य है। कांग्रेस ने कभी प्रदेश की चिंता नहीं की। जनता को सिर्फ वादे और नारे दिए। ईआरसीपी को लेकर प्रदेश की जनता को गुमराह किया। कोयला और बिजली खरीद में घोटाला किया बिजली के क्षेत्र में प्रदेश को आत्मनिर्भर बनाने का प्रयास नहीं किया। बिजली के क्षेत्र में भाजपा सुधार करती है जिसे कांग्रेस अपने राज में बदतर कर देती है। प्रदेश में भाजपा की सरकार बनते ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने ईआरसीपी योजना को अमली जामा पहनाया साथ ही यमुना जल समझौता भी हुआ जिसके बारे में किसी ने सोचा नहीं था। इसके अलावा जनहित और प्रदेश हित में अनेक महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए जिनसे जनता को राहत मिल रही है। भाजपा सरकार पांच सालों में पानी-बिजली सहित अन्य क्षेत्रों में किए गए वादों को पूरा करेगी।

## गंगा में नहाते समय पांच दोस्त डूबे, दो शव बरामद

**बलिया ( हिंस )।** हल्दी थाना क्षेत्र पचरूखिया के पास हुकुमछपरा काली मंदिर के सामने शुक्रवार दोपहर में गंगा में नहाते समय पांच दोस्त डूब गये। आसपास के लोगों की मदद से दो किशोरों का शव बरामद कर लिया गया है। रेवती थाना क्षेत्र के पियरौटा निवासी पांच युवक गर्मी से निजात पाने के लिए गंगा में नहा रहे थे। इसी बीच गहरे पानी में सभी युवक अचानक डूबने लगे। इसकी सूचना मिलते ही इलाके में हड़कंप मच गया। मौके पर सैकड़ों लोगों की भीड़ जुट गई। काफी प्रयास के बाद दो लड़कों का शव को ग्रामीणों ने बरामद कर लिया, जिनकी पहचान रवि राम (14) पुत्र दिलीप राम व सनी राम (15) पुत्र वीरेन्द्र राम के रूप में हुई। वहीं, तीन अन्य युवक लापता बताए जा रहे हैं। इस संबंध में एडिशनल एसपी डीपी तिवारी ने बताया कि दो युवकों का शव मिला है। उन्होंने बताया कि ग्रामीणों के अनुसार तीन किशोर मौके से चले गए। उनके डूबने की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

# बिहार में हीटवेव से दो दिनों में 73 मौतें, औरंगाबाद में सर्वाधिक 15

**पटना ( हिंस )।** बिहार में भीषण गर्मी और हीटवेब के चलते मौत का आंकड़ा बढ़ता जा रहा है। प्रदेश में बुधवार से गुरुवार शाम तक लू लगने से 73 लोगों की मौत हुई है। पटना, मुजफ्फरपुर, वैशाली, दरभंगा और बेगूसराय समेत कई जिलों में गुरुवार की रात या तो बारिश हुई या इसके कारण हवा में ठंडक आई लेकिन इससे पहले बुधवार सुबह से गुरुवार शाम तक सड़क, बस स्टैंड, स्टेशन पर चलते-टहलते या मतदान की तैयारी कर रहे लोगों की मौतों की संख्या 73 पहुंच गई। औरंगाबाद में गुरुवार को सर्वाधिक 15 मौतें हुईं। इसके बाद पटना में 11 मौतों की खबर सामने आयी। भोजपुर में पांच मतदानकर्मियों सहित 10 की मौत हुई जबकि रोहतास में आठ, कैमूर में पांच, गया में चार, मुजफ्फरपुर में दो के अलावा बेगूसराय, जमुई, बरबीघा और सारण में एक-एक व्यक्ति की ऐसे ही चलते-फिरते मौत होने की जानकारी आई। गुरुवार को 59 और बुधवार को 14 मौतों के साथ राज्य में मरने वालों की संख्या 73 हो गई है। चूंकि, ज्यादातर लोगों का पोस्टमार्टम नहीं कराया जा रहा है, इसलिए प्रशासनिक तौर पर लू से मौत की पुष्टि नहीं की जा रही है। बिहार में बुधवार को करीब साढ़े तीन सौ बच्चे और शिक्षक स्कूलों में लू के कारण बेहोश हुए तो राज्य सरकार ने शाम छह बजे जाकर घोषणा की कि गुरुवार से आठ जून तक स्कूल बंद रहेंगे। गुरुवार को स्कूल खुले और बच्चों को लौटा दिया गया लेकिन शिक्षकों को दोपहर बाद डेढ़ बजे तक बैठाए रखा गया। इधर, लोकसभा चुनाव के अंतिम चरण के मतदान के लिए तैयारियों में जुटे लोगों पर भी संकट रहा। रोहतास में मतदान ड्यूटी वाले दो शिक्षकों की मौत की खबर आई। भोजपुर में एकमुश्त पांच मतदानकर्मियों की मौत हो गई। हीटवेव से जिन लोगों की मौतें हुई उनमें ज्यादातर बुजुर्ग हैं, जिनकी उम्र 50 साल से 85 साल के बीच बताई जा रही है। बिहार के जिलों में लगातार बढ़ती गर्मी के चलते अस्पतालों में स्ट्रोक, डिहाइड्रेशन और थकान के बड़ी संख्या में मामले सामने आ रहे हैं। ज्यादातर मामले बिहार के पटना में सामने आ रहे हैं। फिलहाल, मरने वालों को कोई मुआवजा नहीं मिल रहा। मतदान में सरकारी ड्यूटी के दौरान जान गंवाने वालों को मुआवजा तब दिया जाएगा जब उनकी मौत की वजह का प्रमाण जमा होगा। इन मौतों की कोई प्रशासनिक पुष्टि भी नहीं हो रही है।

## राजनीतिक गतिविधि करने पर पंचायत शिक्षक पर गिरी गाज

**किशनगंज ( हिंस )।** प्राथमिक विद्यालय मोजीबुल टोला शाहनारा, कोचाधामन में तैनात पंचायत शिक्षक वसी असगर उर्फ मुन्ना को राजनैतिक गतिविधियों में संलिप्त होने के कारण सचिव, पंचायत शिक्षक नियोजन ईकाई द्वारा तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। इससे पहले शिक्षक वसी असगर की राजनैतिक गतिविधियों में संलिप्तता की जानकारी सोशल मीडिया के माध्यम से प्राप्त हुई। इसके बाद जिला शिक्षा पदाधिकारी के द्वारा इसका संज्ञान लेकर प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी कोचाधामन से इस मामले की जांच कराई गई। प्राप्त जांच प्रतिवेदन के आधार पर जिला शिक्षा पदाधिकारी द्वारा पंचायत शिक्षक वसी असगर के नियोक्ता पंचायत सचिव सह सचिव पंचायत शिक्षक नियोजन ईकाई, ग्राम पंचायत राज भगाल, कोचाधामन को शिक्षक वसी असगर पर कार्यवाही करने का आदेश दिया गया। इसके आलोक में पंचायत सचिव द्वारा प्रखंड विकास पदाधिकारी कोचाधामन को सूचित करते हुए शिक्षक वसी असगर को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर प्रखंड संसाधन केंद्र कोचाधामन में उपस्थिति दर्ज करने हेतु निर्देशित किया गया है।

## मुख्यमंत्री योगी का निर्देश, हर स्तर पर हो गर्मी से बचाव के पुख्ता प्रबंध

**लखनऊ ( हिंस )।** पूरे प्रदेश में गर्मी ने आमजन जीवन अस्त-व्यस्त कर दिया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को गर्मी से बचाव के निर्देश दिए हैं। उन्होंने शुक्रवार को कहा कि विगत कुछ दिनों से प्रदेश में भीषण गर्मी-लू का प्रकोप देखा जा रहा है। तापमान बढ़ रहा है। ऐसी स्थिति में आम जनजीवन और पशुधन, वन्यजीवों की सुरक्षा के लिए हर स्तर पर पुख्ता प्रबंध किए जाएं। राहत आयुक्त कार्यालय के स्तर से मौसम पूर्वानुमान का दैनिक बुलेटिन जारी किया जाए। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि तेज गर्मी, लू का मौसम चल रहा है। ऐसे में गांव हो या शहर, कहीं भी अनावश्यक बिजली कटौती नहीं होनी चाहिए। जरूरत हो तो अतरिक्त बिजली खरीदने की व्यवस्था करें। ट्रांसफार्मर जलने, तार गिरने, ट्रिपिंग जैसी समस्याओं का बिना विलंब निस्तारण किया जाए। अधिकारी फोन अटेंड करें, कहीं भी विवाद की स्थिति न बनने पाए, यदि ऐसा हो तो वरिष्ठ अधिकारी तत्काल स्वयं मौके पर पहुंचें। सभी नगर निकायों, ग्रामीण क्षेत्रों में सार्वजनिक स्थानों पर प्याऊ रखवाए जाएं। बाजार में मुख्य मार्गों पर जगह-जगह पेयजल की व्यवस्था हो। इस कार्य में सामाजिक, धार्मिक संस्थाओं का भी सहयोग लिया जाना चाहिए। सड़कों पर नियमित रूप से पानी का चिड़काव कराया जाए। पानी की कमी से अत्यधिक प्रभावित क्षेत्रों में टैंकरों के माध्यम से आपूर्ति सुनिश्चित कराई जाए। पेयजल का अभाव कहीं भी न हो। स्वच्छता पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है। अयोध्या, काशी, मथुरा आदि सभी धार्मिक स्थलों पर विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए। बड़ा मंगल के दृष्टिगत लखनऊ में साफ-सफाई, ट्रैफिक व अन्य व्यवस्थाओं का सुचारू रूप से होना सुनिश्चित कराएं। भीषण गर्मी के बीच पशुधन और वन्य जीवों की सुरक्षा का भी ध्यान रखा जाना आवश्यक है। सभी प्राणि उद्यानों, अभयारण्यों में हीट-वेव एक्शन प्लान का प्रभावी क्रियान्वयन किया जाए। पशुपालक कृषकों को हीट वेव की स्थिति में सुरक्षित रखने के पुख्ता इंतजाम हों। गोशालाओं में पशुधन की हरे चारे-चोकर और पानी की उचित व्यवस्था हो। बरसात पूर्व पशुओं के वैक्सीनेशन की प्रक्रिया जारी रखें। हीटवेव (लू) के लक्षणों और उससे बचाव के लिए आमजन को जागरूक किया जाए। बीमारी की स्थिति में हर किसी को तत्काल चिकित्सकीय सुविधा मुहैया कराएं। अस्पतालों, मेडिकल कॉलेजों में हीट-वेव से प्रभावित लोगों का तत्काल इलाज किया जाए। शहरों में पेयजल की आपूर्ति निर्धारित रोस्टर के अनुरूप की जाए, सभी हैंडपम्प को क्रियाशील रखा जाए, ग्रामीण पाइप पेयजल योजनाओं का सुचारू संचालन किया जाए। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि सार्वजनिक स्थानों पर प्याऊ का संचालन एक पुनीत कार्य, गोवंश, श्वान आदि के लिए सार्वजनिक स्थानों पर पानी एवं छाया की व्यवस्था की जानी चाहिए। पक्षियों के लिए छोटे बर्तनों में पानी एवं दाना रखने के लिए आम जन को करें जागरूक करें।

## चुनाव के सातवें व अंतिम चरण का चक्रव्यूह भेदने के लिए तैयार सियासी पार्टियां

**वाराणसी ( हिंस )।** धर्म नगरी काशी के लिए शनिवार यानी 1 जून का दिन निर्णायक होने वाला है। इस दिन लोकतंत्र के महापर्व लोकसभा चुनाव 2024 के सातवें पड़ाव के अंतर्गत मतदान होगा। इस मतदान पर न केवल देश बल्कि पूरी दुनिया की निगाहें टिकी हैं। वाराणसी का चुनाव यह तय करेगा कि क्या यहां से केवल एक सांसद चुनकर जाएगा या फिर तीसरी बार देश को काशी नेतृत्व की बागडोर देने जा रहा है। वाराणसी के मतदाता आज अपने उस प्रतिनिधि का चुनाव करेंगे जो उनके शहर के साथ ही देश की भी तस्वीर और तकदीर बदलने में निर्णायक सिद्ध होगा। 77 वाराणसी संसदीय निर्वाचन क्षेत्र के लिए मतदान की निर्वाचन आयोग ने सभी तैयारियों को पुख्ता कर ली हैं। वाराणसी लोक सभा क्षेत्र से कुल 7 प्रत्याशी इस चुनाव प्रक्रिया के जरिए अपनी किस्मत आजमा रहे हैं। इनके भाग्य का फैसला 19,97,577 मतदाता करेंगे, जिसमें 9,13,692 महिला वोटर्स शामिल हैं। आधी आबादी वाराणसी में निर्णायक भूमिका में है जो नारी सम्मान, स्वालम्बन से जुड़े मुद्दों को ध्यान में रखकर वोट करेंगी। वहीं, 18 से 19 वर्ष के 37,226 फर्स्ट टाइम वोटर भी इस चुनाव में अहम भूमिका निभाएंगे। लोकतंत्र के महाकुंभ के अंतिम और सातवें चरण के चुनाव के लिए रविवार को मतों की आहुतियां 660 मतदान केंद्रों के 1909 मतदान स्थलों पर डाली जाएंगी। उल्लेखनीय है कि वाराणसी लोक सभा से 7 प्रत्याशी मैदान में हैं।

## पदस्थापित इंस्पेक्टरों के 31 बॉडीगार्ड को लाइन क्लोज करने के निर्देश

**रांची ( हिंस )।** जिले में पदस्थापित इंस्पेक्टरों के 31 बॉडीगार्ड को लाइन क्लोज करने का निर्देश जारी किया गया है। एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा ने यह आदेश जारी किया है। सभी बॉडीगार्ड को पुलिस लाइन में योगदान देने को कहा गया है। अब नए सिरे से उनका पदस्थापन विभिन्न स्थानों में किया जाएगा। जारी आदेश में स्पष्ट किया गया है कि सभी बॉडीगार्ड 24 घंटे के भीतर पुलिस लाइन में योगदान देना सुनिश्चित करें। आदेश जारी होने के बाद कई थानों में पदस्थापित बॉडीगार्ड ने पुलिस लाइन में अपना योगदान भी दे दिया है। बताया जा रहा है कि रांची के एक्सट्रीम बार में हुई गोलीबारी और डीजे संदीप की हत्या के बाद पता चला कि चुटिया थाना प्रभारी ने बॉडीगार्ड को ही मामले की जांच के लिए भेजा था। वह खुद मौके पर नहीं पहुंचे, जिसकी वजह से इतनी बड़ी वारदात हो गई।

## महान वीरांगना लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर की जयंती मनी, विश्वनाथ धाम में सांस्कृतिक कार्यक्रम

**वाराणसी ( हिंस )।** महान वीरांगना लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर की 229वीं जयंती ज्येष्ठ माह के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि शुक्रवार को उत्साह के साथ मनाई गई। श्री काशी विश्वनाथ धाम में काशी विश्वनाथ मंदिर न्यास के अधिकारियों ने माता अहिल्याबाई होल्कर की प्रतिमा पर पुष्प अर्पण कर सनातन धर्म में अतुल्य योगदान का पुण्य स्मरण किया। मंदिर के अर्चक पं. श्रीकांत मिश्र, न्यास के अधिकारी अपर मुख्य कार्यपालक निखिलेश कुमार मिश्र, एसडीएम शंभू शरण, ओएसडी उमेश प्रताप सिंह तथा अन्य कार्मिकों ने श्रद्धालुओं की उपस्थिति में माता की प्रतिमा पर पुष्प चढ़ाए। धाम में शाम को सांस्कृतिक कार्यक्रम भी होगा। इस दौरान अफसरों ने कहा कि सनातन लोक चेतना को स्फूर्त एवं जीवंत रखने में माता अहिल्याबाई होलकर का अप्रतिम योगदान है। श्री काशी विश्वनाथ मंदिर के भी अनेकानेक बार खंडन एवं पुनरोद्धार के संकटपूर्ण इतिहास में वर्तमान स्वरूप में माता अहिल्याबाई होलकर का योगदान अविस्मरणीय है। जयंती पर ही पाल बघेल धनगर समाज के कार्यकर्ताओं ने अलसुबह अहिल्याबाई घाट पर अहिलेश्वर महादेव का जलाभिषेक किया। इसके बाद राजेंद्र प्रसाद घाट से जलाभिषेक यात्रा निकाली। यात्रा घाट से दशाश्वमेध होते हुए गोदौलिया, बांसफाटक होते हुए काशी विश्वनाथ धाम में पहुंची।

# इस साल झारखंड के लोग तरसेंगे बीजू आम को, उत्पादन हुआ कम

**खूंटी ( हिंस )।** खूंटी, गुमला, लोहरदगा, सिमडेगा आदि जिले बीजू आम के उत्पादन के लिए जाने जाते हैं, लेकिन मौसम की मार से इस वर्ष बीजू आम का उत्पादन नहीं के बराबर है। भले ही पूरे झारखंड में अब मालदा, आम्रपाली, गुलाबखस, लंगड़ा सहित आम की लगभग तमाम किस्मों के आम का उपादन होता हो, पर 10-12 साल पहले इस क्षेत्र के लोग आम के नाम पर सिर्फ बीजू आम को ही जानते थे। पूरे आम बाजार में बीजू आम का शेयर 70 फीसदी से अधिक हुआ करता था। पूरे क्षेत्रीय बाजार में आम का दबदबा हुआ करता था। यहां के बीजू आम का स्वाद बिहार, बंगाल, ओडिशा से लेकर नेपाल तक के लोग लेते थे। मालदा, लंगड़ा जैसे आम सिर्फ बड़े शहरों में मिलते थे। झारखंड खासकर गुमला, खूंटी, सिमडेगा, लोहरदगा, पलामू सहित कई अन्य क्षेत्रों के ग्रामीणों के लिए बीजू आम आय का अतिरिक्त साधन भी है। आमतौर पर गांव के बीजू आम के बगीचों में पूरे गांव वालों का अधिकार होता है। इसलिए पेड़ों पर फले आम का लाभ पूरे गांव के लोग उठाते हैं। अभी आम पकने लगे हैं और गांववाले बगीचों से आम चुनकर

बाजार में बेचकर अच्छी आमदनी प्राप्त करते है, लेकिन पर्यावरण असंतुलन, आम पेड़ों की अंधाधुंध कटाई के कारण बीजू आम का उत्पादन घटता जा रहा है। इस वर्ष झारखंड खासकर खूंटी, गुमला, सिमडेगा आदि क्षेत्रों में बीजू आम का उत्पादन नहीं के बराबर है। समय पर बारिश नहीं होने और अत्याधिक गर्मी के कारण बीजू आम के मंजर सूख गये थे। यही कारण है कि इस बार लोगों को आचार बनाने के लिए आम नहीं मिल रहा है। पके बीजू आम की उपलब्धता भी काफी कम है। झारखंड में बीजू आम के उत्पादन में कमी के संबंध में आत्मा के उप परियोजना निदेशक अमरेश कुमार कहते हैं कि जलवायु परिवर्तन के कारण मौसम में काफी फेरबदल हुआ है। इसके कारण अब बसंत ऋतु में सभी आम पेड़ों पर मंजर नहीं आ पाते। इसके अलावा अनावृष्टि, ओलावृष्टि और तेज हवा के कारण आम के मंजर और टिकोरे बर्बाद हो जाते हैं। इसके अलावा समय पर बारिश नहीं होने से मधुवा सहित कई तरह के रोगों का प्रकोप आम के मंजर बढ़ जाता है। अमरेश कुमार ने कहा कि एक बड़े बीजू आम के पेड़ पर आठ से दस क्विंटल फल का उत्पादन होता है, लेकिन पर्यावरण प्रदूषण के कारण अब उत्पादन घटकर लगभग तीन से चार क्विंटल हो गया है। उन्होंने कहा कि यदि आम की प्रोसेसिंग की जाए, तो इससे ग्रामीणों को लाभ हो सकता है। उन्होंने कहा कि बीजू आम से अचार, अमचूर, अमावट सहित कई तरह के उत्पाद बनाये जा सकते हैं। इससे ग्रामीणों को आर्थिक लाभ तो होगा ही, आम बर्बाद भी नहीं होंगे। उन्होंने कहा कि कई महिला स्वयं सहायता समूह इस दिशा में सकारात्मक पहल भी कर रहे हैं।

## पानी की डिग्गी में डूबने से मां और दो बेटियों की मौत

**जोधपुर ( हिंस )।** जिले के पीपाड़ शहर स्थित बाड़ाखुर्द गांव में शुक्रवार दोपहर में पानी की डिग्गी में मां और बेटियों के शव मिलने से सनसनी फैल गई। सूचना पर पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और शवों को पीपाड़ सीएचसी में रखवाया गया। मौत का आरंभिक तौर पर कारण पानी में डूबने से होना पता लगा है। संभवत: बेटी को बचाने के लिए मां पानी में कूदी है। फिलहाल इस बारे में पुलिस की तरफ अग्रिम कार्रवाई की जा रही है। पुलिस ने बताया कि पीपाड़शहर के बाड़ाखुर्द गांव की रहने वाली 40 साल की संतोष देवी पत्नी गोविंदसिंह राजपुरोहित, उसकी दो बेटियां 15 वर्षीय हनी एवं 17 साल की दिव्या की पानी की डिग्गी में डूबने से मौत की सूचना मिली थी। इस पर पुलिस अधिकारी वहां पहुंचे। पुलिस मामले में गहनता से तफ्तीश में जुटी है।

## विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर कार्यक्रम आयोजित

**भागलपुर ( हिंस )।** विश्व तम्बाकू निषेध को लेकर शुक्रवार को तिलकामांझी भागलपुर विश्वविद्यालय में आयोजित कार्यक्रम का उद्घाटन कुलपति जवाहर लाल ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। इस मौके पर राष्ट्रीय सेवा योजना के तमाम कर्मी और अनेकों छात्र छात्राएं उपस्थित रहे। वहीं कुलपति ने निर्देश दिया कि विश्वविद्यालय के 100 मीटर के दायरे में न ही कोई तंबाकू का सेवन करेंगे और न ही तंबाकू की बिक्री होगी। एक सप्ताह तक एन एस एस के वोलेंटियर तंबाकू बिक्री करने वाले दुकानदार को समझाएंगे रिझाएंगे। अगर एक सप्ताह के बाद भी तंबाकू का सेवन व बिक्री विश्वविद्यालय के 100 मीटर के दायरे में होती है तो मैं जिला प्रशासन को लिखित शिकायत कर उन्हें सजा और जुर्माना लगवाने का कार्य करूंगा।

## अररिया में सड़कों पे मक्का सुखाने वाले लोगों पर होगी सख्त कार्रवाई

**फारबिसगंज/अररिया ( हिंस )।** अररिया में सड़कों पे मक्का सुखाने वाले लोगों पर होगी सख्त कार्रवाई। अररिया जिला पदाधिकारी इनायत खान एवं अररिया पुलिस अधीक्षक अमित रंजन द्वारा संयुक्त आदेश जारी कर नेशनल हाईवे, मुख्य सड़क एवं ग्रामीण सड़कों के आधे भाग को घेरकर मक्का अनाज सुखाने की प्राय: ऐसी मिलने वाली सूचना पर सभी थानाध्यक्ष को अपने-अपने क्षेत्रान्तर्गत संबंधित व्यक्तियों/किसानों के विरूद्ध नियमसंगत कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है। जिला से संयुक्त आदेश में कहा गया है कि प्राय: ऐसी सूचना मिल रही है कि ग्रामीणों द्वारा नेशनल हाईवे, मुख्य सड़क एवं ग्रामीण सड़कों के आधे भाग को घेरकर मक्का अनाज सुखाते है तथा उस भाग को बांस-बल्ला, ईंट-पत्थर आदि से घेरा बना दिया जाता है, जिससे आये दिन वाहन दुर्घटना के साथ-साथ जान-माल की क्षति होती है। उपर्युक्त परिप्रेक्ष्य में सभी थानाध्यक्ष अपने-अपने क्षेत्रांतर्गत यह सुनिश्चित करेंगे कि ग्रामीणों द्वारा मुख्य सड़कों/ग्रामीण सड़कों पर मक्का अनाज नहीं सुखायें। ऐसे व्यक्तियों/किसानों को चेतावनी देंगे। इसके बावजूद वे सड़क पर मक्का अनाज सुखाते हैं तथा बांस-बल्ला, ईंट-पत्थर डालकर अतिक्रमण करते हैं तो उनके विरूद्ध नियमसंगत कानूनी कार्रवाई करेंगे। जिला जनसंपर्क पदाधिकारी अररिया, सभी अंचल अधिकारी एवं सभी नगर कार्यपालक पदाधिकारी को सड़कों पर मक्का अनाज नहीं सुखाने के संबंध में व्यापक प्रचार-प्रसार कराने तथा अनुमंडल पदाधिकारी एवं अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, अररिया फारबिसगंज को उक्त से संबंधित आदेश का अनुपालन सुनिश्चित कराने हेतु पर्यवेक्षण करेंगे, ताकि वाहन दुर्घटना को रोका जा सके।

# उत्सव के रूप में मनाई जाएगी महाराणा प्रताप जयंती

**उदयपुर ( हिंस )।** प्रताप गौरव केंद्र *राष्ट्रीय तीर्थ* में महाराणा प्रताप जयंती के चार दिवसीय आयोजनों से शहर के स्कूलों ने भी जुड़ने का निर्णय किया है। सभी स्कूलों ने महाराणा प्रताप जयंती को उत्सव के रूप में मनाने और ज्यादा से ज्यादा बच्चों को इससे जोड़ा जाएगा ताकि महाराणा प्रताप का मातृभूमि के प्रति समर्पण और शौर्यपूर्ण इतिहास नई पीढ़ी तक पहुंचे और बच्चे उसे आत्मसात कर सकें। प्रताप गौरव केंद्र के निदेशक अनुराग सक्सेना ने बताया कि वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप की 485वीं जयंती समारोह को भव्य रूप देने तथा प्रताप गौरव केंद्र के साथ सहभागी बनने के लिए निजी स्कूलों के संस्थापकों व प्राचार्यों के साथ शुक्रवार को बैठक हुई। वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप समिति के पदाधिकारियों और पूर्व शिक्षा अधिकारी विजय सारस्वत के मार्गदर्शन में हुई बैठक में निजी स्कूलों ने कार्यक्रम में सक्रिय सहभागिता की बात कही। साथ ही, कार्यक्रम के लिए अपने सुझाव भी दिए। बैठक में एमएमपीएस से लवेश कुमावत, आलोक स्कूल से नारायण, रॉकवुडस से एम एस राठौड़ , सीपीएस से पूनम सिंह राठौड़ , सेन्ट्रल एकेडमी से भावना भटनागर, रेयान इंटरनेशनल से भूपेन्द्र सिंह,

सेंट एंथोनी से विलियम डिसूजा, विद्या भवन पब्लिक स्कूल से नरेश, डीपीएस से राजेश धाबाई, सीडलिंग से वसीम शेख, द विजन एकेडमी से नेहा गहलोत, द किड्स से दिव्या सारस्वत, वीकेवी से चिराग वैष्णव, नीरजा मोदी स्कूल से आशीष विजयवर्गीय, सेंट मैथ्यूस से नितिन सहित प्रताप गौरव केंद्र के अशोक पुरोहित, विवेक भटनागर आदि उपस्थित रहे। उल्लेखनीय है कि प्रताप गौरव केंद्र में 6 से 9 जून तक महाराणा प्रताप जयंती समारोह होगा जिसमें 6 जून से पांच विभिन्न विषयों पर कार्यशालाएं शुरू होंगी। 8 जून को शाम साढ़े पांच बजे जयंती समारोह का उद्घाटन कार्यक्रम होगा। इसमें राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सह सरकार्यवाह डॉ. कृष्ण गोपाल मुख्य वक्ता होंगे। कार्यक्रम में मुख्य आतिथ्य के लिए राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को आग्रह पत्र भेजा गया है। रात्रि 8.30 बजे कथा-कथन *अमरतां री वातां* कार्यक्रम होगा जिसमें जाने-माने रंगकर्मी विलास जानवे, मनीष शर्मा प्रस्तुति देंगे। इसी तरह, 9 जून को जयंती पर आयोजनों का आरंभ महाराणा प्रताप की विशाल बैठक प्रतिमा के दुग्धाभिषेक से होगा। दस बजे से शाम तक विभिन्न कार्यशालाओं की विशेष मास्टर कक्षाएं चलेंगी। शाम साढ़े पांच बजे विशाल सभा होगी जिसमें उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी मुख्य अतिथि होंगी। कार्यक्रम में ओजस्वी संत, समाजसेवी, उद्योगपति भी अतिथि होंगे। इसी दिन, रात्रि 8 बजे वीर रस कवि सम्मेलन *जो दृढ़ राखे धर्म को* का आयोजन होगा जिसमें काव्य जगत के हस्ताक्षर हरिओम सिंह पंवार, राम भदावर, अशोक चारण, सुदीप भोला, ब्रजरात, मनु वैशाली, शिवांगी सिकरवार, राव अजातशत्रु, किशोर पारीक आदि अपनी ओजस्वी रचनाएं प्रस्तुत करेंगे। 6 जून से होने वाली विभिन्न निःशुल्क कार्यशालाओं सहित स्वयंसेवक के रूप जुड़ने के लिए अधिकृत वेबसाइट प्रतापगौरवकेंद्र डॉटओआरजी पर ऑनलाइन पंजीयन जारी है। नियमित रूप से बड़ी संख्या में आवेदन प्राप्त हो रहे हैं। उल्लेखनीय है कि इन कार्यशालाओं में संस्कार भारती के सहयोग से राष्ट्रीय कला कार्यशाला, राजस्थान विद्यापीठ के सहयोग से राष्ट्रीय पुरालेख एवं भाषा विज्ञान कार्यशाला सहित लघु फिल्म निर्माण कार्यशाला, कथा कथन कार्यशाला तथा जीवन कौशल एंव व्यक्तित्व विकास कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। प्रताप गौरव केंद्र में महाराणा प्रताप जयंती की तैयारियों के तहत शनिवार शाम 6 बजे उदयपुर के विभिन्न स्वयंसेवी संगठनों, एसोसिएशन, समितियों के प्रतिनिधियों की बैठक होगी। इसमें जयंती कार्यक्रमों की रूपरेखा और सहभागिता पर चर्चा की जाएगी।

# अदाणी ग्रुप फिर से कारोबार विस्तार के ट्रैक पर लौटा : जेफरीज

**नई दिल्ली ।**
वित्त वर्ष 2024 में अडानी ग्रुप के ईबीआईटीडीए में सालाना आधार पर 40 प्रतिशत का उछाल देखने को मिला। साथ ही प्रवर्तकों ने कंपनियों में हिस्सेदारी बढ़ाई है। ग्रुप की ओर से इक्विटी, डेट और रणनीतिक निवेशकों से फंड जुटाया गया है। अमेरिकी इन्वेस्टमेंट बैंक जेफरीज की रिपोर्ट में ये जानकारी दी गई है।

रिपोर्ट में कहा गया कि 2023 की शुरुआत में शॉर्ट सेलर फर्म हिंडनबर्ग की रिपोर्ट के कारण ग्रुप के बाजार पूंजीकरण में हुई बड़ी गिरावट के बाद भी पिछले वित्त वर्ष में ग्रुप का ईबीआईटीडीए 40 प्रतिशत बढ़कर 66,000 करोड़ रुपये पर पहुंच गया।

जेफरीज के मुताबिक, अदाणी ग्रुप एक बार फिर से तेजी से विस्तार के रास्ते पर आ गया है। अगले दशक में ग्रुप की योजना 90 अरब डॉलर से ज्यादा का पूंजीगत व्यय करने की है।

रिपोर्ट में बताया गया कि ग्रुप का ईबीआईटीडीए सालाना 27 प्रतिशत के सीएजीआर से बढ़ रहा है। वहीं, ग्रुप की कंपनियों का ईबीआईटीडीए 16 से 33 प्रतिशत की दर से बढ़ा है।

अदाणी एंटरप्राइजेज लिमिटेड (एईएल) के ईबीआईटीडीए की वृद्धि दर 29 प्रतिशत है। अडानी न्यू इंडस्ट्रीज, सोलर और एयरपोर्ट बिजनेस इसी कंपनी के तहत आता है।

अंबुजा सीमेंट के ईबीआईटीडीए में भी तेजी दर्ज की गई है। वॉल्यूम में वृद्धि के कारण अदाणी पोर्ट का ईबीआईटीडीए 24 प्रतिशत की दर से बढ़ा है।

2.8 गीगावाट की क्षमता के जुड़ने और उच्च क्षमता उपयोग के कारण अदाणी ग्रीन का ईबीआईटीडीए 33 प्रतिशत की दर से बढ़ा है।

इंडिया रेटिंग्स और रिसर्च (आईएनडी-आरए) की ओर से अदाणी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड (एजीईएल) की लंबी-अवधि की रेटिंग को अपग्रेड कर आईएनडी ए+ से आईएनडी एए- कर दिया गया। साथ ही कहा था कि कंपनी का आउटलुक स्थिर बना हुआ है।

नई लाइन के जुड़ने के कारण अदाणी एनर्जी सॉल्यूशंस का ईबीआईटीडीए 16 प्रतिशत और लागत कम होने और 15 प्रतिशत वॉल्यूम बढ़ने के कारण अदाणी टोटल गैस का ईबीआईटीडीए 27 प्रतिशत की दर से बढ़ा है।

अदाणी विल्मर के ईबीआईटीए में सालाना आधार पर गिरावट हुई है। इसकी वजह तेल की कीमत में कमी आना है।

रिपोर्ट में जेफरीज के एनालिस्ट ने कहा, अदाणी एंटरप्राइजेज अपनी क्षमता को बढ़ा रही है और वित्त वर्ष 2027 तक ग्रीन हाइड्रोजन उत्पादन शुरू कर सकता है। वहीं, नवी मुंबई एयरपोर्ट भी वित्त वर्ष 2025 की चौथी तिमाही से शुरू हो सकता है। इसके अलावा डेटा सेंटर्स प्रोजेक्ट्स भी तेजी पकड़ रहे हैं।

अदाणी ग्रीन की ओर से 2030 क्षमता विस्तार के लक्ष्य को 45 गीगावाट से बढ़ाकर 50 गीगावाट कर दिया गया है।

## न्यूज ब्रीफ

### दिल्ली-सैन फ्रांसिस्को एयर इंडिया विमान 24 घंटे लेट; बिना एसी यात्रियों को बिठाया, लोग होने लगे बेहोश

**नई दिल्ली ।** सैन फ्रांसिस्को जा रहे एयर इंडिया के एक विमान के यात्रियों को दिल्ली हवाई अड्डे पर मुश्किल का सामना करना पड़ा क्योंकि विमान तकनीकी खराबी के कारण उड़ान नहीं भर सका। एयरलाइन के एक अधिकारी ने बताया कि एआई 183 विमान का संचालन बोइंग 777 विमान से किया जाना था और जो करीब साढ़े तीन बजे उड़ान भरने वाली थी, अब उसके समय में बदलाव किया गया है और अब यह उड़ान भरेगी। विमान के कुछ यात्रियों ने सोशल मीडिया पर देरी की शिकायत की और उनमें से एक ने कहा कि विमान में कोई एयर कंडीशनिंग नहीं थी। उन्होंने कहा, अगर निजीकरण की कोई कहानी विफल हुई है तो वह है एयर इंडिया। श्वेता पुंज नामक एक पत्रकार ने डीजीसीए और केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया को टैक कर लिखा, एआई 183 की उड़ान में 8 घंटे से अधिक की देरी हुई, यात्रियों को बिना एयर कंडीशनिंग के विमान में चढ़ाया गया, और फिर उड़ान में कुछ लोगों के बेहोश होने के बाद विमान से उतार दिया गया। यह अमानवीय है! उन्होंने दिल्ली हवाई अड्डे पर फर्श पर बैठे यात्रियों की एक तस्वीर भी साझा की। एयरलाइन के अधिकारी ने कहा कि विमान में तकनीकी खराबी आ गई थी और इसकी इंजीनियरिंग जांच की गई।

### 500 रुपये के 5.16 लाख नोट चलन में, हिस्सेदारी मार्च 2024 तक बढ़कर 86.5 फीसदी पहुंची

**नई दिल्ली।** चलन में मौजूद कुल मुद्रा में 500 रुपये मूल्य के नोटों की हिस्सेदारी मार्च, 2024 तक बढ़कर 86.5 फीसदी पहुंच गई।एक साल पहले की समान अवधि में यह 77.1 फीसदी थी। इस दौरान 2,000 रुपये के नोटों की हिस्सेदारी 10.8 फीसदी से घटकर सिर्फ 0.2 फीसदी रह गई। आरबीआई ने बृहस्पतिवार को जारी रिपोर्ट में कहा, पिछले साल मई में 2,000 रुपये के नोटों को वापस लेने की घोषणा के कारण500 के नोटों का चलन बढ़ा है।वहीं, 2,000 रुपये के नोटों के चलन में गिरावट आई है।रिपोर्ट में साझा किए गए आंकड़ों के मुताबिक, 31 मार्च, 2024 तक मात्रा के हिसाब से 500 रुपये के सबसे ज्यादा 5.16 लाख नोट चलन मौजूद थे।इस अवधि तक 10 रुपये के नोट 2.49 लाख संख्या के साथ दूसरे स्थान पर रहे। बैंक नोटों के मूल्य में 3.9 फीसदी बढ़ोतरी 2023-24 में चलन में मौजूद नोटों के मूल्य और मात्रा में क्रमशः 3.9 फीसदी व 7.8 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की गई।पिछले वित्त वर्ष में वृद्धि क्रमशः 7.8 फीसदी व 4.4 फीसदी थी। मूल्य के लिहाज से चलन में मौजूद बैंक नोटों की संख्या में वृद्धि हाल के वर्षों में सबसे कम है। 2,000 के 26,000 से अधिक नकली नोट पकड़े गए।एक साल पहले 9,806 नकली नोट चिह्नित किए गए थे।

### यूनियन बैंक के 6 अफसरों पर केस दर्ज 94 करोड़ की हेराफेरी का मामला

**बेंगलुरु ।** कर्नाटक महर्षि वाल्मिकी अनुसूचित जनजाति विकास निगम लि. के लगभग 94.73 करोड़ रुपये को धोखाधड़ी से दूसरे बैंकों में ट्रांसफर करने के मामले में छह अधिकारियों पर मामला दर्ज किया गया है।इतनी बड़ी रकम दूसरे बैंक खातों में स्थानांतरित करने के मामले में यूनियन बैंक ऑफ इंडिया के छह अधिकारियों के खिलाफ कर्नाटक में केस दर्ज किया गया है। सुसाइड नोट में अधिकारियों के नाम लिखे कार्रवाई निगम के एक अधिकारी की आत्महत्या के बाद हुई। अधिकारी ने सुसाइड नोट में प्रबंध निदेशक जेजी पद्मनाभ, लेखा अधिकारी परशुराम जी दुरुगन्नावे और यूनियन बैंक ऑफ इंडिया के मुख्य प्रबंधक सुचिस्मिता रावल का नाम लिखा था। एक अधिकारी की आत्महत्या के बाद हुई कार्रवाई दरअसल, 28 मई को दायर शिकायत में निगम के महाप्रबंधक ए राजशेखर ने यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, एमजी रोड शाखा के प्रबंधन और अन्य पक्षों पर गंभीर धोखाधड़ी गतिविधियों का आरोप लगाया था। उन्होंने कहा कि 19 फरवरी को निगम ने अपना खाता वसंतनगर शाखा से राष्ट्रीय बैंक की एमजी रोड शाखा में ट्रांसफर कर दिया। विभिन्न बैंकों और राज्य हुजूर ट्रेजरी खजाने-दो से कुल 187.33 करोड़ यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, एमजी रोड शाखा के बचत बैंक खाते में ट्रांसफर किए गए थे।

# 2014 से 2023 के बीच 10 लाख करोड़ रुपये से अधिक के संकटग्रस्त ऋण वसूले गए, वित्त मंत्री ने किया दावा

**नई दिल्ली ।**
**वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने दावा कि कि मोदी सरकार ने विभिन्न सुधारों और बेहतर शासन के जरिए बैंकिंग क्षेत्र को बदल दिया है। सरकार की पहल के कारण बैंकों ने 2014 और 2023 के बीच 10 लाख करोड़ रुपये से अधिक के संकटग्रस्त ऋण की वसूली की है। वित्त मंत्री ने कहा कि प्रवर्तन निदेशालय ने बैंक धोखाधड़ी के करीब 1,105 मामलों की जांच की है, जिसके परिणामस्वरूप 64,920 करोड़ रुपये की संपत्ति की कुर्की की गई। दिसंबर 2023 तक, सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों को 15,183 करोड़ रुपये की संपत्ति वापस कर दी गई। रिपोर्ट में कहा गया है, हाल ही में भारत के बैंकिंग क्षेत्र ने तीन लाख करोड़ रुपये के आंकड़े को पार कर अपना अब तक का सर्वाधिक शुद्ध लाभ दर्ज कर एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मजबूत और निर्णायक नेतृत्व के कारण बैंकिंग क्षेत्र में कायापलट हुआ। हमारी सरकार ने बैंकिंग क्षेत्र में संप्रग सरकार के पापों के लिए व्यापक और दीर्घकालिक सुधारों के माध्यम से प्रायश्चित किया।**

उन्होंने कहा कि मोदी सरकार के तहत फंसे कर्ज की वसूली में कोई नरमी नहीं बरती जा रही, खासकर बड़े डिफॉल्टरों के मामले में और यह प्रक्रिया जारी है। यह 2014 से पहले की स्थिति के विपरीत है, जब कांग्रेस नेतृत्व वाली यूपीए सरकार ने बैंकिंग क्षेत्र को खराब ऋणों, निहित स्वार्थों, भ्रष्टाचार और कुप्रबंधन के भंवर में पहुंचा दिया था। उन्होंने कहा, यह अफ़सोस की बात है कि विपक्षी नेता अब भी राइट-ऑफ और छूट के बीच अंतर करने में असमर्थ हैं।

अरबीआई के दिशानिर्देशों के अनुसार राइट-ऑफ के बाद, बैंक सक्रिय रूप से खराब ऋणों की वसूली का प्रयास करते हैं और, किसी भी उद्योगपति का ऋण माफ नहीं किया गया है। 2014 और 2023 के बीच, बैंकों ने संकटग्रस्त ऋणों से 10 लाख करोड़ रुपये से अधिक की वसूली की।

कांग्रेस नीत संप्रग सरकार के कार्यकाल पर इस क्षेत्र के कुप्रबंधन की आलोचना करते हुए सीतारमण ने कहा कि एनपीए संकट के बीज कांग्रेस के नेतृत्व वाले संप्रग युग में फोन बैंकिंग के जरिए बोए गए थे जब संप्रग नेताओं और पार्टी पदाधिकारियों के दबाव में अयोग्य कारोबारियों को ऋण दिए गए।

उन्होंने कहा, संप्रग के कार्यकाल में बैंकों से कर्ज लेना अक्सर मजबूत कारोबारी प्रस्ताव के बजाय शक्तिशाली संपर्कों पर निर्भर करता था। बैंकों को इन ऋणों को मंजूरी देने से पहले उचित परिश्रम और जोखिम मूल्यांकन की उपेक्षा करने के लिए मजबूर किया गया था।

सीतारमण ने कहा कि मोदी सरकार ने 2014 में सत्ता में आने के बाद एनपीए की पारदर्शी रूप से पहचान, समाधान और वसूली, पीएसबी के पुनर्पूंजीकरण और सुधारों की व्यापक 4आर रणनीति लागू की। उन्होंने कहा, हमारे सुधारों में क्रेडिट अनुशासन, दबाव को पहचानना और समाधान करना, जिम्मेदार ऋण देना और बेहतर प्रशासन शामिल है। हमने बैंकों पर राजनीतिक हस्तक्षेप की समस्या को पेशेवर ईमानदारी और स्वतंत्रता से बदल दिया।

सीतारमण ने कहा कि मोदी सरकार बैंकिंग प्रणाली को मजबूत और स्थिर करने के लिए निर्णायक उपाय करना जारी रखेगी, सरकार सुनिश्चित करेगी कि बैंक 2047 तक भारत को विकसित देश बनाने की यात्रा में मदद करें।

उन्होंने कहा, वंशवादी दलों के प्रभुत्व वाले संप्रग गठबंधन ने बैंकों का इस्तेमाल अपने परिवार कल्याण के लिए किया। इसके विपरीत, हमारी सरकार ने जन कल्याण के लिए बैंकों का लाभ उठाया। उन्होंने कहा कि बैंकों के राष्ट्रीयकरण के बाद कांग्रेस के सीमित कार्यों के कारण भारत में बैंकिंग के विस्तार के प्रयास दशकों तक लड़खड़ा गए, जिससे मुख्य रूप से शिक्षित और अभिजात वर्ग लाभान्वित हुआ। उन्होंने कहा कि 2014 से पहले बैंकिंग की पहुंच काफी हद तक शहरों तक ही सीमित थी। सीतारमण ने कहा, हम वित्तीय समावेशन को आगे बढ़ाने और वंचितों को सशक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

# परिवारों की शुद्ध वित्तीय बचत चार वर्षों में 2.4 प्रतिशत घटकर 5.2 फीसदी पहुंची, बैंकों पर 86 करोड़ जुर्माना

**नई दिल्ली ।**
देश के परिवारों की शुद्ध वित्तीय बचत पिछले चार वर्षों में 2.4 फीसदी घट गई है। हालांकि, उनकी भौतिक संपत्तियों में तेजी आई है। आरबीआई की सालाना रिपोर्ट के अनुसार, वित्त वर्ष 2019-20 में परिवारों की सकल वित्तीय बचत ग्रॉस नेशनल डिस्पोजेबल इनकम (जीएनडीआई) की तुलना में 11.4 फीसदी थी जो 2023-24 में घटकर 10.9 फीसदी रह गई। इसी दौरान शुद्ध वित्तीय बचत भी 7.6 फीसदी से घटकर 5.2 फीसदी पर आ गई।

रिपोर्ट के अनुसार, सकल वित्तीय बचत 2020-21 में 15.2 फीसदी रही जबकि 2021-22 में यह घटकर 10.9 फीसदी रह गई थी। शुद्ध वित्तीय बचत भी इसी दौरान 11.6 फीसदी से घटकर 7.2 फीसदी पर रह गई। भौतिक संपत्तियों में बचत 2019-20 में जीएनडीआई का 11 फीसदी रही जो 2020-21 में घटकर 10.6 फीसदी रह गई। 2021-22 में यह बढ़कर 12.4 फीसदी और पिछले वित्त वर्ष में 12.7 फीसदी पर पहुंच गई।

### बैंकों पर 281 मामलों में 86 करोड़ जुर्माना

आरबीआई ने तमाम नियमों के उल्लंघन के मामले में 2023-24 में बैंकों पर 281 बार कार्रवाई की है। इसके एवज में 86.11 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया है। 16 बार सरकारी बैंकों पर हुई। इन पर जुर्माना 23.68 करोड़ रुपये लगा। निजी बैंकों पर 12 बार कार्रवाई हुई, लेकिन जुर्माने की रकम 24.90 करोड़ रुपये रही। सहकारी बैंकों पर 215 बार कार्रवाई की गई और 12 करोड़ का दंड लगाया गया। एनबीएफसी पर 22 कार्रवाई में 11.53 करोड़ रुपये का जुर्माना लगा।

### किसान क्रेडिट कार्ड का बकाया 10.9 प्रतिशत बढ़ा

सक्रिय किसान क्रेडिट कार्ड की कुल संख्या 2022-23 में 2.83 करोड़ थी, जो 2023-24 में बढ़कर 2.98 करोड़ पर पहुंच गई। इसी दौरान इस पर बकाया रकम 5.19 लाख करोड़ से 10.9 फीसदी बढ़कर 5.75 लाख करोड़ रुपये हो गई।

# जियो फायनेंसियल ने जियोफायनेंस नाम से अपना मोबाइल एप्लीकेशन शुरू किया

**नई दिल्ली ।**
गैर-बैंकिंग वित्तीय इकाई (एनबीएफसी) जियो फाइनैंशियल सर्विसेस ने जियोफाइनेंस नाम से अपना मोबाइल एप्लिकेशन शुरू किया है। इस ऐप की मदद से कंपनी ग्राहकों को विभिन्न वित्तीय सेवाएं देगी और भविष्य में म्युचुअल फंडों एवं अन्य वित्तीय साधन गिरवी लेकर ऋण की भी पेशकश करेगी। यह ऐप डिजिटल बैंकिंग, यूपीआई के माध्यम से लेनदेन, बिल निपटान, बीमा सलाह आदि खंडों में सेवाएं उपलब्ध कराएगा। इस ऐप में ग्राहक अपने खाते एवं बचत से जुड़ी जानकारियां भी देख पाएंगे। कंपनी आने वाले समय मे ऋण सुविधा भी देगी और इसकी शुरुआत म्युचुअल फंड के बदले ऋण देने के साथ करेगी। इस ऐप में डिजिटल खाते तत्काल खोले जा सकेंगे। यह ऐप बीटा संस्करण में शुरू किया जा रहा है। कंपनी इसके उपयोगकर्ताओं से उनकी प्रतिक्रिया लेकर ऐप को और बेहतर बनाने में करेगी। इस बारे में कंपनी के प्रवक्ता ने कहा कि हमारा मूल लक्ष्य वित्त से जुड़ी हरेक चीजों को सरल बनाना है और यह काम एक ही ऐप के माध्यम से होगा। इस ऐप की मदद से ऋण आवंटन, निवेश, बीमा, भुगतान एवं लेनदेन की सुविधाएं दी जाएंगी। कुल मिलाकर हम वित्तीय सेवाएं अधिक पारदर्शी और कम खर्च पर उपलब्ध कराएंगे। इस समय आदित्य बिड़ला कैपिटल अपने ऐप्लिकेशन आदित्य बिड़ला कैपिटल डिजिटल पर कई किस्म की वित्तीय सेवाएं ग्राहकों को दे रही है। यह ऐप अप्रैल 2024 में शुरू हुआ है। बजाज फिनसर्व ने भी बजाज फिनसर्व ऐप के नाम से ऐप शुरू किया है जो उधारी एवं निवेश से जुड़ी सेवाओं की पेशकश करता है।

# रिजर्व बैंक ने ब्रिटेन में रखा अपना एक लाख किलो सोना भारत वापस मंगाया, 1991 के बाद पहली किया गया यह काम

**नई दिल्ली ।**
भारत के केंद्रीय बैंक ने ब्रिटेन से 100 मीट्रिक टन (1 लाख किलोग्राम) से थोड़ा अधिक सोना अपने घरेलू वॉल्ट में स्थानांतरित कर दिया है। एक समाचारपत्र ने सूत्रों के हवाले से यह खबर दी है। रिपोर्ट्स के अनुसार 1991 के आर्थिक संकट के बाद पहली बार इतने सोने को ब्रिटेन से भारत मंगाया गया है। भारत को 1991 में आर्थिक संकट के दौरान अपना सोना विदेशों में गिरवी रखना पड़ा था। मीडिया रिपोर्ट में कहा गया है कि आने वाले महीनों में देश में इतनी ही मात्रा में और कीमती धातु आ सकती है, यह कदम लॉजिस्टिक कारणों और विविध भंडारण के लिए उठाया गया है। भारतीय रिजर्व बैंक के पास मार्च के अंत तक 822.10 टन सोना था, जिसमें से 408.31 टन सोने को घरेलू स्तर पर यानी देश में रखा गया है। बाकी सोना विदेशों में रखे गए हैं। आरबीआई ने पिछले वित्तीय वर्ष में अपने सोने के भंडार में 27.5 टन की बढ़ोतरी की है। हाल के दिनों में वैश्विक स्तर पर केंद्रीय बैंक अपने सोने के भंडार में वृद्धि कर रहे हैं, यह कदम अक्सर मुद्रा अस्थिरता और भू-राजनीतिक जोखिमों खिलाफ बचाव के रूप में रणनीतिक तौर पर उठाया जाता है। रिपोर्ट के अनुसार आरबीआई ने सोना भारत में स्थानांतरित करने का फैसला इसलिए लिया है क्यों क्योंकि देश के बाहर रखे गए भारत के सोने का स्टॉक लगातार बढ़ रहा था। फिलहाल इस मामले में भारतीय रिजर्व बैंक ने आधिकारिक तौर पर कोई टिप्पणी नहीं कही है। आरबीआई को साल 1991 में उस समय कड़ी आलोचना का सामना करना पड़ा जब उसे अपने सोने के भंडार का एक हिस्सा गिरवी रखने के लिए मजबूर होना पड़ा क्योंकि देश विदेशी मुद्रा संकट से गुजर रहा था। 1991 के बाद यह पहली बार है जब भारत ने इतने भारी पैमाने पर देश में सोना स्थानांतरित किया है। सूत्रों ने बताया कि है आरबीआई ने यह कदम लॉजिस्टिक कारणों के साथ-साथ स्टोरेज की विविधता के लिए उठाया है। घरेलू स्तर पर सोने को आरबीआई के मुंबई मिंट रोड और नागपुर स्थित पुराने कार्यालय भवन में स्थित तहखानों में रखा जाता है।

# सरकारी कर्मचारियों को राहत, 25 लाख रुपये की ग्रेच्युटी पर पेंशन मंत्रालय का ये आदेश

**नई दिल्ली ।**
केंद्र सरकार में सेवानिवृत्ति ग्रेच्युटी और मृत्यु ग्रेच्युटी की अधिकतम सीमा, जिसे 20 लाख रुपये से बढ़ाकर 25 लाख रुपये कर दिया गया था, अब इस बाबत कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय के पेंशन एवं पेंशनभोगी कल्याण विभाग ने अहम आदेश जारी किया है। सरकार के आधिकारिक ज्ञापन में कहा गया था कि सेवानिवृत्ति ग्रेच्युटी और मृत्यु ग्रेच्युटी की संशोधित सीमा 01 जनवरी 2024 से लागू होगी। पेंशन एवं पेंशनभोगी कल्याण विभाग ने 30 मई को जारी सभी मंत्रालयों/विभागों से अनुरोध किया है कि वे इस आदेश में कही गई बातों को लेखा नियंत्रक/वेतन एवं लेखा कार्यालयों और उनके अधीन संलग्न या अधीनस्थ कार्यालयों के ध्यान में लाकर उनका पालन सुनिश्चित करें।

**औपचारिक संशोधन, अलग से होगा अधिसूचित** - कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय के पेंशन एवं पेंशनभोगी कल्याण विभाग के मुताबिक, यह कार्यालय ज्ञापन आईडी नोट संख्या 1(8)/ईवी/2024 दिनांक 27.05.2024 के माध्यम से वित्त मंत्रालय, व्यय विभाग के परामर्श से जारी किया गया है। सभी मंत्रालयों/विभागों से यह अनुरोध किया गया है कि वे इस आदेश को लेखा नियंत्रक/वेतन और लेखा कार्यालयों और उनके अधीन संलग्न या अधीनस्थ कार्यालयों की मदद से लागू करें। योग्य लोगों को समय पर इसका लाभ मिले। जहां तक भारतीय लेखापरीक्षा और लेखा विभाग में सेवारत व्यक्तियों का संबंध है, उनके लिए यह आदेश भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक के परामर्श से जारी किए जाने का नियम है। सीसीएस (पेंशन) नियम 2021 और सीसीएस (एनपीएस के तहत ग्रेच्युटी का भुगतान) नियम, 2021 में औपचारिक संशोधन को अलग से अधिसूचित किया जाएगा।

**20 लाख रुपये से बढ़ाकर 25 लाख रुपये** - सातवें केंद्रीय वेतन आयोग की सिफारिशों के अनुसार, केंद्र सरकार के कर्मचारियों के लिए महंगाई भत्ते की दर 50 फीसदी तक पहुंचने पर ग्रेच्युटी की अधिकतम सीमा में वृद्धि का प्रावधान है।

इस वृद्धि के बाद पेंशन ग्रेच्युटी/पारिवारिक पेंशन/विकलांगता पेंशन व अनुग्रह एकमुश्त के समायोजन को विनियमित करने वाले प्रावधान लागू किए जाते हैं। सातवें सीपीसी की सिफारिशों के कार्यान्वयन में सरकार के निर्णयों के अनुसार, केंद्रीय सिविल सेवा (पेंशन) नियम, 2021 या केंद्रीय सिविल सेवा (राष्ट्रीय पेंशन स्कीम के तहत ग्रेच्युटी का भुगतान), इसके लिए सेवानिवृत्ति ग्रेच्युटी और मृत्यु ग्रेच्युटी की अधिकतम सीमा में एक जनवरी 2024 से 25 फीसदी इजाफा किया गया है। यानी इस सीमा को 20 लाख रुपये से बढ़ाकर 25 लाख रुपये कर दिया गया है।

**2018 में पारित हुआ ग्रेच्युटी भुगतान (संशोधन) विधेयक** - ग्रेच्युटी भुगतान (संशोधन) अधिनियम, 2018 29 मार्च, 2018 को लागू हुआ था। ग्रेच्युटी भुगतान (संशोधन) विधेयक, 2018 को लोकसभा द्वारा 15 मार्च, 2018 को तथा राज्य सभा द्वारा 22 मार्च, 2018 को पारित किया गया। इसे 29 मार्च 2018 से लागू कर दिया गया था। ग्रेच्युटी भुगतान अधिनियम, 1972 उन प्रतिष्ठानों पर लागू होता है, जिनमें 10 या उससे अधिक व्यक्ति काम करते हैं। इस अधिनियम को लागू करने का मुख्य उद्देश्य सेवानिवृत्ति के बाद कर्मचारी को सामाजिक सुरक्षा प्रदान करना है, चाहे सेवानिवृत्ति का कारण कोई भी हो। इसमें शारीरिक विकलांगता या शरीर के महत्वपूर्ण अंग की क्षति होना, यह भी शामिल है। ग्रेच्युटी भुगतान अधिनियम, 1972 उद्योगों, कारखानों और प्रतिष्ठानों में मजदूरी कमाने वाली आबादी के लिए एक महत्वपूर्ण सामाजिक सुरक्षा कानून है।

**पहले अधिकतम सीमा 10 लाख रुपये थी** - अधिनियम के तहत ग्रेच्युटी राशि की वर्तमान ऊपरी सीमा 10 लाख रुपये रखी गई थी। केंद्रीय सिविल सेवा (पेंशन) नियम, 1972 के तहत ग्रेच्युटी के संबंध में केंद्र सरकार के कर्मचारियों के लिए प्रावधान भी समान हैं। 7वें केंद्रीय वेतन आयोग के कार्यान्वयन से पहले, सीसीएस (पेंशन) नियम, 1972 के तहत अधिकतम सीमा 10 लाख रुपये थी। हालांकि, 7वें केंद्रीय वेतन आयोग के कार्यान्वयन के साथ, सरकारी कर्मचारियों के मामले में, अधिकतम सीमा बढ़ाकर 20 लाख रुपये कर दी गई थी। निजी क्षेत्र में कार्यरत कर्मचारियों के मामले में भी महंगाई और वेतन वृद्धि को ध्यान में रखते हुए, सरकार ने निर्णय लिया कि ग्रेच्युटी भुगतान अधिनियम, 1972 के अंतर्गत आने वाले कर्मचारियों के मामले में भी ग्रेच्युटी की पात्रता को संशोधित किया जाना चाहिए। तदनुसार, सरकार ने ग्रेच्युटी भुगतान अधिनियम, 1972 में संशोधन की प्रक्रिया शुरू की, ताकि ग्रेच्युटी की अधिकतम सीमा को उस राशि तक बढ़ाया जा सके, जिसे केंद्र सरकार समय-समय पर अधिसूचित कर सकती है। साल 2018 में सरकार ने अधिसूचना जारी कर ग्रेच्युटी की अधिकतम सीमा को 20 लाख रुपये तक निर्दिष्ट किया है।

# अफगानिस्तान टीम ने अच्छे अच्छो का किया खेल खराब टी-20 वर्ल्ड कप में मजबूत टीम के तौर देखा जा रहा

**नई दिल्ली।**

अफगानिस्तान की टीम क्रिकेट जगत में दिन ब दिन एक मजबूत टीम के रुप में उभर रही है। अफगान टीम ने पिछले कुछ सालों से खास तौर से वनडे और टी20 फॉर्मेट में बेहतर खेल का प्रदर्शन किया है। यही कारण है कि 2 जून से शुरू हो रहे टी20 विश्व कप में अफगानिस्तान को एक मजबूत टीम रूप में देखा जा रहा है जो बड़ी-बड़ी टीमों को टक्कर दे सकती है। ऐसा अफगान टीम ने भारत में खेले गए वनडे विश्व कप में पाकिस्तान के साथ किया भी था। अफगानिस्तान पांच खिलाड़ी जो टी20 विश्व कप में बड़ी-बड़ी टीमों का खेल बिगाड़ सकते हैं। दुनिया के सबसे खतरनाक स्पिनर्स में एक राशिद खान अपनी टीम के लिए टी20 विश्व कप में कुछ नया कारनामा कर सकते हैं।

राशिद ने अपनी फिरकी गेंदबाजी से दुनिया भर के बल्लेबाजों को परेशानी में डाल रखा है जो आज तक उनकी फिरकी को समझ नहीं पा रहे हैं। खास तौर से टी20 फॉर्मेट में उनका कोई जवाब नहीं है। इस फॉर्मेट में 85 टी20 मैच में 138 विकेट अपने नाम कर चुके हैं। अफगानिस्तान टीम के अनुभवी ऑलराउंडर मोहम्मद नबी टी20 विश्व कप में अपनी तूफानी बैटिंग के साथ गेंदबाजी में धमाल मचा सकते हैं।

बेहतरीन फिरकी गेंदबाजी के साथ नबी ने बल्लेबाजी में भी खूब धूम मचाई है। टी20 फॉर्मेट में उन्होंने 121 मुकाबलों में 6 फिफ्टी के साथ 2109 रन बनाए हैं, जबकि गेंदबाजी में उन्होंने 93 विकेट लिए हैं। अफगानिस्तान क्रिकेट टीम के विकेटकीपर और बल्लेबाज रहमानुल्लाह गुरबाज को कम नहीं आंका जा सकता। नई गेंद से गुरबाज बहुत ही विस्फोट अंदाज में बल्लेबाजी करते हैं। हाल ही में आईपीएल फाइनल में भी गुरबाज ने केकेआर के लिए बेहतरीन खेला था। टी20 फॉर्मेट में गुरबाज ने 55 मैचों में 1376 रन बनाए हैं। वहीं टीम के तेज गेंदबाज अजमतुल्लाह उमरजई अपनी तेज गेंदबाजी से बड़ी बड़ी टीमों का खेल खराब कर सकते हैं। उमरजई अब तक 36 मैचों में 26 विकेट ले चुके हैं।

## न्यूज ब्रीफ

### नोवाक जोकोविच तीसरे दौर में पहुंचे रॉबर्टो कार्बालेस को एकतरफा अंदाज में दी शिकस्त

**पेरिस ।** सर्बिया के नोवाक जोकोविच ने शानदार प्रदर्शन करते हुए रॉबर्टो कार्बालेस बेयना को एकतरफा अंदाज में हराकर वर्ष के दूसरे ग्रैंडस्लैम फ्रेंच ओपन टेनिस टूर्नामेंट के तीसरे दौर में जगह बनाई। जोकोविच ने इस मैच में किसी समय अपने प्रतिद्वंद्वी को हावी होने का मौका नहीं दिया और स्पेन के इस खिलाड़ी को दो घंटे चार मिनट तक चले मुकाबले में लगातार सेटों में 6-4, 6-1, 6-2 से हराया।मेदवेदेव भी तीसरे दौर में पहुंचे पुरुष वर्ग के एक अन्य मुकाबले में पांचवीं वरीयता प्राप्त डेनिल मेदवेदेव भी तीसरे दौर में पहुंच गए हैं। यह रूसी खिलाड़ी जब 6-1, 5-0 से आगे चल रहा था तब उनके प्रतिद्वंद्वी मिओमिर केकमैनोविच ने मैच से हटने का फैसला किया। राफेल नडाल को हराने वाले अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने अपना विजय अभियान जारी रखा। उन्होंने डेविड गोफिन को 7-6 (4), 6-2, 6-2 से हराया। तीसरे दिन भी बारिश ने डाली बाधा खराब मौसम के कारण सिर्फ नौ मैच पूरे हो सके और विजेताओं में कोको गॉफ, ओन्स जेब्युर, सोफिया केनिन, कार्लोस अल्कारेज, स्टेफानोस सितसिपास और आंद्रे रूबलेव भी शामिल रहे। बारिश के कारण लगातार तीसरे दिन मैच प्रभावित हुए लेकिन इस बीच ऑस्ट्रेलियन ओपन चैंपियन अरिना सबालेंका भी जापान की क्वालीफायर मोयुका उचिजिमा को 6-2, 6-2 से हराकर आगे बढ़ने में सफल रहीं।

### सचिन और संजीत ने पेरिस ओलंपिक के लिए बढ़ाए कदम, अगले दौर में जगह बनाई

**नई दिल्ली ।** भारतीय मुक्केबाजों ने विश्व क्वालीफायर में शानदार प्रदर्शन करते हुए पेरिस ओलंपिक के लिए कदम बढ़ा दिए हैं। सचिन सिवाच (57 किग्रा) और संजीत कुमार (92 किग्रा) ने अपने-अपने प्रतिद्वंद्वियों के खिलाफ जीत दर्ज कर अगले दौर में जगह बना ली है। पेरिस ओलंपिक का आयोजन इस साल जुलाई-अगस्त में होना है। सचिन को पेरिस खेलों में क्वालीफाई करने के लिए दो और मुकाबले जीतने होंगे क्योंकि उनके 57 किग्रा वर्ग से सिर्फ तीन मुक्केबाजों को ओलंपिक में जगह मिलेगी। राउंड ऑफ 64 में संजीत को बाई मिली थी और उन्हें भी अब दो और मुक्केबाजों को हराना होगा क्योंकि उनके वजन वर्ग में सेमीफाइनल में जगह बनाने वाले चारों मुक्केबाजों को पेरिस खेलों का कोटा मिलेगा। सचिन-संजीत का बेहतरीन प्रदर्शन सचिन ने प्री क्वार्टर फाइनल में तुर्किये के ओलंपियन बटुहान सिफ्टसी को सर्वसम्मत फैसले में 5-0 से हराया। संजीत ने राउंड ऑफ 32 में वेनेजुएला के लुई सांचेज को इसी अंतर से मात दी।

### कैरोलिना मारिन की चुनौती से पार नहीं पा सकीं सिंधू, त्रिसा-गायत्री क्वार्टर फाइनल में पहुंचे

**सिंगापुर ।** दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू का सिंगापुर ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट में विजय अभियान

चिर प्रतिद्वंद्वी कैरोलिना मारिन के हाथों हार कर समाप्त हो गया। चोट के बाद वापसी करने वाली सिंधू को महिला सिंगल्स के प्री क्वार्टर फाइनल मुकाबले में हार का सामना करना पड़ा। हालांकि, सिंधू ने एक समय मारिन के खिलाफ 18-15 की बढ़त बना ली थी, लेकिन यह भारतीय खिलाड़ी लय बरकरार नहीं रख सकी। दूसरी ओर, त्रिसा जॉली और गायत्री गोपीचंद की महिला डबल्स जोड़ी ने दुनिया की दूसरे नंबर की दक्षिण कोरियाई जोड़ी को हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। सिंधू और मारिन के बीच सात महीने बाद हुआ मुकाबला पिछले सप्ताह थाईलैंड ओपन में उपविजेता रही सिंधू ने एक घंटे आठ मिनट तक चला बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर सुपर 750 का यह मुकाबला 21-13, 11-20, 20-22 से गंवाया। डेनमार्क ओपन सेमीफाइनल में हुई बहस के बाद दोनों खिलाड़ी सात महीने में पहली बार एक दूसरे का सामना कर रही थीं। पिछड़ने के बाद मारिन ने की वापसी पहला गेम गंवाने के बाद दुनिया की तीसरे नंबर की खिलाड़ी मारिन ने शानदार वापसी करते हुए लगातार छह अंक बनाए और 17-7 की बढ़त बना ली। इसके बाद सिंधू को वापसी का मौका नहीं देकर मैच को निर्णायक गेम तक खींचा। निर्णायक गेम में सिंधू ने बढ़त बनाई लेकिन मारिन ने वापसी करके जीत दर्ज की।

## टी-20 विश्वकप 2024 : एक नजर में भारत के मुकाबले

# क्रिकेट इतिहास में पहली बार टी-20 विश्व कप में खेलेंगी 20 टीमें

**नई दिल्ली।**

**टी-20 विश्व कप के इतिहास में पहली बार एक सीजन में 20 टीम भाग ले रही है जो एक इतिहास होगा। इंग्लैंड की कप्तानी जोस बटलर करेंगे,जबकि 50 ओवर के विश्व चैंपियन ऑस्ट्रेलिया की कमान मिचेल मार्श संभालेंगे। दक्षिण एशिया की दो ताकतवर टीम भारत और पाकिस्तान अपने अनुभवी कप्तान रोहित शर्मा और बाबर आजम की कप्तानी में खेलेंगी।**

इस टी-20 विश्व कप में पहले राउंड के लिए 20 टीमों को पांच-पांच के चार ग्रुप में बांटा है। सुपर-आठ में क्वालीफाई करने से पहले हर टीम चार-चार मैच खेलेगी। हर ग्रुप से दो टीमें सुपर-8 में पहुंचेगी जबकि निचली टीमें बाहर हो जाएंगी। इन आठ टीम को दो अलग-अलग ग्रुप में बांटा जाएगा। दोनों ग्रुप की टॉप-2 टीम सेमीफाइनल खेलेंगी। फाइनल मैच 29 जून को बारबाडोस में खेला जाएगा।

भारतीय क्रिकेट टीम ने अपनी तैयारियां शुरू कर दी है। आईपीएल के दौरान गर्मी में अपने 90फीसदी मैच फ्लड लाइट में खेलने के बाद खिलाड़ियों को अब सुबह अमेरिका में चलने वाली तेज हवाओं के साथ तालमेल बैठाना होगा, जहां तापमान बहुत कम आर्द्रता के साथ 25 से 27 डिग्री सेल्सियस के बीच रहेगा। हल्की हवा में सफेद कूकाबूरा गेंद चुनौती पैदा कर सकती है और इसकी तैयारी के लिए जेट-लैग वाले खिलाड़ियों को सुबह के माहौल में खेलने की जरूरत है।

भारत, पाकिस्तान, मेजबान संयुक्त राज्य अमेरिका, आयरलैंड और कनाडा 2 जून से शुरू होने वाले पुरुष टी-20 विश्व कप के ग्रुप ए में शामिल हैं। टीमें एकल-राउंड रॉबिन प्रारूप में प्रतिस्पर्धा करेंगी। ग्रुप ए के सभी मैच संयुक्त राज्य अमेरिका में खेले जाएंगे, जबकि वेस्टइंडीज इस टूर्नामेंट की सह-मेजबानी करेगा। टूर्नामेंट के शुरूआती मुकाबले में 2 जून को डलास, टेक्सास के ग्रैंड प्रेयरी स्टेडियम में कनाडा के खिलाफ संयुक्त राज्य अमेरिका का मुकाबला होगा।

### भारत का ग्रुप स्टेज शेड्यूल

- 5 जून: भारत-आयरलैंड, न्यूयॉर्क - 08:00 पीएम आईएसटी (09:30 एएम स्थानीय)
- 9 जून: भारत-पाकिस्तान, न्यूयॉर्क - 08:00 पीएम आईएसटी (09:30 एएम स्थानीय)
- 12 जून: यूएसए-भारत, न्यूयॉर्क - 08:00 पीएम आईएसटी (09:30 एएम स्थानीय)
- 15 जून: भारत-कनाडा, फ्लोरिडा - 08:00 पीएम आईएसटी (10:30 एएम स्थानीय)

### टी-20 वर्ल्ड कप की भारतीय टीम

रोहित शर्मा (कप्तान), हार्दिक पंड्या, यशस्वी जायसवाल, विराट कोहली, सूर्युकमार यादव, ऋषभ पंत, संजू सैमसन, शिवम दुबे, रविंद्र जडेजा, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, युजवेंद्र चहल, अर्शदीप सिंह, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज

- रिजर्व: शुभमन गिल, रिंकू सिंह, खलील अहमद, आवेश खान।

### इंग्लैंड ने पाकिस्तान को चौथा टी20 मैच भी हराया, सीरीज जीती

**नई दिल्ली।** पाकिस्तान को इंग्लैंड के खिलाफ चौथे टी20 मैच में भी हार का सामना करना पड़ा। इसके साथ ही पाकिस्तान टीम ने सीरीज गंवा दी है। इंग्लैंड-आयरलैंड दौरा पाकिस्तान टीम के लिए बहुत ही खराब रहा है। बाबर ब्रिगेड इंग्लैंड में एक भी मैच नहीं जीत पाई और सीरीज के 2 मैच इंग्लैंड ने जीते और 2 मैच बारिश के कारण नहीं हो सके। आयरलैंड ने भी पाकिस्तान को हराया था। पाकिस्तान और इंग्लैंड का चौथा टी20 मैच लंदन के द ओवल में खेला गया। पाकिस्तान ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 157 रन ही बना सकी। इंग्लैंड ने 15.3 ओवर में ही 3 विकेट खोकर आसानी से मैच जीत लिया। इंग्लैंड की ओर से फिल सॉल्ट टॉप स्कोरर रहे। फिल सॉल्ट ने 24 गेंद पर 45 रन बनाए। वहीं जॉस बटलर ने 21 गेंद पर 39 रन की पारी खेली। कप्तान बटलर और फिल सॉल्ट ने महज 6.6 ओवर में 82 रन की पार्टनरशिप की। बटलर और फिल सॉल्ट के आउट होने के बाद जॉनी बेयरस्टो और विल जैक्स खेलने आए। बेयरस्टो ने 16 गेंद पर 28 और विल जैक्स ने 18 गेंद पर 20 रन बनाए। विल जैक्स के आउट होने के बाद हैरी ब्रूक ने 14 गेंद पर 17 रन की नाबाद पारी खेली। पाकिस्तान की ओर से हैरिस रऊफ ही विकेट ले सके। उन्होंने 3.3 ओवर में 38 रन देकर 3 विकेट हासिल किए।

# विश्व चैंपियन ऑस्ट्रेलिया को वेस्टइंडीज के बल्लेबाजों ने धो डाला

**नई दिल्ली।**

टी20 वर्ल्ड कप जीतने के इरादे से वेस्टइंडीज पहुंची ऑस्ट्रेलिया टीम को जोरदार झटका लगा है। मेजबान वेस्टइंडीज ने वॉर्मअप मैच में ऑस्ट्रेलिया को बुरी तरह हराया है। ऑस्ट्रेलिया को हार से ज्यादा इस बात की चिंता सता रही है कि गेंदबाजों की बुरी तरह पिटाई हुई। वेस्टइंडीज ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 4 विकेट पर 257 रन बनाए। निकलस पूरन के बल्ले ने मैदान पर तहलका मचा दिया। पूरन ने 25 गेंद में 75 रन ठोके। उन्होंने 25 में से 13 गेंदों को बाउंड्री पार कराई, जिसमें 8 छक्के शामिल थे।

टी20 वर्ल्ड कप शुरू होने से महज दो दिन पहले मेजबान वेस्टइंडीज ने अपनी तैयारियों का ट्रेलर दिखा दिया। विंडीज की टीम ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वॉर्मअप मैच में 257 रन बनाए जिसमें पूरन को कप्तान रोवमन पॉवेल का साथ मिला। पॉवेल ने 25 गेंद पर 50 रन बनाए। शेरफन रदरफोर्ड ने 18 गेंद पर 42 और जॉनसन चार्ल्स ने 31 गेंद पर 40 रन की पारी खेली। शिमरन हेटमायर 18 रन बनाकर आउट हुए। ऑस्ट्रेलिया की टीम इस मुकाबले में पैट कमिंस, मिचेल स्टार्क के बिना उतरी थी उनकी कमी टीम को खली। ऑस्ट्रेलिया के लिए सबसे ज्यादा 2 विकेट पर एडम जम्पा ने लिए इसके लिए उन्हें 62 रन देने पड़े। एश्टन एगर और टिम डेविड ने एक-एक विकेट लिया।

258 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी ऑस्ट्रेलिया की टीम पूरे मैच में कभी भी जीत के करीब नहीं दिखी। उसके ओपनर डेविड वॉर्नर ने 6 गेंद पर 15 रन बनाकर अच्छी शुरुआत की, लेकिन ज्यादा नहीं खेल पाए। दूसरे ओपनर एश्टन एगर 13 गेंद पर 28 रन बनाकर आउट हो गए। तीसरे नंबर पर मैदान में उतरे कप्तान मिचेल मार्श 4 रन बनाकर पवेलियन लौट गए। 60 रन में 3 विकेट गंवा दिए। ऑस्ट्रेलियन टीम की ओर सिर्फ जोश इंग्लिस (55) ही अर्धशतक बना पाए। टिम डेविड और मैथ्यू वेड 25-25 रन बना पाए।

# टी20 विश्वकप से पहले दक्षिण अफ्रीकी टीम में उठे कोटा विवाद से डिविलियर्स निराश

**जोहान्सबर्ग ।**

टी20 विश्वकप के लिए दक्षिण अफ्रीकी टीम में केवल एक ही अश्वेत खिलाड़ी को शामिल किये जाने पर विवाद उठा है और कई लोगों का कहना है कि इस प्रकार से टीम चयन को सही नहीं कहा जा सकता है। उनका आरोप है कि अश्वेत खिलाड़ियों की जानबूझकर उपेक्षा हुई है। वहीं क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका ने इससे इंकार करते हुए कहा है कि इस वर्ग के बेहतर खिलाड़ी उपलब्ध नहीं थे। वहीं विश्वकप से ठीक पहले उठे इस विवाद को दिग्गज पूर्व क्रिकेटर एबी डिविलियर्स ने निराशाजनक बताया है। डिविलियर्स ने कहा है कि टीम में ऐसे समय में नस्ली कोटा को लेकर बात करना सही नहीं है। उन्होंने कहा कि ऐसी बातें पहले भी उठती रही हैं वह इस बात से खुश हैं कि अब वह टीम में नहीं हैं और केवल एक दर्शक के तौर पर इसे देखेंगे। डिविलियर्स ने कहा, 'कोटा पर ध्यान केंद्रित करते हुए टूर्नामेंट में जाना शर्मनाक है। मेरा मतलब है कि यह कोई नई बात नहीं है, यह सिर्फ एक शर्म की बात है। डिविलियर्स ने कहा, 'सौभाग्य से इस बार मेरा वहां कुछ भी लेना-देना नहीं है। मैं सिर्फ एक दर्शक हूं। दक्षिण अफ्रीका को हमेशा से ही 'चोकर माना जाता रहा है जो दबाव में बिखर जाती है। टीम टूर्नामेंट से पहले प्रबल दावेदारों में शामिल होती है पर अहम मुकाबलों में असफल रहती है। साथ ही कहा कि

विश्व कप में अभियान शुरू होने से कुछ दिन पहले किसी विवादास्पद विषय को उठाना ठीक नहीं कहा जा सकता है। वर्ष 2016 में शुरू की गई कोटा नीति के अनुसार एक सत्र के दौरान दक्षिण अफ्रीका की एकादश में छह अश्वेत खिलाड़ियों का होना जरूरी है जिसमें दो अश्वेत अफ्रीकी समुदाय के खिलाड़ी भी शामिल हैं। टी20 विश्व कप टीम में कागिसो रबादा एकमात्र अश्वेत अफ्रीकी हैं। वहीं एक अन्य अश्वेत अफ्रीकी लुंगी एनगिडी को रिजर्व खिलाड़ियों में शामिल हैं। डिविलियर्स ने कहा, 'विश्व कप से ठीक पहले दक्षिण अफ्रीकी टीम के साथ हमेशा की तरह स्वदेश में कुछ विवादास्पद लम्हे होते हैं।' उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि यह एक अच्छी टीम है। लुंगी के लिए यह निराशा की बात है... (उसने) थोड़ा फॉर्म खो दिया, उसे कुछ चोटें लगीं। अन्यथा वह शायद टीम में होता और स्वदेश में कोई विवाद नहीं होता।

# वॉटसन ने विराट और धोनी को मानसिक रूप से बेहद मजबूत क्रिकेटर बताया

**नई दिल्ली ।**

ऑस्ट्रेलिया के पूर्व ऑलराउंडर शेन वॉटसन ने कहा है कि उन्होंने अब तक अपने करियर में जितने मानसिक रूप से मजबूत क्रिकेटरों को देखा है। उनके विराट कोहली और महेन्द्र सिंह धोनी सबसे आगे हैं। विराट ने आईपीएल के इस सत्र में जिस प्रकार सबसे अधिक रन बनाये हैं वह दिखाता है कि वह खेल के प्रति कितने प्रतिबद्ध हैं।

वॉटसन ने कहा, विराट मानसिक रूप से बहुत मजबूत हैं। वह पूरी तरह से समझते हैं कि खुद का सर्वश्रेष्ठ संस्करण कैसे लाया जाए, जो कि लड़ाई में शामिल होना है, वह हर खेल के हर पल में पूरी तरह से शामिल रहते हैं। वह लगभग हर खेल में जो तीव्रता लाते हैं, वह अलौकिक है। उन्होंने कहा, वास्तव में केवल कुछ अन्य लोग हैं जिनके साथ मैंने खेला है या जिनके खिलाफ खेला है, जिनके पास हर खेल के हर पल में लगातार तीव्रता थी। इसलिए विराट के बारे में यह कुछ ऐसा है, जिसे हमने इस आईपीएल में देखा है कि वह कितने व्यस्त हैं। यही कारण है कि वह इतने लंबे समय तक ऐसे उच्च प्रदर्शन को बनाए रखने में सक्षम है।

वहीं दूसरी ओर, 42 साल के अनुभवी विकेटकीपर-बल्लेबाज धोनी ने हाल ही में समाप्त हुए टूर्नामेंट में चोटिल होने के बाद भी चेन्नई सुपर किंग्स के लिए 14 पारियों में 161 रन बनाए। इसमें 14 चौके और 13 छक्के लगाकर उन्होंने दर्शकों का भूरपूर मनोरंजन भी किया। वह अभी भी पूरी तरह से व्यस्त है और अपने पर भरोसा कर रहा है क्योंकि यह पहले से कहीं ज्यादा बेहतर हुए हैं।

वॉटसन ने कहा, 42 साल की उम्र में भी वह अभी भी जानता है कि अपने दिमाग को कैसे शांत रखना है ताकि वह अपने उन कौशलों तक पहुंच सके। इसलिए धोनी, सूचना और अपने आस-पास की दुनिया की उनकी समझ, उसे वास्तव में सरल अवधारणाओं में तोड़ने में सक्षम होना शक्तिशाली बनाता है। यही कारण है कि वह इतने सफल नेता बनने में सक्षम हैं क्योंकि वह जानते हैं कि खिलाड़ियों को सही समय पर कैसे राह दिखाये।

# स्वियातेक ने मैच प्वाइंट बचाने के बाद ओसाका को हराया, अल्कराज फ्रेंच ओपन के तीसरे दौर में

**पेरिस ।**

फ्रेंच ओपन का रोमांच अब फैंस के सिर चढ़कर बोलने लगा है। जैसे जैसे टूर्नामेंट अगले राउंड में जा रहा है, खिलाड़ियों के बीच टक्कर और रोमांचक होती जा रही है। इसी कड़ी में दुनिया की नंबर एक खिलाड़ी और दो बार की गत चैंपियन इगा स्वियातेक ने महिला एकल के बेहद कड़े मुकाबले में दिग्गज नाओमी ओसाका को तीन गेम में हराकर फ्रेंच ओपन टेनिस टूर्नामेंट के तीसरे दौर में जगह बनाई। स्वियातेक ने दूसरे दौर के मुकाबले में मैच प्वाइंट बचाया और फिर अंतिम पांच गेम जीतकर दुनिया की पूर्व नंबर एक खिलाड़ी ओसाका को 7-6, 1-6, 7-5 से शिकस्त दी।

**स्वियातेक ने कहा- मैच तनावपूर्ण था** - स्वियातेक ने मैच के बाद कहा- निश्चित तौर पर यह मुकाबला काफी

तनाव भरा था। मैंने दूसरे दौर में कभी इतने कड़े मुकाबले की उम्मीद नहीं की थी। निश्चित तौर पर अगली बार मैं इसके लिए अधिक तैयार रहूंगी। इस जीत के साथ स्वियातेक ने रोलां गैरो पर अपनी जीत के क्रम को 16 मैच तक पहुंचा दिया और उनकी नजरें इस क्ले कोर्ट ग्रैंडस्लैम में लगातार तीसरी खिताबी जीत दर्ज करने पर टिकी हैं।खराब मौसम के कारण सिर्फ नौ मैच पूरे हो सके और विजेताओं में कोको गॉफ, ओन्स जाबेयूर, सोफिया केनिन, कार्लोस अल्कारेज, स्टेफानोस सितसिपास और आंद्रे रुबलेव शामिल रहे।

**अल्कराज तीसरे दौर में पहुंचे** - वहीं, तीसरे वरीय कार्लोस अल्कराज ने यहां फ्रेंच ओपन टेनिस टूर्नामेंट में क्वालीफायर जेस्पर डि जोंग पर जीत से तीसरे दौर में प्रवेश किया। भारी बारिश के कारण 23 मैच स्थगित हो गए और अल्कराज भाग्यशाली रहे कि वह अपना मैच पूरा कर अगले दौर में पहुंचने में सफल रहे। उन्होंने नीदरलैंड के 23 साल के जोंग पर 6-3, 6-4, 2-6, 6-2 से जीत हासिल की। 2020 ऑस्ट्रेलियाई ओपन चैम्पियन सोफिया केनिन ने दूसरे दौर में 21वीं वरीय फ्रांस की कैरोलिन गार्सिया को 6-3, 6-3 से हराया। ओन्स जाबेयूर ने कैमिलिया ओसोरियो को 6-3, 1-6, 6-3 से हराकर तीसरे दौर में प्रवेश किया।

**सितसिपास का विजयी अभियान जारी** - स्टेफानोस सिटसिपास ने डेनियल अल्टमायर पर 6-3, 6-2, 6-7 (2), 6-4 से जीत दर्ज की। सर्बिया के नोवाक जोकोविच अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन नहीं करने के बावजूद यहां पियरे ह्यूजेस हर्बर्ट को सीधे सेट में हराकर दूसरे दौर में जगह बनाने में सफल रहे। दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी जोकोविच ने फ्रांस के ह्यूजेस हर्बर्ट को 6-4, 7-6, 6-4 से हराकर बाहर का रास्ता दिखाया।

**जोकोविच की नजरें 25वें ग्रैंडस्लैम पर** - जोकोविच के लिए 2024 सत्र उम्मीद के मुताबिक नहीं रहा है, लेकिन इसके बावजूद उनकी नजरें 25 ग्रैंडस्लैम एकल खिताब जीतने वाला दुनिया का पहला खिलाड़ी बनने पर टिकी हैं। जोकोविच रोलां गैरो पर तीन बार के विजेता हैं और अपनी नंबर एक रैंकिंग बचाने के लिए उन्हें एक बार फिर फाइनल में जगह बनानी होगी। लेकिन पेरिस आने से पहले इस साल वह किसी टूर्नामेंट के फाइनल में नहीं पहुंचे हैं। इस दौरान उन्हें तीन बार सेमीफाइनल में हार का सामना करना पड़ा।

**अगले दौर में रॉबर्टो से मुकाबला** - जोकोविच दूसरे दौर में स्पेन के 63वें नंबर के खिलाड़ी रॉबर्टो कारबेलास बेइना से भिड़ेंगे। पिछले साल फाइनल में जगह बनाने वाले कास्पर रूड और पूर्व ग्रैंडस्लैम चैंपियन एरिना सबालेंका और एलेना रिबाकिना भी जीत दर्ज करने में सफल रहे। रोलां गैरो पर 2022 में भी उप विजेता रहे रूड ने फेलिप मेलिगेनी एल्वेस को 6-3, 6-4, 6-3 से हराया। दो बार की ऑस्ट्रेलिया ओपन चैंपियन सबालेंका ने एरिका आंद्रीवा को 6-1, 6-2 से शिकस्त दी, जबकि 2022 विंबलडन विजेता रिबाकिना ने ग्रीट मिनेन को 6-2, 6-3 से हराकर बाहर का रास्ता दिखाया।

# आपका स्मार्टफोन भी बता सकता है कि कहीं आपको कैंसर तो नहीं

कैंसर उन खतरनाक बीमारियों में से एक है जिनका फर्स्ट स्टेज पर पता न चले तो मरीज की जान पर बन आती है। कैंसर कई तरह का होता है लेकिन खतरनाक कैंसर टाइप में से एक है स्किन कैंसर। स्किन कैंसर का पता आपको आपकी त्वचा के कलर से भी पता चल सकता है। आज हम आपको ऐसे एप के बारे में बताने जा रहे हैं जो एक छोटे से टेस्ट के बाद आपको बता देगा कि त्वचा का बदलाव कैंसर है या नहीं।

SkinVision एप :SkinVision नाम का ये एप अमेरिका और यूरोप में काफी चलन में है। ये एप एक अवेयरनेस मोबाइल ऐप्लिकेशन है जो आपकी स्किन में आ रहे बदलाव को ट्रैक करने में आपकी मदद करता है। ये आपको समय-समय पर आपकी स्किन के पॉजिटिव और नेगेटिव बदलावों की जानकारी देता रहता है। हालांकि हम आपको बता दें कि ये सिर्फ इतना ही एक्यूरेट है कि कैंसर के रिस्क के बारे में बता सके, कन्फर्म कराने के लिए आपको टेस्ट तो कराने ही होंगे।

**कैसे करें इस्तेमाल :** इस एप को ऑन करके फोन के कैमरे से स्किन के उस हिस्से की तस्वीर लें जहां आपको बदलाव नजर आ रहा है। इस फोटो का एनालिसिस करने के बाद एप आपको कई तरह के रेमेंडेशन देगा। बता दें कि SkinVision ऐप आपको पिक्चर्स आर्काइव करने की भी सुविधा देता है। इससे आप स्किन में आ रहे चेंजेस की फोटोज आर्काइव करके डॉक्टर को दिखा सकते हैं।

## पोकेमोन गो भी टेक्सटिंग जितना ही खतरनाक है: शोध

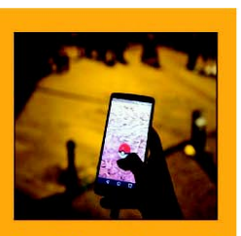

**ह्यूस्टन।** एक नए शोध में पता चला है कि रियलिटी गेम पोकेमोन गो खेलने से लोगों को उसी तरह के खतरे हो सकते हैं जिस तरह के टेक्सटिंग के दौरान पेश आते हैं। पोकेमोन गो इसी साल जुलाई में लॉन्च हुआ है। इसमें ग्लोबल पोजिशनिंग सिस्टम की मदद से खिलाड़ी पोकेमोन को खोजते हैं, उन्हें पकड़ते हैं, उनसे लड़ते हैं और उन्हें प्रशिक्षण देते हैं। ये पोकेमोन स्क्रीन पर इस तरह नजर आते हैं जैसे वे उसी असल दुनिया में हों जिसमें खिलाड़ी है।

यह गेम दुनियाभर में काफी लोकप्रिय हुआ है और इसे 10 करोड़ से ज्यादा बार डाउनलोड किया जा चुका है। गेम के लॉन्च होने के बाद से ऐसी खबरें आने लगीं कि इसके खिलाड़ी गिर रहे हैं, चीजों से टकरा रहे हैं और यहां तक कि गेम खेलते हुए व्यस्त सड़कों पर पहुंच जा रहे हैं। अमेरिका की टेक्सास ए ऐंड एम यूनिवर्सिटी में शोध विज्ञानी कोनराड अर्नेस्ट ने कहा, मेरे खयाल से पोकेमोन गो के साथ परेशानी यह है कि यह बिलकुल ऐसी दुनिया में ले जाता है जहां व्यक्ति की गति एकदम धीमी हो जाती है और लोग अपने पोकेमोन को पकड़ने के लिए विशेष दिशा में चलने लगते हैं।

बीते साल अर्नेस्ट ने चलते हुए टेक्सटिंग पर शोध किया था। इसमें पाया था कि बिना ध्यान भटकाए राहगीरों के मुकाबले टेक्सटिंग कर रहे और या संज्ञानात्मक रूप भटके राहगीरों की चलने की गति धीमी हो जाती है, वे अड़चनों से पार पाने के लिए ज्यादा और उंचे उंचे डग भरते हैं। अर्नेस्ट ने कहा, इसकी संभावना ज्यादा होती है कि जब क्रासवाक का संकेत साफ तौर पर जाने का नहीं होता है तो खिलाड़ी सड़क पार करें।

# बारिश में भी महकता रहे घर

पहली बारिश की खुशबू तो सबको पसंद है, लेकिन लगातार बरसते पानी के कारण सीलन की गंध घरों में घुस ही जाती है। कपड़ों को भी धूप नहीं मिल पाती तो वे भी गंध छोड़ने लगते हैं, इसी तरह गार्डन में जमा पानी भी बदबू मारने लगता ह। कई वजह हैं जिनके कारण घरों में गंध समा जाती है। गंध को घर से भगाना कुछ मुश्किल नहीं है, सही वक्त पर सही तरह की खुशबू को घर में रखेंगे तो ये मौसम और खुशनुमा हो जाएगा।

■ लेमनग्रास, ऑरेंज जैसी सिट्रस खुशबू तरोताजा महसूस कराती हैं लेकिन इनका खास असर दिन के वक्त ही ज्यादा होता है।

■ दिन के वक्त डिफ्यूज़र का उपयोग लीविंग रूम्स और बाथरूम में कर सकते हैं। स्प्रे भी असर दिखाने वाले होते हैं।

■ कपड़ों की गंध भगाने के लिए फ्रेंगरेंस सैशे का ही उनयोग करें, जिसे अलमारियों में रखा जा सकता है।

■ शाम के वक्त वेपोराइजर्स का उपयोग करें। सेंटेड कैंडल्स भी माहौल में गर्माहट लाएंगी और बारिश की ठंडक को महसूस नहीं होने देंगी। बेडरूम्स में इनका प्रयोग किया जा सकता है।

# सिर्फ आपको संगीत सुनाएंगे ये स्पीकर्स

कंपनी के यह स्पीकर कुछ अवॉर्ड्स भी जीत चुके हैं जबकि अभी तक ये प्री ऑर्डर स्टेज पर ही हैं। ये डायरेक्शनल ऑडियो डिवाइस है जो हाई फिडेलिटी साउंड को बाहर फेंकती है जिसे सिर्फ आप ही सुन सकते हैं। यह एक कम चौड़ी बीम के जरिए होता है जिसे आप अपने हिसाब से सेट कर सकते हैं।

उदाहरण के तौर आप अपने बेडरूम में म्यूजिक सुनना चाह रहे हैं और पार्टनर को सोना है। हेडफोन की झंझट भी आपको नहीं चाहिए। आप असके स्पीकर को अपने कानों की कर दीजिए, जो साउंड बीम निकलेंगी वो सिर्फ आप तक ही पहुंचेंगी और पार्टनर को पता भी नहीं चलेगा कि कोई संगीत कमरे में बज रहा है। अस डायरेक्शनल साउंड कंट्रोल तकनीक से नॉइस पौल्यूशन भी नहीं होता है।

कंपनी ने तो बाकायदा नो मोर हेडफोन्स कैम्पेन भी चला रखा है।

akoustic-arts.com पर ये ए स्पीकर प्री ऑर्डर पर उपलब्ध हैं। ये दो आकार में मिल रहे हैं। जूनियर का आकार 9 बाय 9 सेमी है और बड़े का आकार 20 बाय 20 सेमी है। छोटे की कीमत 350 डॉलर है और बड़े की 550 डॉलर। जैसे ही यह कैम्पेन पूरा होगा इन दोनों की कीमत बढ़ना तय है। डिलेवरी मिलने के बाद इन स्पीकर्स को सेट करना भी बेहद आसान है।

सबसे पहले इनकी पैकिंग हटाइए, बैटरी कनेक्ट कीजिए, चार्जिंग केबल को स्पीकर में लगाइए और किसी भी डिवाइस(स्मार्टफोन, टेबलेट, लैपटॉप, स्टीरिओ, टीवी वगैरह) कनेक्ट कर दीजिए। ये कनेक्शन 3.5एमएम के मिनीजैक के जरिए होगा। ए स्पीकर के लिए ऐसेसरीज भी मिल रही हैं। जैसे एक स्टैंड के रिए आप इसे पास रखी मेज पर भी सेट कर सकते हैं। वॉल माउंट भी करवा सकते हैं। और तो और छत पर भी ये लग सकते हैं। ये ऐसेसरीज मात्र 50 डॉलर में प्री ऑर्डर कर 7 सकते हैं।

# अब नहीं होगी दिक्कत बेल्ट खरीदने में

बेल्ट पहनना जितना आसान काम है, उतना ही मुश्किल उसे खरीदते वक्त चुनना है। ज्यादातर पुरुष नहीं जानते कि उन्हें बेल्ट खरीदते वक्त किन बातों का ध्यान रखना चाहिए। इस दिक्कत को हल करती कुछ बातें...

**बेल्ट की लंबाई :** बेल्ट की लंबाई की उसकी सुंदरता तय करती है। हद से ज्यादा लंबे बल्ट कभी सुंदर नहीं लग सकते। बड़े ब्रांड तो कमर के नाप के हिसाब से ही प्रोडक्ट निकालते हैं। आप जाइए और शॉपकीपर को कमर का नाप बताइए वो पूरी रेंज सामने रख देगा। सही तरीका भी यही है। अगर ब्रांडेड बेल्ट नहीं खरीद रहे हैं तो यह ध्यान रखिये कि बेल्ट पहनने के बाद अतिरिक्त हिस्सा पैंट के लेफ्ट साइड के पहले बकल से थोड़ा ही ज्यादा होना चाहिए। यह बचा हिस्सा अगर दूसरे बकल तक पहुंच गया तो बात बिगड़ जाएगी।

**बकल्स की चौड़ाई :** जितना चौड़ा बकल आप लेंगे, उतना ही कम फॉर्मल यह लगेगा। बड़े बकल कैजुअल ड्रेसिंग पर ही अच्छे लगते हैं। पैंट्स पर तो कतई नहीं! बड़े बकल्स में राउंड शेप सबसे ज्यादा चलन में होता है, फिर चाहे आप इसे गोल्ड फिनिश में लें या सिल्वर फिनिश में। इन्हें स्टाइल करते वक्त ध्यान रखें कि अगर आप जिस रंग की आपने कफलिंक्स, टाई पिन पहनी हो उसी से मैच करता हुआ बेल्ट का बकल होना चाहिए। यह जरूर ध्यान रखें कि वेडिंग रिंग से इसे कभी मैच नहीं करना है।

जितना पतला और सिंपल बकल होगा, उतना ही यह फॉर्मल लगेगा। ऑफिस के लिए यही ठीक रहते हैं। जीन्स पर यह कम अच्छे लगते हैं। जीन्स के लिए बड़े बकल ही बेहतर ऑप्शन हैं और यह उन्हें बेहतर ढंग से थामते भी हैं।

**रंग की बात :** लेदर का रंग हमेशा ही लेदर से मैच करता हुआ होना चाहिए। ब्लैक जूते पहने हैं तो ब्लैक बेल्ट पहन सकते हैं, ब्राउन लेदर शू पर ब्राउन बेल्ट ही सुंदर लगेगा। फिनिा का भी आपको ध्यान रखना होगा। मैट फिनिश के शूज के साथ मैट फिनिश बेल्ट ही अच्छा लगेगा। इसी तरह ग्लॉसी बेल्ट्स के साथ शाइनी शू पहने होना चाहिए।

### ये टिप्स भी हैं काम की...

■ ब्रैडेड बेल्ट यानी चोटी की तरह गूंथे हुए बेल्ट में कभी भी बकल के लिए छेद न करवाएं। इसमें बीच में जो जगह होती है उसका उपयोग किया जाना चाहिए।

■ ज्यादातर बेल्ट काल्फस्किन के बने होते हैं। जितना ज्यादा यह सॉफ्ट होगा, उतनी ही हाई क्वालिटी का होगा।

■ कड़क बेल्ट में दरारें पड़ने का डर होता है। इन्हें खरीदने से बचा जाना चाहिए।

■ अच्छे स्टोर पर बेल्ट काटकर भी दिए जाते हैं। आकार के हिसाब से यहां जानकार इसे काट देते हैं।

■ बड़े ब्रांडों का नाम भी अक्सर बेल्ट पर उभरा रहता है लेकिन यह याद रखें कि बेल्ट इतने छोटे होते हैं कि इन्हें कोई भी दूर से नोटिस नहीं कर पाता है। बेहद छोटे नामों के पीछे खासी रकम खर्चने से बच सकते हैं। इसकी जगह तो क्वालिटी पर इनवेस्ट करना चाहिए।

# अब तो अपना ही लीजिए साइकिल

कुछ के लिए यह विचार ही अजीब हो सकता लेकिन यकीं मानिये साइकिल को जीवन के किसी भी पड़ाव पर जिंदगी में शामिल करने के जबरदस्त फायदे हैं। फिट रहने का भी शौक रखते हैं तो ये सवारी वाकई आपकी है। पेश हैं कुछ कारण जो आपको साइकिल खरीदने के लिए प्रेरित करेंगे।

## इको फ्रेंडली राइड

प्रकृति की चिंता करने के लिए जरूरी नहीं कि किसी पर्यावरण संस्था से जुट जाएं। आपकी जरा-सी कोशिश से भी बड़ा फर्क आ सकता है। साइक्लिंग करें और एयर पॉल्यूशन कम करने की हर सम्भव कोशिश करें। कार चलाने की आदत कुछ दिन के लिए ही छोड़े और फर्क महसूस करें। यह खुशी इतनी बड़ी महसूस होने लगेगी की कि खुद-ब-खुद काम से काम कार चलाएंगे।

## सबसे जरूरी सेहत

जब जिम में साइकिल शामिल कर ली गई है तो अंदाजा लगा सकते हैं कि सेहत के मामले में इसे चलाने के कितने फायदे हैं। साइकिल चलाना मजेदार तो है ही, इससे आपके शरीर के कई अंग एक साथ काम करते हैं। यह ब्लड सर्क्युलेशन बेहतर करती है और इसकी सवारी करने वालों को दिल की बीमारी होने के भी बेहद कम चांस होते हैं। आंखों की रोशनी बेहतर करना चाहते हैं तो भी रेग्युलर सायक्लिंग करें। सायक्लिंग से तनाव भी काफी कम होजाता है और इस तरह ये हमारे इमोशनल डेवलपमेंट में भी मदद देती है।

## कई झंझट खत्म

साइकिल को अपनी सवारी बनाने के कई फायदे धन के गणित से भी जुड़े हैं। यह फाइनेंशियल बर्डन जरा नहीं है। इसकी सवारी से शहरों में जगह-जगह लगने वाले जाम से भी आप बच सकते हैं। इस तरह हर जगह आप वक्त पर पहुंचेंगे। इसकी सवारी से आप खुद को ज्यादा डाइनैमिक मानने लगेंगे और काफी हद तक तनाव रहित महसूस करेंगे। मजेदार तो यह है कि इसे चलाने के लिए ड्राइविंग लाइसेंस की भी जरूरत नहीं पत्ती और न ही टैक्स देना पत्ता है। इसलिए जल्द ही अपने लिए एक साइकिल खरीदें और लाइफ को आसान बनाएं। पेट्रोल का पैसा, रिपेयरिंग का खर्च वगैरह आप बचाएंगे वो अलग।

### देखें दुनिया करीब से

कार या स्कूटर की सवारी काफी तेज होती है। इस गति की वजह से आप कई चीजें ठीक से देख भी नहीं पाते जो अक्सर आपके रास्ते में होती है। साइकिल से आप ये नजारे देख पाएंगे और नजदीक से महसूस कर पाएंगे। वैसे भी सायक्लिंग एक तरह की लत है। जिनको साइकिल चलाने की आदत है वे इसके बिना नहीं रह पाते। किसी भी संडे को अपने शहर में एक सायक्लिंग एडवेंचर प्लान करने से मजेदार क्या हो सकता है। हर शहर के पास ऐसी जगह होती ही हैं जहां साइकिल से जाया और आया जा सकता है। रास्ते में कई लैंडस्केप्स मिलते हैं जिन्हे पहले देखा ही नहीं होता है। याद रखिये कि साइकिल पर चलकर दुनिया को बिलकुल अलग नजर से देखा जा सकता है और ऐसी जगह घूम सकते हैं जहां पहले कभी नहीं गए।

## हरी मिर्च खाने के ये फायदे चौंका देंगे आपको...

हरी मिर्च कई तरह के पोषक तत्वों जैसे- विटामिन ए, बी6, सी, आयरन, कॉपर, पोटेशियम, प्रोटीन और कार्बोहाइड्रेट से भरपूर होती है. यही नहीं इसमें बीटा कैरोटीन, लुटेन - जॉक्सन्थिन आदि स्वास्थ्यवर्धक चीजें मौजूद हैं. वैसे तो आमतौर पर इसका इस्तेमाल खाने का स्वाद बढ़ाने के लिए ही किया जाता रहा है लेकिन हाल में हुए कई शोध इस बात का दावा करते हैं कि हरी मिर्च खाने से कई स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से छुटकारा पाया जा सकता है.

1. हरी मिर्च में विटामिन सी पर्याप्त मात्रा में होता है. विटामिन सी दूसरे विटामिन्स को शरीर में भली प्रकार अवशोषित होने में मदद करता है.
2. हरी मिर्च एंटी-ऑक्सीडेंट का एक अच्छा माध्यम है. हरी मिर्च में डाइट्री फाइबर्स प्रचुर मात्रा में होते हैं, जिससे पाचन क्रिया सुचारू बनी रहती है.
3. विटामिन ए से भरपूर हरी मिर्च आंखों और त्वचा के लिए भी काफी फायदेमंद है.
4. हाल में हुई कुछ स्टडीज के अनुसार, हरी मिर्च ब्लड शुगर को कम करने में कारगर होती है .

# इन बातों से बनेगा आपका दमदार व्यक्तित्व

अभी तक यह माना जाता था कि व्यक्तित्व जन्मजात होता है और वह बदला नहीं जा सकता है। पिछले कुछ सालों से कुछ विशेषज्ञों ने यह सिद्ध किया है कि अभ्यास और ट्रेनिंग से आपके व्यक्तित्व को बदला जा सकता है। इसके लिए आपको परिश्रम करना होगा और समर्पण के साथ प्रयास करने होंगे। तभी आप अपने व्यक्तित्व में ऐसे परिवर्तन ला पाएंगे जिनके सहारे आप एकेडमिक और व्यवसायिक सफलता हासिल पाएंगे। देखें क्या हैं वे जरूरी तत्व जो देते हैं हमें दमदार पर्सनैलिटी।

**कॉन्फिडेंस :** व्यक्तित्व आपकी संपूर्णता का ही एक हिस्सा है, इसलिए यह जरूरी है कि आप जिस दिशा में सोच रहे हैं, विश्वास कर रहे हैं और काम कर रहे हैं उसमें दृढ़ता दिखाएं। यह दूसरों के लिए नहीं, स्वयं अपने लिए जरूरी है। फिर यह भी जरूरी है कि आप अपनी प्रतिभा और योग्यता पर विश्वास रखें और यह यकीन भी रखें कि आप हर उस बाधा को पार कर लेंगे जो आपके सामने आएगी। यदि आप एक टास्क को पूरा करने में लगे हुए हैं तो आप फिर से ड्राइंग बोर्ड की तरफ लौटें। अपनी योजना का एक प्लान बनाएं और उसमें आने वाले सभी सकारात्मक और नकारात्मक पहलुओं पर पूरी तरह से विचार करें। 90 प्रतिशत मामलों में यदि आप अपने प्रयासों को लेकर आश्वस्त हैं असफलता की आशंका कम होती जाती है।

अक्सर यह बताया जाता है कि हरेक व्यक्ति अपने आप में विशिष्ट है और इसलिए दुनिया में उसके जैसा कोई और हो ही नहीं सकता है। हालांकि यह हमें बहुत ही घिसा-पिटा लगता है लेकिन यह सही है। इसका संबंध हमारे विशिष्ट स्वभाव, राय या व्यवहार से है जो हमें दूसरों की नजर में इंट्रेस्टिंग बनाता है, और यही हमारे व्यक्तित्व का सबसे जरूरी हिस्सा भी होता है। अत: जरूरी है कि किसी की तरह होने की बजाए खुद हों। ज्यादातर मामलों में, सफलता पाने के लिए लोग दूसरों के विचारों और व्यवहारों की नकल करते हैं। जबकि ऐसी चीजें थोड़े समय के लिए लाभकारी हो सकती है, यह बाद में काम नहीं करती है। हां जरूरी यह है कि आप अपनी ताकत और कमजोरी को पहचानें और उन पर काम करें और फिर उस हिसाब से अपने व्यक्तित्व को ढालें।

**अटायर :** ज्यादातर विशेषज्ञ इस बात पर यकीन करते हैं कि व्यक्तित्व प्रारंभिक तौर पर एक व्यक्ति की योग्यता, क्षमता से ही बनती है। लेकिन आपका अटायर या जो कपड़े आप पहनते हैं वह इस नियम का अपवाद है। आपकी भौतिक उपस्थिति की लोग अमूमन उपेक्षा करते हैं, यदि आपका अटायर इस बात को प्रभावित करता है कि आप लोगों के सामने कैसे जाते हैं? आपको हमेशा ऐसे कपड़े पहनना चाहिए जो आपके स्ट्रक्चर, आपके बॉडी टाइप और अवसर के अनुकूल हों।

**बॉडी लैंग्वेज :** आज के दौर में आपकी बॉडी लैंग्वेज आपके बारे में उससे ज्यादा कह देती है, जितना आप स्वयं कहकर या फिर अपने ज्ञान से नहीं कह सकते हैं। यहां तक कि आपके त्वरित हावभाव और आपका दिन-प्रतिदिन का व्यवहार जिसे आप उतना महत्व नहीं देते हैं लेकिन वही आपके व्यक्तित्व के संदर्भ में एक महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन करता है। आप कैसे बैठते हैं, कैसे बोलते, हाथ मिलाते हैं या फिर अभिवादन करते हैं, किस तरह बातचीत के दौरान आप नजरें मिलाते हैं यह सब कुछ आपके व्यक्तित्व का हिस्सा है। इसलिए जरूरी है कि आप इसका अच्छे से अभ्यास करें।

**वाकपटु स्वभाव :** आपकी बॉडी लैंग्वेज, संवाद-कौशल चाहे लिखित हो या मौखिक आपके व्यक्तित्व का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा है। लोकप्रिय विश्वास से अलग बातचीत भी एक तरह की कला है और यह शिष्टता, भद्रता और रचनात्मकता का मिलाजुला रूप है, तभी यह ज्यादा प्रभावोत्पादक हो सकता है। ज्यादातर मामलों में, लोग औपचारिक लिखित कम्युनिकेशन में बेहतरीन प्रदर्शन करते हैं, लेकिन जैसे ही बात मौखिक होती है, उन्हें मुश्किल आती है। याद रखें यह भी आपके व्यक्तित्व का अभिन्न अंग है। किस तरह से आप अपने विचार व्यक्त करते हैं, आपके शब्दों का चयन क्या होता है, बात करने का लहजा कैसा है, जिस विषय पर चर्चा हो रही है उसमें आपकी सहभागिता कैसी है और आपकी बॉडी लैंग्वेज कैसी है यह सब अच्छे कम्युनिकेशन का महत्वपूर्ण हिस्सा है।

**शिष्ट व विनम्र स्वभाव :** आपका व्यक्तित्व आपकी आदत और व्यवहार के पैटर्न से भी परिभाषित होता है। और यही आपके रोजमर्रा के जीवन का स्वाभाविक हिस्सा है। इसलिए आपका स्वभाव ऐसा होना चाहिए कि वह दूसरों पर गहरा प्रभाव डालें।

शिष्ट-शालीन और विनम्रता के साथ सहज व्यवहार अब भी फैशन से बाहर नहीं हुआ है। उल्टा, ये सारी चीजें आपके व्यक्तित्व में गिनी जाएंगी।

**अपनी रुचि तराशें :** अपने व्यक्तित्व के विस्तार के लिए जरूरी है कि आप अपने ज्ञान का स्तर बढ़ाएं, ज्यादा से ज्यादा अनुभव लें। ज्यादा पढ़ें, कुछ नया सीखें। अपनी रुचि विकसित करें, क्योंकि जितना अधिक आपका एक्सपोजर होगा, आप उतना ज्यादा सीखेंगे। और यही आपके व्यक्तित्व को निखारने में मदद करेगा जो आपके प्रतिस्पर्धी पर आपको बढ़त देगा।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
**संपादक : राकेश शर्मा,** मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 ( संपादकीय )** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **( सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन )**